हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची • बुधवार • 10.09.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 50 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : 3 रुपये 2 रुपये

सोशल मीडिया बैन के खिलाफ नेपाल में हिंसा, भारत ने सीमा पर जारी किया अलर्ट

नेपाल में हालात भयावह, प्रदर्शनकारियों ने पूर्व पीएम की पत्नी को जिंदा जलाया

गृह मंत्री, प्रधानमंत्री के बाद राष्ट्रपति ने भी छोड़ा पद

एजेंसी

नई दिल्ली : नेपाल में लगातार हालात बिगड़ते जा रहे हैं। गृह मंत्री के बाद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भी इस्तीफा दे दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के इस्तीफे की भी खबरें आईं थी, हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। सोशल मीडिया ऐप्स पर बैन के खिलाफ शुरू हुए प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया जिसमें अबतक 22 लोगों की मौत हो गई है। नेपाल में 26 सोशल मीडिया ऐप्स पर बैन के विरोध में कल हुए हिंसक प्रदर्शन ने मंगलवार को और भी उग्र रूप ले लिया है। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि सरकार ने हिंसक विरोध के बाद सोशल मीडिया ऐप्स पर के फैसले को वापस ले लिया है। नेपाल में सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन लगातार हिंसक होता जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन में आगजनी की है। इसके अलावा पूर्व पीएम केपी ओली के दफ्तर पर भीड़ ने हमला किया है। नेताओं और मंत्रियों के दफ्तरों में प्रदर्शनकारी आगजनी और तोड़फोड़ कर रहे थें। प्रदर्शनकारियों ने नेपाल के पूर्व पीएम झालानाथ खनल की पत्नी राज्यलक्ष्मी चित्रकार को जिंदा जला दिया। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने उन्हें घर में बंदी बना लिया और घर में आग लगा दी। यह घटना काठमांडू के दल्लू इलाके में उनके घर पर हुई। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, राज्यलक्ष्मी चित्रकार को कीर्तिपुर बर्न अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

एयर इंडिया और इंडिगो ने दिल्ली-काठमांडू मार्ग पर उड़ानें रद्द कीं

नयी दिल्ली : टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयलाइंस और इंडिगो ने नेपाल में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच हवाई अड्डे के बंद होने की वजह से मंगलवार को दिल्ली से काठमांडू के बीच अपनी चार उड़ानें रद्द कर दीं है। नेपाल में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शन के बीच एयर इंडिया का एक विमान मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली लौट आया, क्योंकि काठमांडू हवाई अड्डे पर धुआं देखा गया था। इंडिगो और नेपाल एयरलाइंस ने भी राष्ट्रीय राजधानी से काठमांडू के लिए अपनी उड़ानें रद्द कर दीं हैं, क्योंकि नेपाल की राजधानी स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।

भारत सरकार ने जारी की एडवायजरी

नेपाल में लगातार बिगड़ते हालातों को देखते हुए भारत सरकार ने अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए एडवायजरी जारी की है। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एडवायजरी में भारतीय नागरिकों को नेपाल यात्रा न करने की सलाह दी गई है। विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि नेपाल में बदलते हालात को देखते हुए, भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे स्थिति स्थिर होने तक वहां की यात्रा न करें। वर्तमान में नेपाल में मौजूद भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे अपने वर्तमान निवास स्थान पर ही रहें, सड़कों पर निकलने से बचें और पूरी सावधानी बरतें।

एक नजर

रिश्वतखोरी मामले में सीसीएल के सुरक्षा अधिकारी समेत 7 गिरफ्तार

नयी दिल्ली : सीबीआई ने झारखंड की गिद्दी 'सी' कोलियरी परियोजना में रिश्वतखोरी के एक मामले में सीसीएल के तीन कर्मचारियों और चार अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सीसीएल कर्मियों में सीसीएल प्रबंधक और सुरक्षा अधिकारी (खनन) अनिल कुमार, क्लर्क दीपक कुमार, सुरक्षा गार्ड नरेश कुमार और अन्य लोगों में मोहम्मद सद्दाम, इसराइल अंसारी, मोहम्मद तबारक और अरुण लाल शामिल हैं। इन कर्मचारियों पर आरोप है कि इन्होंने सड़क मार्ग से कोयले की बिक्री के दौरान रिश्वत लेकर अवैध रूप से कोयला उठाने की अनुमति दी। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने सातों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन सभी को हिरासत में ले लिया। फिलहाल एजेंसी मामले की छानबीन कर रही है । सभी आरोपियों को मंगलवार को रांची में सीबीआई के विशेष न्यायाधीश की अदालत में पेश किया जाएगा। सीबीआई का कहना है कि इन लोगों की न्यायिक हिरासत में पूछताछ के लिए आवेदन किया गया है। इस मामले में और भी तथ्य सामने आ सकते हैं।

कुलगाम मुठभेड़ समाप्त, आतंकवादी ठिकाना ध्वस्त, दो सैनिक शहीद

कुलगाम : दक्षिण कश्मीर के कुलगाम ज़िले के गुड्डार वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच दो दिनों से चल रही मुठभेड़ मंगलवार को समाप्त हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में दो जवान वीरगति को प्राप्त हुए। बलिदान हुए सैनिकों की पहचान सूबेदार प्रभात गौड़ और लांस नायक नरेंद्र सिंधु के रूप में हुई है। मुठभेड़ के दौरान सेना के एक मेजर भी घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार सुबह शुरू हुई मुठभेड़ में बीच-बीच में गोलीबारी होती रही लेकिन रात भर अंधेरे के कारण इसे रोक दिया गया और मंगलवार तड़के फिर से शुरू हो गई। उन्होंने कहा सुरक्षा बलों द्वारा अंतिम दौर की तलाशी के बाद मंगलवार दोपहर अभियान समाप्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि मारे गए आतंकवादी घने जंगल में छिपने के लिए इस ठिकाने का इस्तेमाल कर रहे थे। मारे गए आतंकवादियों की पहचान का पता लगाया जा रहा है हालांकि एक आतंकवादी के पाकिस्तानी नागरिक होने का संदेह है।

एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन चुने गए देश के उपराष्ट्रपति

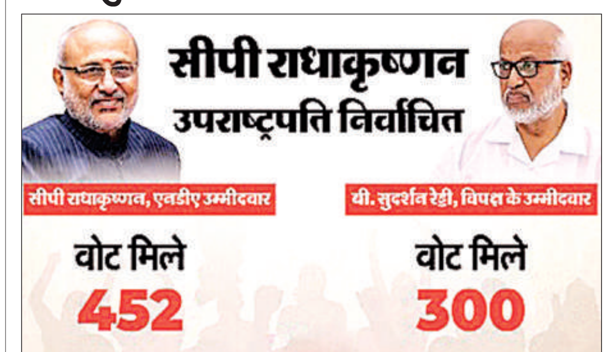

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारत के नए उपराष्ट्रपति एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को चुना गया है। उन्होंने अपने विरोधी इंडी गठबंधन के बी सुदर्शन रेड्डी को हराकर 452 वोटों के साथ बड़ी जीत हासिल की। सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। इस पद पर जीत के लिए जरूरी 392 वोटों से कहीं ज्यादा वोट लेकर सीपी राधाकृष्णन ने एकतरफा जीत दर्ज की। चुनाव में कुल 767 सांसदों ने वोट डाले, जिनमें से 15 वोट अमान्य घोषित किए गए।

एनडीए को क्रॉस वोटिंग का फायदा

एनडीए के पास पहले से ही 427 सांसदों का समर्थन था। इसके साथ ही वाईएसआर कांग्रेस के 11 सांसदों ने भी एनडीए का साथ दिया। इसके अलावा, विपक्षी खेमे से 14 सांसदों ने क्रॉस वोटिंग करते हुए सीपी राधाकृष्णन को वोट दिया। इस तरह एनडीए को कुल 452 वोट मिले। बीजेपी ने दावा किया है कि विपक्ष के 14 सांसदों ने एनडीए के पक्ष में वोट डालकर क्रॉस वोटिंग की, जिससे विपक्ष को नुकसान हुआ।

विपक्ष ने दिखाई एकता, पर संख्या में पीछे

इंडी गठबंधन ने सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाकर एकता का संदेश देने की कोशिश की, लेकिन उनकी संख्या एनडीए से कम थी। रेड्डी ने कहा कि उन्होंने सांसदों से "अंतरात्मा की आवाज पर वोट करने" की अपील की थी, जिससे कुछ लोगों ने पाला बदल लिया।

वोटिंग प्रक्रिया और अमान्य वोट

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान मंगलवार को संसद भवन के वसुंधरा भवन में हुआ। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक सांसदों ने वोट डाले। कुल 782 सांसदों को वोट डालने का अधिकार था, जिनमें से 767 ने मतदान किया। 15 वोट अमान्य पाए गए, जो कुल वोटों का लगभग 2 प्रतिशत हैं।

एनआईए की 6 राज्यों में छापेमारी के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद

एजेंसी

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को आतंकी साजिश मामले में पांच राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के 21 ठिकानों पर की गयी छापेमारी में कई डिजिटल उपकरण, मोबाइल फोन और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए।

एनआईए के मुताबिक, इस छापेमारी के केंद्र में अखलाथुर उर्फ मोहम्मद अखलाक मुजाहिद है, जिसे भारत में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। आरोपी ने प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के साथ मिलकर भारत के खिलाफ जिहाद छेड़ने और इसके लिए मानव व भौतिक संसाधन जुटाने की योजना बनाई थी। जांच में यह भी सामने आया है कि वह सोशल मीडिया के माध्यम से इन संगठनों के संपर्क में था और उसके पाकिस्तान तथा सीरिया स्थित कट्टरपंथी समूहों से भी संबंध थे। छापेमारी के दौरान बरामद सामग्री से आतंकवादी नेटवर्क की व्यापकता और उसकी कार्यप्रणाली के बारे में अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। यह अभियान देश में सक्रिय आतंकी साजिशों को विफल करने और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है। जब्त दस्तावेजों और डिजिटल डाटा की तकनीकी जांच जारी है, ताकि साजिश में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा सके और नेटवर्क के पूरे ढांचे को उजागर किया जा सके।

उल्लेखनीय है कि एनआईए की यह कार्रवाई बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में की गई। एजेंसी ने इस वर्ष जून में तमिलनाडु के चेंगलपट्टू जिले में स्थानीय पुलिस से यह मामला अपने अधीन लिया था।

273 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में ईडी ने दिल्ली, मध्य प्रदेश में 10 जगहों पर छापे मारे

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कथित 273 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में दिल्ली और मध्य प्रदेश में दस स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। एजेंसी ने दिल्ली में नौ और मध्य प्रदेश के भोपाल में एक जगह पर छापेमारी की। तलाशी अभियान में शामिल परिसर कंपनी से निकटता से जुड़ी संस्थाओं और व्यक्तियों के हैं।

ईडी ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एफआईआर के आधार पर प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की, जो बैंक द्वारा की गई शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी। अधिकारियों ने कहा, कंपनी और उसके प्रमोटरों और निदेशकों ने आईएफसीआई (भारतीय औद्योगिक वित्त निगम) द्वारा दिए गए लगभग 273 करोड़ रुपये के ऋण और धन का गबन कर लिया। ईडी द्वारा की गई जांच का हवाला देते हुए अधिकारियों ने कहा कि ऋण राशि की एक बड़ी राशि ईएचडीएल की विभिन्न संबंधित संस्थाओं को हस्तांतरित कर दी गई, जो किसी भी वास्तविक व्यवसाय में शामिल नहीं थीं।

एक अन्य मामले में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा 2014 में दर्ज कराई गई शिकायत के दस्तावेज और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दाखिल की। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने ईडी को सभी प्रस्तावित आरोपियों को दस्तावेजों की प्रतियां उपलब्ध कराने को कहा।

अदालत ने मामले की सुनवाई 16 सितंबर के लिए निर्धारित की है ताकि प्रस्तावित अभियुक्तों के वकीलों द्वारा प्रस्तुतियाँ, यदि कोई हों, सुनी जा सकें। इसके बाद, अदालत संज्ञान पर आदेश के लिए एक तिथि निर्धारित करेगी। गुरुवार को बंद कमरे में अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने ईडी को दस्तावेज दाखिल करने का समय दिया। अदालत ने ईडी से कुछ स्पष्टीकरण भी मांगे हैं। यह मामला ईडी द्वारा दायर अभियोजन शिकायत पर समन जारी करने के आदेश के लिए लंबित है।

सुनवाई के दौरान, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एस वी राजू वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए और कहा कि ईडी इन दोनों दस्तावेजों को अदालत में दाखिल करने और प्रस्तावित अभियुक्तों को उपलब्ध कराने के खिलाफ नहीं है। उन्होंने इन्हें औपचारिक आवेदन के जरिए दाखिल करने की मांग की।

इरफान अंसारी ने 91 सीएचओ को सौंपा नियुक्ति पत्र

झारखंड के सभी सदर अस्पतालों में होगी एमआरआई व सीटी स्कैन की सुविधा : मंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के सभी जिलों के सदर अस्पतालों में एमआरआई और सीटी स्कैन मशीनें लगाई जाएंगी। इससे आम लोगों को इलाज में काफी सहुलियत होगी। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मंगलवार को 91 सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों (सीएचओ) को नियुक्ति पत्र सौंपने के दौरान यह बात कही।

स्वास्थ मंत्री इरफान अंसारी ने नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान सभागार में आयोजित समारोह में कहा कि इससे राज्य की आम जनता को महंगे इलाज के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। लोगों को अपने जिला मुख्यालयों में ही एमआरआई और सीटी स्कैन की सुविधा मुल सकेगी। उन्होंने कहा कि पिछले 25 वर्षों में जो सुधार नहीं हो पाया उसे अब तेजी से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा हम जो बोलते हैं वो करके दिखाते हैं। राज्य में विशेषतौर पर गुर्दे की बीमारी के इलाज के लिये 2100 बिस्तरों वाला सुपर स्पेशियलिटी किडनी अस्पताल और छह नए मेडिकल कॉलेज जल्द ही बनेंगे। इससे गंभीर बीमारियों का इलाज झारखंड में ही संभव हो सकेगा। स्वास्थ मंत्री ने समारोह के दौरान शायरी सुनाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विरोधियों पर निशाना भी साधा। उन्होंने कहा,

मजबूत से मजबूत लोहा टूट जाता है, कई झूठे इकट्ठे हों तो सच्चा टूट जाता है। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने इस मौके पर कहा कि झारखंड का स्वास्थ्य सूचकांक राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। शिशु मृत्यु दर, मातृत्व मृत्यु दर और संस्थागत प्रसव में राज्य ने उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है।

कार्यक्रम में एनएचएम अभियान के निदेशक शशि प्रकाश झा, मेडिकल कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक अबु इमरान, प्रमुख स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक डॉ. सिद्धार्थ सान्याल सहित कई अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

सियाचिन ग्लेशियर में भीषण हिमस्खलन में तीन सैनिक शहीद, राहत-बचाव कार्य जारी

एजेंसी

लद्दाख : केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में एक आधार शिविर पर हिमस्खलन का मामला सामने आया है। इस घटना में तीन सैनिकों की जान चली गई है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को 12,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित सियाचिन आधार शिविर क्षेत्र में हिमस्खलन हुआ, जिसमें दो अग्निवीर सहित तीन सैनिक फंस गए। अधिकारियों ने बताया कि तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया और फंसे हुए सैनिकों के शव निकाल लिए गए। मामले में अधिक जानकारी की प्रतिक्षा की जा रही है।

अधिकारियों ने बचाव अभियान तेज कर दिया है और ग्लेशियर की कठोर परिस्थितियों से निपटने के लिए विशेष टीमों को तैनात किया है।

मधुपुर का लाल नीरज चौधरी सियाचिन में शहीद, गांव में मातम

देवघर जिले के मधुपुर प्रखंड का कजरा गांव शोक में डूब गया है। गांव के वीर सपूत और भारतीय सेना के अग्निवीर नीरज चौधरी जम्मू-कश्मीर के सियाचिन में देश की रक्षा करते हुए शहीद हो गए।नीरज चौधरी, अनिल चौधरी के पुत्र थे और लगभग ढाई साल पहले अग्निवीर योजना के तहत भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। उनका शौर्यपूर्ण जीवन अल्पकाल में ही समाप्त हो गया, जिससे पूरा इलाका गमगीन है। नीरज की शहादत की खबर आते ही गांव में मातम छा गया। घर-घर से सिसकियों की आवाजें गूंज रही हैं। माता-पिता और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हर कोई उनकी वीरता और बलिदान को याद कर श्रद्धांजलि दे रहा है। स्थानीय विधायक सह झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन और गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने शोक व्यक्त किया है। दोनों जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नीरज की शहादत हमेशा झारखंड और देशवासियों के दिल में अमर रहेगी।

एक नजर

चौपारण में बिरहोर परिवारों को जन मन पीएम योजना का मिलेगा लाभ

चौपारण : पंचायत चौपारण के ग्राम बिगहा में आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय के दो परिवारों को जन मन प्रधानमंत्री योजना के तहत पक्का आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। मुखिया प्रतिनिधि बिनोद सिंह ने बताया कि गांव का सर्वेक्षण कर दो परिवारों का चयन किया गया है। इनमें सुकांति देवी पति लखन बिरहोर और राजू बिरहोर पिता डोमन बिरहोर का नाम शामिल है। दोनों परिवार लंबे समय से कच्चे मकान में रह रहे थे और आर्थिक तंगी के कारण खुद से पक्का घर बनाने में असमर्थ थे। उन्होंने कहा कि यह योजना विशेष रूप से आदिम जनजातियों के लिए है, ताकि उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन मिल सके। योजना से लाभुक परिवारों को पक्का घर मिलने के बाद उनके जीवन स्तर में सुधार होगा।

पंचायत भवन में आज लगेगा पेंशन सत्यापन शिविर

चौपारण : चौपारण पंचायत वासियों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। बुधवार को चौपारण पंचायत भवन में सभी प्रकार की पेंशन योजनाओं का सत्यापन कार्य किया जाएगा। राज्य सरकार और केंद्र सरकार द्वारा संचालित पेंशन योजनाओं जैसे वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन और विकलांग पेंशन आदि का सत्यापन अनिवार्य रूप से करना होगा। इस दौरान लाभुकों को आवश्यक दस्तावेज लेकर आना होगा। वृद्धा पेंशनधारियों को अपना आधार कार्ड और बैंक पासबुक लाना है। विधवा पेंशन के लिए लाभुकों को मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड और बैंक पासबुक अनिवार्य रूप से लाना होगा। वहीं, विकलांग पेंशन का लाभ उठा रहे लोगों को विकलांगता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड और बैंक पासबुक साथ लाना होगा। पंचायत प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि को सत्यापन नहीं कराने पर संबंधित पेंशनधारियों की पेंशन राशि बंद हो सकती है। इसलिए सभी लाभुकों से अपील की गई है कि वे समय पर पंचायत भवन पहुंचकर सत्यापन कार्य पूरा करें।

चलकुशा पुलिस ने एक को गिरफ्तार कर भेजा जेल

चलकुसा : चलकुशा थाना कंप्लेन केस संख्या 1512/21 के अभियुक्त चलकुशा निवासी मोहम्मद कमर जमान अहमद पिता अहमद अली आशी उर्फ मौलवी साहब को थाना प्रभारी के नेतृत्व में 138 एन आई ऐक्ट के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

अदाणी फाउंडेशन ने किया रोजगार मेले का आयोजन, 200 से अधिक युवाओं ने लिया हिस्सा

- थाना प्रभारी ने किया मेले का उद्घाटन, विभिन्न पदों के लिए शॉर्ट लिस्टिंग की प्रक्रिया जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : अदाणी फाउंडेशन की ओर से को बड़कागांव में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता ने किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित युवाओं से कहा कि वे रोजगार के अवसरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। मेले में गोंदुलपारा खनन परियोजना प्रमुख पुंडरीक मिश्रा ने रैयतों को आरएनआर पॉलिसी और एलए एंड आरआर एक्ट 2013 के तहत मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। उन्होंने जानकारी दी कि अदाणी फाउंडेशन जल्द ही इलाके में स्कूल, हॉस्पिटल और स्किल ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना करेगा, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के क्षेत्र में स्थानीय लोगों को सुविधा मिल सकेगी। रोजगार मेले में करीब 200 से अधिक सीवी जमा हुए, जिनकी शॉर्टलिस्टिंग की प्रक्रिया जारी है। अदाणी फाउंडेशन के अधिकारियों ने बताया कि युवाओं को उनकी योग्यता, अनुभव और कौशल के आधार पर नौकरी के ऑफर दिए जाएंगे। रोजगार मेले के बाद भी एक सप्ताह तक सीवी ड्रॉप बॉक्स सक्रिय रहेगा, जहां इच्छुक उम्मीदवार अपने दस्तावेज जमा कर सकते हैं। प्राथमिकता विस्थापित परिवारों, परियोजना प्रभावित और आसपास के ग्रामीण परिवारों को दी जाएगी। रोजगार के ये अवसर अहमदाबाद के मुंद्रा, मध्यप्रदेश के सिंगरौली, पटना, आंध्रप्रदेश और पुणे समेत अन्य जगहों के लिए है।युवाओं के लिए जो मौके उपलब्ध हैं उनमें कंटेनर मोबिलिटी ऑपरेटर, एचएमवी ड्राइवर और सोलर ऑपरेटर के पद शामिल हैं।चयनित उम्मीदवारों को हर महीने वेतन के साथ कर्मचारी भविष्य निधि , वार्षिक मेडिकल जांच, सस्ते दर पर भोजन, आवास सुविधा तथा इंसेंटिव जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। ज्ञात हो कि अदाणी फाउंडेशन पिछले कई वर्षों से बड़कागांव इलाके में सीएसआर गतिविधियों को निरंतर चला रहा है। इसके तहत फ्री एम्बुलेंस सेवा, टीबी मरीजों को पोषण किट, नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर, शैक्षणिक सहयोग और छात्रवृत्ति योजनाएं शामिल हैं, जिनसे बड़ी संख्या में स्थानीय लोग लाभान्वित हो रहे हैं। कार्यक्रम में सुरक्षा प्रमुख अमित कोले, डीजीएम राजेश वर्मा, एचआर लीड लक्ष्मीकांत, एडमिन अधिकारी मिथिलेश कुमार सिन्हा समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

विधवा पुनर्विवाह पर झारखंड सरकार देगी 2 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : झारखंड सरकार ने विधवा महिलाओं के लिए एक विशेष योजना 'विधवा पुनर्विवाह योजना'की शुरूआत की है। इस योजना के तहत विधवा महिलाओं को पुनर्विवाह करने पर सरकार दो लाख तक का प्रोत्साहन राशि देती है। एक विधवा महिला को अपने जीवन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और यह परेशानियां तब और भी अधिक बढ़ जाती है जब कोई महिला बहुत ही कम उम्र या शादी के कुछ वर्षो बाद ही विधवा हो जाती है। एक तरफ जीवनसाथी को खोने का गम तो दूसरी ओर समाज और समाज के ताने जीवन जीने की आस ही छीन लेते हैं। कई बार तो परिस्थितियां इतनी दयनीय हो जाती है कि उस विधवा महिला को उसके ससुराल वाले साथ रखने से इनकार कर देते है और मायके वाले भी उसे अपनाने से साफ मना कर देते है। ऐसी परिस्थितियों में महिलाएं आर्थिक रूप से भी कमजोर और अकेली पड़ जाती है। लेकिन सरकार ने इन महिलाओं की परेशानियों को जड़ से खत्म करने और इनके बेरंग जीवन में एक बार फिर से रंग भरने की एक अनोखी पहल की है।

सांसद खेल महोत्सवः दारू -टाटीझरिया संयुक्त नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल द्वारा लोकसभा क्षेत्र में संचालित सांसद खेल महोत्सव 2025 के सीजन के तहत नमो फुटबॉल टूनार्मेंट दारू और टाटीझरिया मंडल के संयुक्त टूनार्मेंट का शानदार समापन दारू प्रखंड क्षेत्र के रामदेव खरिका पंचायत स्थित रामदेव खरिका फुटबॉल मैदान में बड़े ही उत्साहपूर्ण और रोमांचक माहौल में हुआ। टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला कवालु टीम बनाम जिनगा टीम के बीच खेला गया। जिसमें फाइनल मैच के प्रथम पाली में ही बेहद रोमांचक मुकाबले में जिनगा टीम की टीम ने कवालु टीम को दो गोल दागे और दूसरी पाली में दोनों टीमों के बीच संघर्ष जारी रहा और इस तरह से कवालु टीम को मात देकर जिनगा टीम की टीम 2 -0 गोल से विजेता बनी। टूनार्मेंट में जीत के पश्चात पूरे मैदान आतिशबाजी की गूंज से गुंजायमान हो उठा। फाइनल मुकाबले में पूरे मैदान को आयोजन समिति द्वारा रंग बिरंगे झंडे से बेहद आकर्षक रूप से सजाया गया। इस टूनार्मेंट में सदर विधानसभा क्षेत्र के दारू प्रखंड और मांडू विधानसभा क्षेत्र के टाटीझरिया प्रखंड क्षेत्र की कुल 50 टीमें ने हिस्सा लिया था।

टीबी मरीजों को पोषण किट मुहैया कराया उषा मार्टिन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : टीबी उन्मूलन में जनसहभागिता जरूरी है। इसके लिए समाज के सभी वर्ग के लोगों एवं संस्थाओं को आगे आकर सहयोग करना होगा। समाज से टीबी उन्मूलन हमारा लक्ष्य होना चाहिए। उक्त बातें उषा मार्टिन के एचआर हेड एनएन झा ने कहीं। वह आज उषा मार्टिन और शालिनी अस्पताल के सहयोग से टी0बी0 मरीजों के लिए पोषण वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। उषा मार्टिन कंपनी के सहयोग से कारखाने के इर्द गिर्द के गांवों में इलाजरत टीबी के 50 मरीजों के बीच पोषण किट का वितरण किया गया। कंपनी द्वारा पिछले तीन सालों से समीपवर्ती गांव के मरीजों को पोषण उपलब्ध कराया जा रहा है। उषा मार्टिन फॉउंडेशन के हेड डॉ मयंक मुरारी ने कहा कि उषा मार्टिन अपने सीएसआर कार्यक्रम के तहत पिछले तीन सालों से सरकारी के लोक कल्याण के कार्य को सहयोग कर रही है। गांवों में कुपोषण के लिए भी शालिनी अस्पताल के माध्यम से कार्यक्रम चलाया जा रहा हउषा मार्टिन फॉउंडेशन के सहयोग शालिनी अस्पताल के माध्यम से प्रधानमंत्री निक्षय पोषण योजना के तहत बांटे गए पोषण किट में प्रोटीनयुक्त खाद्य सामग्री मुहैया कराया गया है। इसमें सामग्रियों में दाल, चना, गुड़ मूंग, तेल, सोयाबीन बरी के अलावा अंडा शामिल है। यह पोषण किट अगले छह माह तक प्रदान किया जायेगा। महीने के पहले सप्ताह में मरीजों को इसे उपलब्ध करवाया जायेगा। डॉ टीके मिश्रा ने कहा कि टी0बी0 उन्मूलन में दवाई के साथ पोषण जरूरी है। हरेक मरीज को पूरी सावधानी से छह माह तक उषा मार्टिन के माध्यम से उपलब्ध कराये गये पौष्टिक आहार को लेना चाहिए। ऐसे करने पर ही वे टी0बी मुक्त हो सकेंगे। अमरेश कुमार ने कहा कि जन भागीदारी के कारण टी0बी उन्मूलन का कार्यक्रम लक्ष्य पर पूरा हो सकेगा।

अतिक्रमण के खिलाफ चला बुलडोजर, धनबाद रोड एवं अस्पताल के सामने से हटा अतिक्रमण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : धनबाद रोड में बढ़ती ट्रैफिक समस्या एवं लगातार लगती जाम से निजात दिलाने के लिए स्थानीय प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाया। बीडीओ जयपाल महतो एवं सीओ चंद्रशेखर कुणाल के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ बुलडोजर लेकर पहुंचे और खासकर धनबाद रोड का अतिक्रमण हटाया। जैसे ही अतिक्रमण की कार्रवाई शुरू हुई वैसे अफरा तफरी का माहौल दिखा। अतिक्रमण की कार्रवाई होता देख बहुत से अतिक्रमणकारी खुद अपना अतिक्रमण हटाने लगे। हालांकि इस दौरान कई गुमटी एवं अन्य अस्थाई तौर पर बने संरचना को हटाने के लिए समय मांगते दिखे लेकिन इसका कोई भी प्रभाव प्रशासन पर पड़ता नहीं दिखा। क्योंकि अतिक्रमणकारियों को पहले ही अतिक्रमण हटाने के लिए सूचित किया जा चुका था। हर बार की भांति लोग यही सोच रहे थे कि केवल नोटिस दिया जाता है। अतिक्रमण नहीं हटेगा। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। जिसका खामियाजा अतिक्रमणकारियों को भुगतना पड़ा। कई सीढ़ियों को तोड़ा गया। धनबाद रोड में अतिक्रमण हटाने के बाद बुलडोजर बरही अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचा और अस्पताल के सामने गुमटी एवं अन्य तरह का अस्थाई संरचना बनाकर अतिक्रमण करने वाले को नहीं बख्शा गया। सभी की गुमटी को हटा दिया गया। इसमें कुछ ऐसे लोग भी थे जो लोहे की गुमटी बनाकर अपना धंधा कर रहे थे। उनका धंधा चौपट हो गया। ज्ञात हो कि 20 अगस्त की एचएमएस की बैठक में अतिक्रमण हटाने का प्रस्ताव लिया गया था।

पितृ पक्ष में पुरखों को जल तर्पण से सुख व समृद्धि की प्राप्ति होती है : यदुनंदन मिश्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : 15 दिनों का पितृपक्ष शुरू हो गया है। प्रखंड के तमाम नदियों तालाबों में अपने पुरखों को जल तर्पण करने एवं पिंड दान करने के लिए लोग पहुंच रहे हैं। पुरोहितों के द्वारा मंत्र उच्चारण के साथ जल तर्पण एवं पिंडदान कराए जा रहे हैं। बड़कागांव पीपल नदी ,बादम ,रावतपारा, गोंदलपूरा, छवनिया नदी, सीकरी नदी, पंडरिया नदी, बिश्रामपुर नदी, हरली नदी के अलावा प्रखंड के तमाम नदियों में लोगों के द्वारा अपने पूर्वजों को जल तर्पण एवं पिंडदान करते देखे जा रहे हैं। पितृपक्ष को लेकर पुरोहित जगनंदन मिश्रा ने कहा कि पितरों को जल तर्पण और पिंडदान करने से घर में सुख शांति स्मृद्धिआती है। किसी के यहां अगर पितृ दोष है तो उस घर में कभी भी शांति नहीं होती है ।हमेशा लड़ाई झगड़ा परेशानी देखने को मिलेगा। इसलिए साल में एक बार पितृ पक्ष में अपने पुरखों को जरूर जल तर्पण पिंडदान करें। हालांकि अपने अपने पुरखों को जल तर्पण आप रोजाना कर सकते हैं। परंतु पितृ पक्ष का महत्व विशेष है।

सीसीएल आउटसोर्सिंग कंपनी पर हमला मामले में पुलिस ने 7 अपराधियों को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : चरही थाना क्षेत्र में 24 अगस्त 2025 को सीसीएल की आउटसोर्सिंग कंपनी अरविंद कोलियरिज लिमिटेड के व्यू प्वाइंट पर लगभग 8 से 10 अपराधियों ने अचानक धावा बोल दिया था। अपराधियों ने ट्रकों और वाहनों में आग लगा दी थी, जिसमें 3 हाइवा और 3 पिकअप वाहन जलकर राख हो गया था। इस घटना में कंपनी के एक कर्मचारी भी घायल हुए थे। घटना से कंपनी को भारी नुकसान पहुंचा था। इस मामले में चरही थाना कांड संख्या 191/25 दर्ज की गई थी, जिसमें कई गंभीर धाराएँ लगाई गईं। घटना के बाद हजारीबाग पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसआईटी टीम का गठन कर विशेष छापेमारी अभियान शुरू किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर 9 सितम्बर 2025 को पुलिस ने छापेमारी कर 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सभी ने अपराध में शामिल होने की बात कबूल की। गिरफ्तार अपराधियों के पास से 6 जिन्दा गोली, 7 सीसीएल पर्चे, एक बोलेरो वाहन और 6 मोबाइल फोन बरामद किए गए।

गिरफ्तार अपराधियों के नाम

इमदाद रजा (21 वर्ष), ग्राम मालीपुर, थाना चरही, हजारीबाग, सचिन कुमार रविदास (24 वर्ष), ग्राम कोसमा, थाना चौपारण, हजारीबाग, अफसर आलम (21 वर्ष), ग्राम पिपरा, थाना चरही, हजारीबाग, अजमत अंसारी (22 वर्ष), ग्राम बुधुआडीह, थाना तिलैया, कोडरमा, साहिल रजा (18 वर्ष), ग्राम बुधुआडीह, थाना तिलैया, कोडरमा, रामप्रवेश यादव (30 वर्ष), ग्राम कोसमा, थाना चौपारण, हजारीबाग, सुनील कुमार दास (29 वर्ष), ग्राम कांको, थाना तिलैया, कोडरमा, पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इस सफल अभियान से क्षेत्र में अपराधियों के मनोबल को तोड़ा गया है और शांति-व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया गया है। इस अभियान में कई पुलिस पदाधिकारी शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

मध्य विद्यालय बादम में स्ट्रेमैक्स फाउंडेशन के द्वारा प्रश्नोत्तरी का आयोजन

बड़कागांव : शिक्षा के प्रति समर्पित स्ट्रेमैक्स फाउंडेशन के संस्थापक सह निदेशक बिपिन कुमार ने नेतृत्व में मध्य विद्यालय बादम में प्रश्नोत्तरी एवं करियर काउंसलिंग का आयोजन किया। प्रश्नोत्तरी में अव्वल रहे वर्ग छह से आठवीं के दर्जन विद्यार्थियों को स्कूल के शिक्षकों द्वारा मेडल देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य सुधीर कुमार दास एवं संचालन निदेशक बिपिन कुमार ने किया। बिपिन कुमार ने विद्यार्थियों को पढ़ाई से संबंधित कई टिप्स दिए। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को अच्छे परिणाम के लिए एक अच्छा टाइम-टेबल बनाना जरूरी है। अपने दिन को अच्छे से प्रबंधित करने के लिए हर विषय के लिए निर्धारित समय तय करें। इस समय में बिना किसी रूकावट के पढ़ाई करें। उन्होंने प्रश्नोत्तरी के माध्यम से बच्चों को काफी उत्साहित किया। कार्यक्रम में स्कूल के सहायक शिक्षक अशोक राम,जयप्रकाश महतो,राहत अली,पूनम कुमारी,बिंदु कुमारी,सपना कुमारी एवं सीआरपी तनवीर अख्तर उपस्थित थे।

बसरिया में 25 दिवसीय जुट क्राफ्ट प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

बरही : बरही प्रखंड के बसरिया पंचायत के ग्राम पंचमाधव में मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड, रांची के सौजन्य से सोमवार को 25 दिवसीय कौशल उन्नयन जुट क्राफ्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ पंचायत की मुखिया नीलम देवी ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने उपस्थित प्रशिक्षुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। साथ ही उन्होंने सभी से पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करने का आग्रह किया। इस अवसर पर जिला उद्यमी समन्वयक श्रीषपति त्रिपाठी, प्रखंड उद्यमी समन्वयक सुरेश चंद्र महतो, जन जागरण केंद्र संस्था के निदेशक अजय कुमार साव, पूर्व मुखिया हरेंद्र गोप, चितरंजन महतो और राजेंद्र यादव समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय महिलाओं को रोजगार मूलक कौशल सीखने और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने पर विशेष बल दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों में छोटेलाल प्रसाद, मोहम्मद अहसान, सुजीत कुमारी, आरती देवी, प्रीति कुमारी, रवीना खातून, पार्वती देवी, कुरेशा खातून, आयशा खातून, रुबेदा खातून, सरस्वती देवी, सुधा कुमारी, सुनैना कुमारी, रुखसाना बानो, मनीषा कुमारी, रुबी कुमारी, अंशु कुमारी समेत अन्य महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही।

दामोदर बचाओ संघर्ष समिति ने छावनी सीईओ को सौंपा ज्ञापन

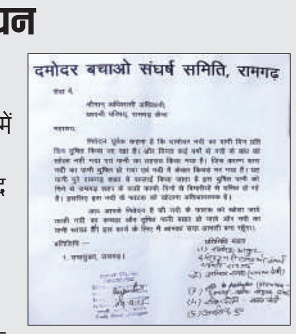

रामगढ़ : मंगलवार को दामोदर बचाओ संघर्ष समिति रामगढ़ संयोजक राजेश ठाकुर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल अनिल रजक अजीत कुमार रूपेश सोनी अरविंद कुमार के द्वारा छावनी के सीईओ को ज्ञापन सोपा गया। दामोदर बचाओ संघर्ष समिति संयोजक ने बताया कि दिन प्रति दिन दामोदर नदी की गंदगी और अतिक्रमण कि जा रही है नदी की पानी दूषित हो गया है और इसी पानी को शहरवासियों को पिलाया जा रहा इससे शहर के लोगो को अनेक बीमारियों का शिकार होना पड़ रहा है जिला प्रशासन ओर छावनी परिषद पदाधिकारी इस गंभीर विषय पर किसी प्रकार का कोई उपाय नहीं करती है श्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नमामि गंगे की योजना है कि नदी कि सफाई हो झारखंड की लाईफ लाइन है दामोदर नदी रामगढ़ की फैक्ट्रियों के द्वारा दामोदर को गंदा किया जा रहा है प्रदूषण से रामगढ़ के लोग त्राहिमाम कर रहे है।

कदाचार मुक्त हुआ मदरसा तहफूजे इस्लामिया में मौलवी एवं मैट्रिक शिक्षक की परीक्षा एवं इंटरव्यू

बरही : धनबाद रोड बरही में संचालित मदरसा तहफूजे इस्लामिया में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मौलवी एवं मैट्रिक शिक्षक पद के लिए कदाचार मुक्त परीक्षा एवं इंटरव्यू शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। मौलवी पद के3 लिए सात एवं मैट्रिक शिक्षक पद के लिए नौ अभ्यर्थियों ने आवेदन पत्र भरा था। जिसमें दोनों पदों से एक एक अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। मौलवी पद की परीक्षा प्रक्रिया के लिए मदरसा जामिया हुसैनिया गिरिडीह के सगीर अहमद को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। वहीं मैट्रिक शिक्षक पद के लिए मदरसा फरिदुल उलूम चलकुसा के बिस्मिल्लाह कौसर को विषय विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया था। जिनके निगरानी में परीक्षा संपन्न हुआ।
परीक्षा के दौरान बरही के पदेन सदस्य एवं एसडीओ जोहन टुडू ने औचक निरीक्षण किया और परीक्षा की व्यवस्था पर संतोष जताया। जैक के निर्देश पर इंटरव्यू लिया गया। इंटरव्यू का रिजल्ट तीन दिनों के भीतर गोपनीय प्रतिवेदन तैयार कर रांची स्थित मुख्यालय को भेजने का निर्देश दिया गया। कमेटी द्वारा साक्षात्कार बोर्ड में मदरसा अजीजुल उलूम जोहरगंज दादपुर हजारीबाग के कफील अहमद, मदरसा अहयाउल उलूम कोनहरा खुर्द के मो मुमताज राजा, मदरसा अर्शदुल उलूम नवादा विष्णुगढ़ के मो. जुबैर आलम, मदरसा अजिया जियाउल उलूम रसोईया धमना के मो अख्तर, मदरसा फरिदुल उलूम चालकुसा के मो. सलीम अंसारी व मदरसा जामिया हुसैनिया गिरिडीह के अबु जफर अदिल शामिल रहे। चयनित अभ्यर्थियों को वेतनमान का भुगतान राज्य सरकार द्वारा अनुदान स्वीकृति के उपरांत ही किया जाएगा। साक्षात्कार को शांतिपूर्ण व पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने में मदरसा तहफूज-ए-इस्लाम बरही के सचिव मो सेराज अली, अध्यक्ष दानिश आलम, प्रभारी हेड मौलवी मो. शाहबाज आलम, शिक्षण कारी अब्दुल कैयूम और मो. फिरोज की अहम भूमिका रही।

एक नजर

भैरव सिंह ने चुटिया केस में उच्च न्यायालय से मांगी जमानत

रांची : हिंदूवादी नेता भैरव सिंह ने रांची सिविल कोर्ट से जमानत नहीं मिलने के बाद उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। भैरव सिंह ने उच्च न्यायालय में अपनी जमानत के लिए मंगलवार को याचिका दायर की है। उनकी याचिका फिलहाल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं हुई है। दरअसल, भैरव सिंह ने जिस मामले में जमानत मांगी है, वह रांची के चुटिया थाना में हुए विवाद से जुड़ा है। इस संबंध में चुटिया थाना में कांड संख्या 125/2025 दर्ज की गई है। रांची सिविल कोर्ट ने 13 अगस्त को इस केस में भैरव सिंह को जमानत देने से इनकार किया था।

सदर अस्पताल प्रबंधन ने रोटरी क्लब ऑफ रांची को किया सम्मानित

रांची : रांची सदर अस्पताल प्रबंधन की ओर से मंगलवार को रोटरी क्लब ऑफ रांची को सम्मानित किया। 'प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत रोटरी क्लब ऑफ रांची को नि-क्षय मित्र बनाया गया। दरअसल, रोटरी क्लब की ओर से पिछले छह महीनों से टीबी मरीजों के लिए पौष्टिक आहार एवं राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। हर माह जरूरत के अनुसार मरीजों के लिए राशन किट वितरित किए जा रहे हैं। रोटरी क्लब के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने इस मौके पर कहा कि उनकी संस्था हमेशा ऐसे गंभीर बीमारियों के बचाव एवं रोकथाम में जुटी रहती है। पोलियो उनमूलन के बाद रोटरी क्लब टीबी से मुक्ति दिलाने में लगी है और इस क्षेत्र में कई बड़े-छोटे कार्य किए जा रहे है। इस अवसर पर संस्था के निर्वतमान अध्यक्ष गौरव बागरॉय, कार्यक्रम के संयोजक अमित अग्रवाल, जसदीप सिंह, गिरीश अग्रवाल सहित अन्य मौजूद थे।

श्राद्ध पक्ष में भागवत कथा सुनने से मिलता है अधिक लाभ : चैतन्य मीरा

रांची : अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की ओर से अग्रसेन भवन में चल रहे भागवत कथा के तीसरे दिन मंगलवार को भागवत कथावाचक मां चैतन्य मीरा ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा या श्री राम कथा का श्राद्ध पक्ष में श्रवण करने से अत्यधिक लाभ होता है। उन्होंने कहा कि इससे हम अपने पितरों को शांति और प्रभु के चरणों में स्थान दिलाते हैं। इससे वे प्रसन्न होते हैं और हमें आशीर्वाद देते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा दायित्व है कि हम हमारे बड़े बुजुर्ग या परिवार के कोई भी सदस्य जो शरीर को छोड़ चुके हैं उन्हें इन कथाओं के माध्यम से उनके दोष और विकारों को दूर करके उन्हें प्रभु के बैकुंठ धाम में निवास दिलवाएं। जब हम इस प्रकार की कथाएं सुनते हैं तो इससे न केवल आध्यात्मिक रूप से हमारे जीवन का विकास होता है बल्कि इनके माध्यम से हम अपने नित्य जीने की कला को भी सीखते हैं।

श्याम मंदिर में हुआ हनुमान चालीसा का पाठ

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को 170 वां सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संकट कटे मिटे सब पीरा, जो सुमिरै हनुमंत बल बीरा.. के गायन और बजरंग बली के जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंजायमान रहा। मंडल के मंत्री विष्णु चौधरी ने अखण्ड ज्योति और पूजन के सभी कार्य सम्पन्न करवाए। सोनू अग्रवाल और मालविका अग्रवाल ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर केसरिया पेड़ा, गुड़, चना और फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया।

झारखंड में ट्रांसजेंडरों का होगा राज्यव्यापी सर्वेक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी ने ट्रांसजेंडरों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए उनका राज्यव्यापी सर्वेक्षण कराने का निर्देश दिया है। मुख्य सचिव ने मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में झारखंड ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड की बैठक में यह आदेश दिया।

मुख्य सचिव ने कहा कि सर्वेक्षण से ही पता चलेगा कि ट्रांसजेंडरों की जिलावार संख्या एवं उनकी जरूरतें क्या हैं और वे क्या चाहते हैं। उसके बाद ही उनके कल्याण के लिए धन और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था करने में सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि इससे ट्रांसजेंडरों के लिये तय विभिन्न योजनाओं से उन्हें जोड़ना भी सुगम होगा। बैठक में यह तथ्य सामने आया कि ट्रांसजेंडर खुलकर सामने आने से हिचकिचाते हैं और अपनी पहचान जाहिर नहीं करना चाहते। इसकी वजह से पहचान पत्र, आरक्षण, पेंशन योजना, आयुष्मान कार्ड, गरिमा गृह जैसी योजनाओं का लाभ उन्हें समय पर नहीं मिल पाता। इस समस्या के समाधान के लिए मुख्य सचिव ने सभी जिलों को उपायुक्तों की अध्यक्षता में जिलास्तरीय समितियों के शीघ्र गठन पर जोर दिया। उन्होंने बोर्ड द्वारा "ट्रांसजेंडर सपोर्ट यूनिट" का गठन किये जाने की भी घोषणा की। यूनिट ट्रांसजेंडरों से संबंधित सभी मुद्दों पर विचार करने के साथ उनकी समस्याओं का समाधान करेगी। वह इस बाबत बोर्ड से अनुशंसाएं भी करेंगी।

गौरतलब है कि 2011 की जनगणना के अनुसार देश भर में ट्रांसजेंडरों की कुल संख्या 4,87,803 है। झारखंड में इनकी संख्या 13,463 है। इस समुदाय के लिए सरकार कई कल्याणकारी योजनाएं चलाती है, जिसमें ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड सहयोग करता है। बोर्ड विभिन्न विभागों को ट्रांसजेंडरों से संबंधित योजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन में सहयोग करता है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में संपन्न बोर्ड की बैठक में राज्य की गृह सचिव वंदना दादेल, समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास सचिव मनोज कुमार, वित्त सचिव प्रशांत कुमार और ग्रामीण विकास सचिव के श्रीनिवासन सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

होमगार्ड नियुक्ति के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में हो रही होम गार्ड बहाली के खिलाफ झारखंड उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई है। यह याचिका देवराज चातर की ओर से मंगलवार को दाखिल की गई है। याचिका में रांची जिले के उपायुक्त, होमगार्ड डीजी, गृह सचिव, जिला समादेष्टा रांची एवं अन्य अधिकारियों को पार्टी बनाया गया है। याचिका में कहा गया है कि होम गार्ड भर्ती के लिए जारी विज्ञापन संख्या 01/2025 पर रोक लगाई जाए और शहरी एवं ग्रामीण गृह रक्षकों के नव-नामांकन में 100 प्रतिशत स्थानीय निवासी के नव-नामांकन का जो नियम है, उस नियम को रद्द किया जाए। इससे पहले झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के जरिये चाईबासा जिले में हो रही होम गार्ड भर्ती के विरुद्ध भी याचिका दायर की गई है।

पेसा नियम लागू होने तक नहीं होगी बालू खदानों की नीलामी, हाई कोर्ट ने जताई कड़ी नाराजगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हाई कोर्ट ने मंगलवार को बड़ा आदेश देते हुए कहा कि जब तक अनुसूचित जनजातीय क्षेत्रों में ग्राम सभा को संसाधनों पर अधिकार देने वाले पेसा नियम (PESA Rules) की अधिसूचना जारी नहीं हो जाती, तब तक राज्य में किसी भी लघु खनिज खदान की नीलामी नहीं की जाएगी। इस आदेश से फिलहाल जिलों में चल रही बालू घाटों की नीलामी प्रक्रिया रुक जाएगी। आदेश मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने दिया। प्रार्थी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत कुमार, अभिषेक राय और ज्ञानंत सिंह ने पक्ष रखा।

पिछले आदेश की अवमानना पर सुनवाई

मामला आदिवासी बुद्धिजीवी मंच द्वारा दायर अवमानना याचिका से जुड़ा है। मंच ने अदालत को बताया कि 29 जुलाई 2024 को दिए गए आदेश के बावजूद राज्य सरकार ने पेसा नियम अधिसूचित नहीं किया और बालू घाटों की नीलामी जारी रखी। अदालत ने इसे गंभीरता से लेते हुए सरकार को फटकार लगाई।

सुनवाई के दौरान जब पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव मनोज कुमार ने यह जिम्मेदारी मुख्यमंत्री और मंत्रियों पर डालने की बात कही, तो अदालत ने तीखा रुख अपनाते हुए पूछा - -क्या आप चाहते हैं कि हम मुख्यमंत्री और मंत्रियों को जेल भेज दें? यही आप कह रहे हैं? कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सरकार 73वें संविधान संशोधन की मंशा को ठेंगा दिखा रही है, जबकि अनुसूचित क्षेत्रों में भूमि और प्राकृतिक संसाधनों पर ग्राम सभा का अधिकार सुनिश्चित होना चाहिए।

याचिकाकर्ता का तर्क

याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि सरकार जानबूझकर नियमों को अधिसूचित करने में देरी कर रही है, ताकि इस बीच बालू घाटों और अन्य खनिज खदानों की दीर्घकालिक नीलामी और पट्टे जारी कर दिए जाएं। इससे ग्राम सभाओं को मिलने वाले अधिकार व्यर्थ हो जाएंगे। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को नियम अधिसूचित करने के लिए चार सप्ताह का समय देने से इनकार करते हुए केवल दो सप्ताह की मोहलत दी है। इसके बाद मामले की अगली सुनवाई होगी।

राज्य के शहरी निकाय जारी करेंगे बॉड कमर्शियल व्हेकिल पर अतिरिक्त टैक्स : मंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नगर विकास एवं आवास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा है कि राज्य के नगर निकायों की सरकार पर निर्भरता खत्म की जाएगी। इसके लिए निकायों द्वारा म्युनिशिपल बॉड जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निकायों को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए कमर्शियल वाहनों पर अतिरिक्त टैक्स भी लगाया जाएगा। निकायों द्वारा अपने क्षेत्र की सीमाओं में कमर्शियल वाहनों पर यह अतिरिक्त टैक्स की वसूली की जाएगी। उन्होंने कहा कि निकायों को अपने पैरों पर खड़ा करना और सरकार पर निर्भरता खत्म करना समय की मांग है। उन्होंने यह भी कहा कि आज कोई भी चीज फ्री में नहीं मिलती। शहर की साफ सफाई, नली-गली और स्ट्रीट लाइट की उत्तम व्यवस्था के लिए आम नागरिकों को टैक्स देना ही पड़ेगा। सुदिव्य कुमार सोनू द फॉलोअप के साथ बातचीत कर रहे थे।

जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार ने नगर निकायों की वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए उसे बॉड जारी करने की स्वीकृति दी है। इसका उद्देश्य भी निकायों की सरकार पर निर्भरता कम करनी है। बॉड जारी करने वाले निकायों के लिए 520 करोड़ रुपए का प्रावधान भी किया गया है। निकायों द्वारा बॉड जारी करने पर पहले आओ पहले पाओ स्कीम के आधार पर केंद्र सरकार प्रत्येक 100 करोड़ के बॉड पर 13 करोड़ रुपए का अनुदान देगी। दूसरी बार बॉड जारी करने पर फिर 10 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि मिलेगी। इस तरह केंद्र से अधिकतम 26 करोड़ की राशि प्राप्त की जा सकती है। अगर बॉड से प्राप्त राशि का उपयोग अक्षय ऊर्जा के लिए की जाती है तो निकायों को अतिरिक्त पांच करोड़ की रासि भी मिलेगी। आम नागरिक निकायों से यह बॉड खरीद सकते हैं, उस राशि का उपयोग निकाय अपनी जरुरतों को पूरा करने में करेगा। फिर एक निश्चित समय सीमा के बाद आम नागरिक उस बॉड को वापस लौटा कर सूद समेत राशि प्राप्त कर सकता है।

समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट ने विशेष बच्चों के बीच बांटी शिक्षण सामग्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची के रातु रोड पहाड़ी मंदिर स्थित सृजन हेल्प के शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान में मंगलवार को अंतराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में सामाजिक संस्था समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट कि ओर से विशेष बच्चों के बीच शिक्षण सामग्रियों का वितरण किया गया। संस्था के सदस्यों ने विशेष बच्चों के बीच कॉपी, पेंसिल, रबर, कटर, कलर और पेन सहित कई अन्य शिक्षण सामग्रियों का वितरण किया। संस्था से जुड़े अमन ने बताया कि संस्था का यह प्रयास है कि आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को शिक्षा के लिए आवश्यक संसाधन प्रदान किया जाए, जिससे कि शैक्षिक असमानता दूर हो। इस अवसर पर शिक्षण सामग्री पाकर बच्चे काफी उत्साहित दिखे।

इस अवसर पर समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी आनंद केडिया समेत उमेश केडिया, स्मिता केडिया, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, सृजन हेल्प की संचालिका गुंजन गुप्ता, विश्व हिंदू परिषद के अशोक अग्रवाल, आर्य प्रहलाद भगत, नंदकिशोर कुमार शर्मा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

केंद्र के आदेश पर हटाया जा रहा है एचईसी का अतिक्रमण, भ्रम फैला रहे बाबूलाल मरांडी : सुप्रियो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जेएमएम प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मरांडी इन दिनों मुद्दों की तलाश में रांची में ही रहकर सक्रियता दिखा रहे हैं, लेकिन उनकी बयानबाजी से ज्यादा भ्रम फैल रहा है।

भट्टाचार्य ने हाल ही में वायरल हुए उस वीडियो का ज़िक्र किया, जिसमें मरांडी हटिया विधायक के साथ बिरसा चौक पर दिखे थे और मौके से डीसी को कॉल कर रहे थे। इस पर उन्होंने कहा कि एचईसी इलाके में अतिक्रमण हटाने का निर्णय राज्य सरकार का नहीं, बल्कि भारत सरकार के भारी उद्योग मंत्रालय और साउथ ईस्टर्न रेलवे के निर्देश पर लिया गया है। मंत्रालय ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर कहा था कि एचईसी की जमीन पर आवासीय परिसर खड़ा कर दिया गया है और इसे खाली कराना जरूरी है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब आदेश केंद्र सरकार की ओर से आया है तो मरांडी ने भारी उद्योग मंत्रालय और रेलवे को पत्र क्यों नहीं लिखा। बाबूलाल बताएं कि जिन लोगों ने एचईसी की जमीन पर कब्जा किया है, वे कौन हैं। झारखंड की जनता अतिक्रमणकारी नहीं है, यहां बाहर से आए लोग ही जमीन पर कब्जा जमाए बैठे हैं, भट्टाचार्य ने कहा।

जेएमएम प्रवक्ता ने उदाहरण देते हुए कहा कि कूटे गांव में विस्थापित परिवारों को सरकार ने आवास उपलब्ध कराया है, लेकिन धुर्वा डैम के आसपास सेक्टर-2 और सेक्टर-3 के पीछे किसके समय में बिजली के खंभे लगाए गए और किस आधार पर उन बस्तियों को वार्ड में शामिल किया गया, इसका जवाब भी बाबूलाल को देना चाहिए। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा, असल अतिक्रमणकारी तो भाजपा है। असम में 3000 एकड़ कॉरपोरेट सौंप दी गई, जिस पर अदालत को सवाल उठाना पड़ा। मुंबई की धारावी, जहां मजदूर रहते थे, उसे अदानी को दे दिया गया। हसदेव का जंगल अंबानी को और महाराष्ट्र का आरे जंगल काट कर साफ कर दिया गया। बाबूलाल बताएं, विस्थापन किसे कहते हैं?

सुप्रियो ने कहा कि जेएमएम सरकार ने विस्थापन आयोग बनाया है और राज्य में विस्थापन की पीड़ा को भलीभांति समझती है। लेकिन भाजपा और उसके नेता केवल कॉरपोरेट घरानों के हित में खड़े रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एचईसी की अतिक्रमित जमीन पर जमीन दलाली करने वाले रहते हैं और इसी कारण वहां बाबूलाल मरांडी को 'दर्द' दिखाई देता है।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में 10 से कई जिलों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना

रांची : झारखंड के विभिन्न जिलों में 10 सितंबर से हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने मंगलवार को दी है। विभाग के अनुसार इन इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं मंगलवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और कड़ी धूप रही। इससे भारी गर्मी और उमस का एहसास हुआ। राजधानी रांची में अधिकतम 92 प्रतिशत तक उमस दर्ज किया गया। 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश कोडरमा जिले के चंदवारा में 42 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। वहीं इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान सरायकेला में 36 .9 डिग्री सेल्सियस, जबकि सबसे कम तापमान लातेहार में 21 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मंगलवार को रांची में अधिकतम तापमान 33 .2 डिग्री, जमशेदपुर में भी 33 .2, डाल्टनगंज में 34 .2, बोकारो में 34 .1 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 36 .8, डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

धूमधाम से मनी श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर अन्नपूर्णा सेवा की तीसरी वर्षगांठ

रांची : रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संचालित पहाड़ी रोड स्थित 'श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर अन्नपूर्णा सेवा' की तीसरी वर्षगांठ मंगलवार को श्रद्धा और भक्ति भाव से मनायी गयी। सेवा के तहत गरीब लोगों को नि:शुल्क भोजन कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सह अन्नपूर्णा सेवा संयोजक सुरेश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि अन्नपूर्णा सेवाओं में अब तक छह लाख से अधिक लोग भोजन कर चुके हैं। इस दौरान प्रतिदिन 500 से अधिक लोगों को भोजन कराया जाता है। उन्होंने कहा कि यह केवल भोजन नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है और इसे व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस सेवा की शुरुआत स्वर्गीय सत्यनारायण नारसरिया एवं स्वर्गीय शारदा देवी नारसरिया की स्मृति में की गई थी। कार्यक्रम के आरंभ में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस अवसर पर तीन वर्षों से भोजन बनाने वाले तीन सेवादारों को सम्मानित किया गया। अतिथियों और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को पुष्प माला एवं अंगवस्त्र भेंट किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष सज्जन पाड़िया ने कहा कि सेवा कार्य निस्वार्थ भावना और श्रद्धा से जुड़कर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाता है। कार्यक्रम का संचालन निर्मल बुधिया ने किया। इस मौके पर ललित कुमार पोद्दार, विनोद कुमार जैन, संजय सर्राफ, अनूप अग्रवाल, किशन साबू समेत बड़ी संख्या में गणमान्य मौजूद थे।

आजसू पार्टी के रांची जिला उपाध्यक्ष दिलीप साहू ने सभी पदों से दिया इस्तीफा

रांची : आजसू पार्टी को मंगलवार को एक और बड़ा झटका लगा है। पार्टी के रांची जिला उपाध्यक्ष दिलीप कुमार साहू ने सभी पदों और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने त्यागपत्र में लिखा है कि वह लंबे समय से पार्टी से जुड़े रहे और इस दौरान उन्हें सहयोग मिलता रहा, जिसके लिए वह आभार व्यक्त करते हैं। साहू ने कहा कि कुछ व्यक्तिगत कारणों से उन्होंने पार्टी छोड़ने का फैसला किया है। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि वह आजसू पार्टी के जिला उपाध्यक्ष पद के साथ-साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी त्यागपत्र दे रहे हैं। गौरतलब है कि दिलीप कुमार साहू बुण्डू प्रखंड के पूर्व उप प्रमुख भी रह चुके हैं। उनका कहना है कि संगठन से जुड़कर उन्होंने हमेशा पार्टी की मजबूती के लिए काम किया, लेकिन अब व्यक्तिगत कारणों से पार्टी की जिम्मेदारियों से अलग हो रहे हैं। राजनीतिक गलियारों में उनके इस फैसले को आजसू पार्टी के लिए एक और झटके के रूप में देखा जा रहा है।

सीयूजे में विद्यारंभ कार्यक्रम आयोजित पद्मश्री आदित्य प्रसाद ने छात्रों को किया प्रेरित

रांची : सीयूजे में मंगलवार को चार वर्षीय पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष का विद्यारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सारे नए विद्यार्थियों का विश्वविद्यालय में स्वागत किया गया और विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम और गतिविधियों से छात्रों को परिचित कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, प्रख्यात वैज्ञानिक सह केंद्रीय विश्वविद्यालय तमिलनाडु के पूर्व कुलपति पद्मश्री आदित्य प्रसाद दास रहे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि विद्यालय से विश्वविद्यालय में आना बड़ी बात होती है। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए अपनी मेहनत और कार्य करते रहना चाहिए। उन्होंने महाभारत के अर्जुन से लक्ष्य प्राप्ति, राम – केवट की कहानी से कार्य के प्रति समर्पित होना और दुनिया की सबसे कम उम्र की नोबेल विजेता, मलाला यूसुफजाई से जीवटता का होना जैसे प्रेरक उदाहरणों से जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि, आईआईएसईआर, बहरामपुर के निदेशक प्रो. ए के गांगुली ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने थॉमस एल्वा एडिशन, सत्य नडेला, सुंदर पिचई और अजय बंगा की कहानियों से सभी नवोदित विद्यार्थियों को प्रेरित किया। उन्होंने विवेकानंद के विख्यात शिकागो भाषण से सभी को सीख लेने की बात करते हुए बताया कि कैसे वो विश्व बंधुत्व की बात करते हैं। उन्होंने आगे सबसे ज्यादा उम्र, 97 वर्ष में नोबेल जीतने वाले जॉन बी. गुडएनफ से भी सभी विद्यार्थियों को परिचित कराया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कार्य करने की कोई उम्र नहीं होती। आप जीवन पर्यंत कार्य करके अपने समाज और विश्व की भलाई कर सकते हैं। कार्यक्रम के अध्यक्षीय भाषण में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया और विश्वविद्यालय से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि हम सब सामान्य घरों से आते हैं और अपनी मेहनत और जुनून से हम असाधारण (एक्स्ट्राऑर्डिनरी) बनते हैं।

जयनगर प्रखंड में विभागीय योजनाओं की हुई समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर : प्रखंड सभागार, जयनगर में प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना ,पंचायती राज, आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम, स्वच्छ भारत मिशन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा से जुड़ी योजनाओं की गहन समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त की विशेष पहल - शिविर 16 से 23 सितम्बर तक बैठक में यह भी बताया गया कि जिला उपायुक्त के निर्देशानुसार 16 सितम्बर से 23 सितम्बर तक पूरे प्रखंड की 23 पंचायतों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। प्रतिदिन 4 से 5 पंचायतों को कवर करते हुए सभी पंचायतों में यह शिविर संपन्न होगा। इन शिविरों में ग्रामीणों को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर विभिन्न योजनाओं जैसे - प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, किसान कल्याण योजनाएं, स्वास्थ्य एवं शिक्षा संबंधी योजनाओं का लाभ लेने हेतु आवेदन करने का अवसर मिलेगा।

मनरेगा : रोजगार सृजन व भुगतान पर बल

बैठक की शुरुआत मनरेगा से हुई। निर्देश दिया गया कि अधिक से अधिक मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराया जाए, मजदूरी का भुगतान समय पर हो तथा जल संरक्षण, मिट्टी सुधार और परिसंपत्ति निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाए।

प्रधानमंत्री आवास योजना लंबित आवासों को शीघ्र पूरा कराने का आदेश दिया गया। प्लिंथ, लिंटल से लेकर प्लास्टर तक कार्य समयबद्ध कराने तथा प्रत्येक आवास में शौचालय निर्माण सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

पंचायती राज व आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम डअकरिपोर्ट को वैलिडेशन हेतु सभी संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। पंचायत सचिव एवं खरख्हार की मासिक बैठक नियमित रूप से कराने का निर्णय लिया गया। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना अंतर्गत मृतक लाभुकों की सूची तैयार कर बैंक समन्वय से क्लेम सेटलमेंट कराने पर जोर दिया गया। बाल विवाह रोकथाम, बाल संरक्षण एवं प्रवासन रजिस्टर संधारण पर भी ठोस पहल करने का निर्णय लिया गया। मिलेट मिशन अंतर्गत 10 डेसिमल से 5 एकड़ तक खेती पर पंजीकरण करने पर प्रति एकड़ 3000 की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। स्वच्छ भारत मिशन फेज-2 अंतर्गत सत्यापन शीघ्र कराने का निर्देश दिया गया। तिलोकारी जलापूर्ति योजना के सुचारू संचालन हेतु ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को आवश्यक निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी स्कूलों में बच्चों को एल्बेंडाजोल खिलाने हेतु अभियान चलाया जाएगा। उपस्थित अधिकारी बैठक में थाना प्रभारी बाबलू कुमार, टडक्ह धर्मेन्द्र कुमार, इढड विकास कुमार सिंह, अए तारिक अनवर, सुमित कुमार झा, अशोक कुमार, नितेश कुमार, सभी खढ, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक एवं BFT सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैंक ऑफ इंडिया जामु शाखा के द्वारा वित्तीय समावेश जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : बैंक ऑफ इंडिया जामु शाखा के द्वारा दशारो पंचायत के पंचायत भवन में वित्तीय समावेश जागरूकता शिविर का आयोजन मंगलवार को किया गया। इस मौके पर अप आंचलिक प्रबंधक खिरोधर चंद्र साहू आईडीएम विमल कांत झा जम्मू शाखा प्रबंधक संजीव कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे इस दौरान बैंक कर्मियों ने ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं एवं बैंकिंग सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। शिविर में जनधन खाता, पेंशन योजना, बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, डिजिटल लेनदेन,रिकेवाईसी व बचत की आदतों की महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई व उपस्थित ग्रामीणों को समझाया गया। साथ ही साथ उपस्थित ग्रामीणों को ऑनलाइन धोखा घड़ी से बचाव और सुरक्षित बैंकिंग के तरीके भी बताए गए। जामु शाखा प्रबंधक संजीव कुमार ने कहा कि सरकार की मंशा है कि समाज के हर वर्ग तक बैंकिंग सेवाओं की पहुंच हो । इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से आम लोगों को जागरुक कर वित्तीय समावेश को गती दी जा रही है। वहीं उपस्थित ग्रामीणों ने कहा कि शिविर से हमें कई नई योजनाओं की जानकारी मिली।

समाज सेवा के क्षेत्र में अच्छे कार्यो के लिए पिंकी जैन हुई सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : आज के ही दिन पूरे भारतवर्ष में जैन संप्रदाय के लोग पर्युषण के अंतिम दिन क्षमावाणी का पर्व मनाते हैं और एक दूसरे से गले लग कर वर्ष भर में अपने द्वारा की गई गलतियों की माफी मांगते हैं आज जैन मंदिर में पूरे समाज के महिला पुरुष बच्चे एकत्रित हुए और बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह पूर्वक एक दूसरे के गले लग कर यह पर्व मनाया समाज के मंत्री नरेंद्र झांझरी ने वर्ष भर का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया एवं सहयोग प्रदान करने के लिए पूरे समाज का आभार प्रकट किया सह मंत्री राज छाबड़ा कोषाध्यक्ष सुरेंद्र काला मंदिर निर्माण कमेटी के संयोजक सुरेश झांझरी सुशील छाबड़ा ने समाज की गतिविधियों को लोगों के बीच रखा समाज में सहयोग प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया सांस्कृतिक कार्यक्रम के संयोजक संजय ठोलिया मोहित सोगानी आशा गंगवाल आशिका कासलीवाल रीता सेठी एवं परियोजना निदेशक को समाज की ओर से पुरस्कृत किया गया जय कुमार गंगवाल किशोर जैन पांड्या कमल सेठी ललित सेठी प्रदीप पप्पू छाबड़ा आशा गंगवाल नीलम सेठी सुनील सेठी सुरेश सेठी पार्षद पिंकी जैन आदि ने सभी भक्तजनों और समाज के लोगों को क्षमावाणी पर्व की शुभकामनाएं दी पूरे समाज से क्षमा याचना की।

फांसी के फंदे पर झूलता मिला ठेका मजदूर अनुज का शव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : हरला थाना अंतर्गत सेक्टर-9सी, 18 स्ट्रीट में मंगलवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब 34 वर्षीय अनुज कुमार शर्मा का शव फांसी के फंदे से लटका पाया गया। मूल रूप से बिहार के मुंगेर जिले का निवासी अनुज सेक्टर-9सी की झोपड़ी में रहकर बोकारो स्टील प्लांट में ठेका मजदूरी करता था। सुबह काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर परिजन चिंतित हो उठे। खटखटाने पर भी कोई जवाब न मिलने पर जब अंदर झांका गया तो अनुज का शव फंदे से झूलता दिखा। यह देख परिवार के लोग दहाड़ मारकर रोने लगे। मृतक के भांजे ने बताया कि अनुज के दो बेटे और एक बेटी हैं, जिन्हें कुछ दिन पहले ही वह पत्नी के साथ अपने ससुराल छोड़ आया था। घटना की सूचना पाकर हरला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जांच का नेतृत्व कर रहे सब-इंस्पेक्टर सहदेव कुमार साव ने कहा कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। अनुज की मौत की खबर फैलते ही इलाके में सनसनी मच गई। बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। उधर, परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन छानबीन में जुटी हुई है।

ट्रैक्टर चालक पर अज्ञात अपराधियों ने मारी गोली, विधायक पहुंचे अस्पताल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिले के चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बांधडीह में मंगलवार को अफरा-तफरी मच गई, जब बाइक सवार दो अज्ञात अपराधियों ने ट्रैक्टर चालक जादू सहीस (35 वर्ष) पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गंभीर रूप से घायल जादू सहीस को तत्काल बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही चंदनक्यारी के विधायक उमाकांत रजक अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बोकारो जनरल अस्पताल के चिकित्सा प्रभारी से घायल की स्थिति की जानकारी ली और डॉक्टरों को बेहतर इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। विधायक रजक ने कहा कि पुलिस प्रशासन 48 घंटे के भीतर इस घटना का उद्भेदन कर दोषियों को गिरफ्तार करे और उन्हें सलाखों के पीछे डाले।

सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहीं रितु अग्रवाल का आकस्मिक निधन, समाज में शोक की लहर

बोकारो : चेंबर के सचिव एवं रोटरी क्लब चास के पूर्व सचिव मुकेश अग्रवाल की धर्मपत्नी रितु अग्रवाल का आकस्मिक निधन हो गया। इस दुखद समाचार से पूरे समाज में शोक की लहर दौड़ गई। रितु अग्रवाल सामाजिक एवं सेवा कार्यों में हमेशा अग्रणी रहीं और उन्होंने रोटरी क्लब चास, मारवाड़ी महिला समिति सहित कई संस्थाओं में सक्रिय योगदान दिया। उनकी सामाजिक सेवाओं को आज भी समाज बड़े सम्मान से याद करता है। उनके निधन की सूचना मिलते ही बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने शोक संतप्त परिवार से मिलकर ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि समाज ने एक ऐसी कार्यकर्ता को खो दिया है जो हर सामाजिक कार्य में तत्परता से भाग लेती थीं। इसी क्रम में भाजपा नेत्री डॉ. परिंदा सिंह ने भी परिवार को सांत्वना दी और अपनी गहरी संवेदना प्रकट की।

डीपीएस बोकारो में बच्चों और अभिभावकों का दिखा अनूठा बंधन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : विद्यार्थियों और अभिभावकों के बीच के सामंजस्य, आपसी समझ एवं स्नेहिल संबंध को और अधिक प्रगाढ़ बनाने के उद्देश्य से डीपीएस बोकारो में मंगलवार को एक खास आयोजन किया गया। विद्यालय की प्राइमरी इकाई में अभिभावक-बाल बंधन नामक कार्यक्रम के दौरान बच्चों और उनके माता-पिता के बीच अनूठा बंधन देखने को मिला। विद्यार्थियों ने अपने अभिभावकों के साथ पाक-कला, रंगोली और साज-सज्जा के विभिन्न कार्यक्रमों में साझा तौर पर भाग लेकर उस अनुभव और उन पलों को स्मरणीय बनाया। यह कार्यक्रम बच्चों और उनके माता-पिता को एक साथ सीखने, बनाने और खुशी के पल बिताने का एक अनूठा मंच रहा। अभिभावकों और नन्हे-मुन्नों ने पूरे उत्साह के साथ सैंडविच बनाने से लेकर फूलों की सजावट, भांति-भांति की रंगोलियां बनाने और सलाद को भी आकर्षक रूप देने तक की हर गतिविधि में कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। इसके जरिए न केवल उनकी प्रतिभा व रचनात्मकता दिखी, बल्कि परिवार के सदस्यों के बीच मजबूत भावनात्मक जुड़ाव को भी दर्शाया गया। कार्यक्रम में शामिल अभिभावकों ने कहा कि इन गतिविधियों के माध्यम से उन्होंने एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने, समय बिताने तथा विचारों को साझा करने का आनंददायक अनुभव पाया। मस्ती के साथ-साथ सीखने का भी अवसर मिला। इससे माता-पिता तथा बच्चे के बीच प्रेम, विश्वास और आपसी समझ का रिश्ता और भी मजबूत हुआ। कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित भी किया गया।

दोस्त बन अपने बच्चों के साथ समय जरूर बिताएं : प्राचार्य डॉ. गंगवार

कार्यक्रम का शुभारंभ तथा प्रत्येक स्टॉल का अवलोकन करने के बाद इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने ऐसे आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में माता-पिता अपने बच्चों के साथ समय नहीं बिता पाते हैं। जबकि, बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए यह जरूरी है कि अभिभावक उनके साथ मित्रवत अपना क्वालिटी टाइम जरूर बिताएं। यह बच्चों के सामाजिक और भावनात्मक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। विद्यालय ने इसी ध्येय के साथ उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया।

एक नजर

पंचखेरो डैम में मछली बीज वितरण में गड़बड़ी का आरोप

मरकच्चो : प्रखंड के उत्तरी पंचायत स्थित पंचखेरो डैम में मत्स्य विभाग द्वारा मछली बीज वितरण में बड़े पैमाने पर अनियमितता का मामला प्रकाश में आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय कर्मियों और लाभुकों की मिली भगत से बीज वितरण में भयंकर अनियमितता बरती जा रही है। मंगलवार को भी लाभुकों के बीच विभाग द्वारा मछली बीज वितरण किया गया। जिसमें हेराफेरी की गयी। स्थानीय लोगों का कहना है कि कागजों पर लाखों की संख्या में बीज डाला गया लेकिन वास्तविकता में बहुत कम मात्रा में बीज डाला गया है। जिसके कारण मत्स्य पालन का लाभ न तो ग्रामीणों को मिल पा रहा है और ना ही सरकारी योजना का उद्देश्य पूरा हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि पंचखेरो डैम मछली पालन का बड़ा केंद्र माना जाता है लेकिन यहां विभाग और लाभुकों की मिली भगत से की जा रही गड़बड़ी से पूरे क्षेत्र के मछुआरे प्रभावित हो रहे हैं। एक ग्रामीण ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि डैम के केज में नाम मात्र बीज डाला गया जबकि कागजों पर लाखों दिखाकर पैसा हजम कर लिया गया। वहीं इस संबंध मे प्रमुख विजय सिंह ने कहा कि बीज वितरण के समय किसी जनप्रतिनिधि को भी इसकी सूचना नहीं दी गयी।

तुपकाडीह दुर्गा पूजा कमेटी के अध्यक्ष बने राजू

बोकारो : तुपकाडीह के पांच दुर्गा मंदिरों क्रमशः स्टेशन रोड, तांतरी, कनारी, कुंडोरी और अम्बेडकर नगर में आगामी 22 सितंबर से होने वाले दुर्गा पूजा से पहले मंदिर की रंगाई पुताई , सजावट व मूर्ति बनाने का काम शुरू हो गया है। मंगलवार को स्टेशन रोड स्थित दुर्गाधाम के प्रांगण में दस दिवसीय दुर्गोत्सव मनाने के लिए ग्रामीणों की बैठक हुई जिसमें सर्वसम्मति से कनारी पंचायत के उप मुखिया राजू महतो को अध्यक्ष , नीरज वर्णवाल को सचिव तथा संतोष महतो को कोषाध्यक्ष के अलावे पप्पू अग्रवाल, बिष्णु महतो , आशीष कुशवाहा, राहुल कुमार ,कृष्ण सिंह, प्रेम कुमार, भास्कर अग्रवाल समेत 25 सक्रिय सदस्य चुने गए।

भाजपा का सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक, तैयारियों को लेकर हुई बैठक

कोडरमा: भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश द्वारा आगामी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में सेवा पखवाड़ा के कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने एवं कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपने के उद्देश्य से झुमरीतिलैया के पंजाबी धर्मशाला में सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा झारखंड प्रदेश महामंत्री व प्रमंडलीय प्रभारी मनोज सिंह उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव ने भाग लिया। बैठक में कोडरमा जिला प्रभारी अशोक शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।बैठक की शुरुआत कार्यक्रम की शुरुआत भाजपा के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण और वंदे मातरम गान के साथ हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला उपाध्यक्ष जूही दास गुप्ता ने की और स्वागत भाषण दिया।

संक्षिप्त खबरें

चोरी के मोबाइल के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

कोडरमा : तिलैया थानान्तर्गत चोरी के मोबाइल के साथ तीन अभियुक्त गिरफ्तार पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह को गुप्त सूचना मिली थी कि कोडरमा रेलवे स्टेशन के पास मोबाइल चोरों का गिरोह भ्रमणशील है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई करने हेतु तिलैया थाना रात्रि गश्ती दल एवं तिलैया पैंथर को निर्देशित किया गया। तत्काल गश्ती दल एवं तिलैया पैंथर के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए कोडरमा रेलवे स्टेशन के पास ओवरब्रिज पर तीन व्यक्ति पुलिस बल को देखकर भागने लगे, जिन्हें पीछा कर पकड़ा गया। उनके पास से चोरी के चार मोबाइल बरामद किए गए, जो कोडरमा रेलवे प्लेटफार्म से यात्रियों के चुराए गए थे। गिरफ्तार अभियुक्त रौशन सिद्धकी पिता शकिल सिद्धकी, ग्राम छोटु बिगहा, थाना- सिरदला, जिला- नवादा (बिहार), रौशन कुमार पिता-राजेन्द्र ताति ग्राम सिरदला मोड़, थाना- सिरदला, जिला- नवादा (बिहार) एवं चन्दन कुमार पिता- दिनेश शर्मा ग्राम सिरदला निचे बजार, थाना- सिरदला, जिला- नवादा (बिहार) के नाम शामिल है।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल के छात्रों ने जीते राज्य स्तरीय जुडो प्रतियोगिता में पदक

कोडरमा : झुमरी तिलैया स्तिथ मॉडर्न पब्लिक स्कूल के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बोकारो में आयोजित राज्य स्तरीय जूडो चैंपियनशिप में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस प्रतियोगिता में स्कूल के छात्र रणवीर वर्मा ने रजत पदक और अंकुश कुमार ने कांस्य पदक जीता। विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में दोनों छात्रों को विद्यालय की निदेशिका संगीता शर्मा एवं प्राचार्य गुरु चरण वर्मा ने सम्मानित किया। स्कूल के निदेशक और प्रधानाचार्य ने छात्र रणवीर वर्मा एवं अंकुश कुमार तथा कोच अमित कुमार को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल छात्रों के लिए बल्कि पूरे स्कूल के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि स्कूल भविष्य में भी छात्रों को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता रहेगा।

विश्व साक्षरता दिवस पर होली चाइल्ड विद्यालय ने बच्चों संग मनाया प्रेरणादायी उत्सव

झुमरी तिलैया : शिक्षा के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के संकल्प के साथ शहर के हेमा मेमोरियल शैक्षणिक ट्रस्ट के अधीन संचालित होली चाइल्ड विद्यालय ने विश्व साक्षरता दिवस को अनूठे अंदाज में मनाया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने होली फैमिली द्वारा देखभाल किए जा रहे बच्चों के बीच पहुंचकर उन्हें कॉपियां, पेन और मिठाइयाँ वितरित कीं।बच्चों के चेहरे पर शिक्षा सामग्री और मिठाई पाकर अपार खुशी झलक रही थी। माहौल मानो एक छोटे से उत्सव की तरह बन गया, जिसमें शिक्षा के महत्व और साक्षरता के संदेश को जीवंत किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्या प्रियंका ओझा ने कहासाक्षरता केवल पढ़ना-लिखना नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली सबसे बड़ी शक्ति है। समाज का प्रत्येक वर्ग तभी सशक्त होगा जब शिक्षा हर बच्चे तक पहुँचे। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी सक्रिय सहयोग दिया और वंचित बच्चों के साथ इस दिन को यादगार बनाया।

ट्रेन में मिले दो नाबालिग भाई, बोकारो आरपीएफ ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

बोकारो : मृतसर से टाटा नगर जाने वाली ट्रेन संख्या 18103 में सोमवार रात एक संवेदनशील मामला सामने आया। ट्रेन एस्कॉर्टिंग ड्यूटी के दौरान आरपीएफ पोस्ट बोकारो के हेड कांस्टेबल मंटू कुमार और कांस्टेबल आर.आर. कुमार ने करीब रात 8:40 बजे दो नाबालिग बच्चों को संकटग्रस्त स्थिति में बैठे देखा। पूछताछ में बच्चों ने अपना नाम प्रिंस कुमार और रोहित कुमार बताया। दोनों सगे भाई बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के बेला रोड, मस्जिद चौक निवासी हैं और आकाश शर्मा के पुत्र हैं। बच्चों ने बताया कि वे अपने चाचा के साथ यात्रा कर रहे थे, लेकिन किसी कारणवश उनके चाचा ने उन्हें ट्रेन में छोड़ दिया और खुद लापता हो गए। बोकारो आरपीएफ ने पाया कि दोनों बच्चों के पास कोई यात्रा टिकट या संबंधित दस्तावेज नहीं था। इसके बाद सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करते हुए दोनों नाबालिगों को ड्यूटी ए शिफ्ट अधिकारी एसआई एस.के. कनौजिया के माध्यम से सुरक्षित रूप से चाइल्ड हेल्पलाइन डेस्क, बोकारो रेलवे स्टेशन को सौंप दिया गया, जहां आगे की कार्रवाई की जा रही है।

तालाब में डूबने से 29 वर्षीय युवक की मौत

बोकारो : जरीडीह प्रखंड के खुटरी पंचायत अंतर्गत कुशुलमुडू गांव में मंगलवार दोपहर तालाब में डूबने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान 29 वर्षीय निर्बोन हांसदा, पिता सहदेव हांसदा के रूप में हुई है। घटना का विवरण जानकारी के अनुसार, निर्बोन हांसदा स्नान करने के लिए गांव के समीप स्थित तालाब में गया था। इसी दौरान उसका पांव फिसल गया और वह गहरे पानी में जा गिरा। आस-पास के घाट पर मौजूद ग्रामीणों ने शोर मचाकर लोगों को बुलाया और काफी मशक्कत के बाद शव को तालाब से बाहर निकाला। पुलिस की कार्रवाई घटना की सूचना मिलते ही जरीडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद मृतक का शव परिजनों को सौंप दिया गया।

एक नजर

पीएचसी लावजोड़ा में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में 79 गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

पटमदा : प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लावजोडा में प्रधानमन्त्री सुरक्षित मातृत्व अभियान मनाया गया। अभियान में बोड़ाम क्षेत्र के 79 गर्भवती महिलाओं ने स्वास्थ्य जांच का किया गया। वही सभी लाभार्थियों ने इसका लाभ उठाया। इस दौरान अभियान में पीएचसी के डॉ सौमेन कुमार दत्त, सावा पारवीन, किरण सेलिन, सुधा रानी महतो, प्रेरना प्रजापति, नेहा एन्ड, नीरा एक्का, माला खालको, पार्वती टुडु, रुकमिनी सरदार, अंजलि महतो, शंकर सोरेन,सोमेन महतो, राहुल महतो, श्रीमंत महतो उपस्थित थे।

उत्पाद विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की उपायुक्त ने की समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : उत्पाद विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की मंगलवार को उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज ने अपने कार्यालय कक्ष में समीक्षा की। इस दौरान सर्वप्रथम सहायक आयुक्त उत्पाद विमला लकड़ा के द्वारा उपायुक्त सहित बैठक में उपस्थित अन्य को उत्पाद कार्यालय रामगढ़ में कार्यरत बल आदि की जानकारी दी गई जिसके उपरांत उपायुक्त ने उत्पाद विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सहायक आयुक्त उत्पाद को रामगढ़ जिला अंतर्गत किसी भी शराब दुकान में एमआरपी से अधिक शराब पर बिक्री न होने देने का निर्देश दिया। इसके लिए उन्होंने नियमित रूप से जांच अभियान चलाने एवं आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध चलाए गए जांच अभियान आदि की जानकारी सहायक आयुक्त उत्पाद से ली गई एवं नियमित रूप से अवैध शराब के विरुद्ध जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। इन सबके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा नई उत्पाद नीति के तहत संचालित किए जा रहे नए दुकानों की विस्तृत जानकारी ली एवं इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार अपर समाहर्ता गीतांजलि कुमारी, अवर निरीक्षक उत्पाद अमित मड़की एवं कांग्रेस कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

ग्रामा प्रधान संघ का प्रयास लाया रंग सड़क की हुई मरम्मती

पटमदा : पटमदा प्रखंड मुख्यालय सड़क जाने वाली सड़क में बने गड्ढे का मंगलवार को डस्ट गिरवाकर समतल करवाया गया। बता दे कि ग्राम प्रधान संघ पटमदा का एक प्रतिनिधि मंडल ग्राम प्रधान शंभु दास के नेतृत्व में अंचलाधिकारी से मिलकर मरम्मत करवाने की मांग की थी।इस दौरान ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष बृंदावन दास, मृत्युंजय महतो, शंभु दास, फुल चांद महतो ने सीओ से वार्ता कर समाधान की मांग की थी। मंगलवार को अंचलाधिकारी ने तत्काल कार्यवाही करते हुए स्लैग का प्रबंध सड़क मरम्मती के लिए करवाया।

JHARKHAND URBAN INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT COMPANY LIMITED
(Govt. of Jharkhand Undertaking)
JUIDCO Bhawan, Kutchery Road, Ranchi-834001, Jharkhand.
Ph No.: +91-651-2225878, CIN: U45200JH2013SGC001752,
e-mail Id-juidcolimited@gmail.com

NIT No.: JUIDCO/Roundabout/ Sahjanand/4081/662 Date- 09.09.2025

e-Procurement (Tender Notice)

1	Name of Work	Development of Roundabout of Sahjanand Chowk Hardscape & Softscape work
2	Mode of Bid Submission	e-tendering (http://jharkhandtenders.gov.in)
3	Estimated Cost (Rs.)	Rs. 3,96,04,560.00 /- (Rupees Three Crore Ninety Six Lakhs, Four Thousand, Five Hundred and Sixty) only.
4	Time of Completion	11 Months (Including Monsoon & Mobilization Period)
5	Tender Fee and Bid Security to be submitted online	Tender document fee: Rs 10,000/- (Rupees Ten Thousand) only **Non-Refundable.** Bid Security: Rs 3,97,000.00/- (Rupees Three Lakhs Ninety-Seven Thousand) only
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	10.09.2025 at 15:00 Hrs.
7	Last Date/Time of Bid Submission	08.10.2025 at 17:00 Hrs.
8	Date/Time of opening of Bid	09.10.2025 at 17:00 Hrs.
9	Bid Submission Address	Jharkhand Urban Infrastructure Development Company Limited, JUIDCO Bhawan, Kutchery Chowk, Ranchi, Jharkhand- 834001
10	Helpline Number of e-procurement Cell	0651-2225878

Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Project Director (Technical)
JUIDCO Ltd, Ranchi

PR 361451 Urban Development(25-26)#D

खिजरी विधानसभा में कल्याण विभाग के विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास किया गया

अनगड़ा : नामकुम खिजरी विधानसभा क्षेत्र में कल्याण विभाग के विभिन्न योजनाओं का खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप के अनुशंसा पर स्वीकृत खिजरी विधानसभा क्षेत्र के नामकुम प्रखण्ड अंतर्गत तीन योजना (1)सोदाग पंचायत के ऊपर डहु में सरना स्थल (2) हदगड़ी घेराबंदी एवं (3) नगड़ी प्रखण्ड के चेटे पंचायत के चेटे गांव में सरना स्थल घेराबन्दी कार्य का शिलान्यास खिजरी विधानसभा के प्रभारी सतीश पंडा, नामकुम प्रखण्ड प्रमुख आशा कच्छप, विधायक प्रतिनिधि एतवा मुण्डा, जिला ग्रामीण उपाध्यक्ष माधो कच्छप, पंसस कल्याण लिंडा, पंसस रोस लकड़ा, चेटे मुखिया रेणु बाला मिंज, पंसस दुर्गी देवी, पाहन जगरनाथ सांगा, बिजला पाहन, ग्राम प्रधान दुलाल मुण्डा, वार्ड सदस्य बसंती सांगा, टेलीस्फोर मिंज, कुलदीप मिंज, पुनीत तिग्गा, मंजू मिंज, प्रकाश कच्छप, जगरनाथ लोहरा, जेम्स मिंज एवं काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए।

सिल्ली पुलिस ने अवैध बालू लदा गाड़ी को किया जब्त

सिल्ली : सिल्ली थाना क्षेत्र में देर रात अवैध बालू खनन को लेकर हंगामा खड़ा हो गया। स्थानीय लोगों ने रात 1 बजे बालू लदे हाइवा और ट्रक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। फिलहाल सभी वाहन सिल्ली थाना परिसर में जप्त कर रखे गए हैं और उनके चालकों से पूछताछ की जा रही है। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एनजीटी के आदेश के बावजूद इलाके में बड़े पैमाने पर बालू का अवैध उठाव और कारोबार हो रहा है। यही नहीं, सिल्ली और सोनाहतू थाना क्षेत्र में इस धंधे को लेकर लगातार विवाद और तनाव की स्थिति बनी रहती है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस जांच में जुट गई है और दोषियों पर कार्रवाई की बात कही जा रही है। दूसरी ओर अवैध बालू रात के अंधेरे में कांची नदी,राढू नदी एवं स्वर्ण रेखा नदी से बालू उठाव किया जाता है।हाईवे एवं टर्बो के द्वारा बालू लेकर रांची जाया जाता है। बालू माफिया क्षेत्र में इस कदर हावी है कि बालू ले जाते समय उनके सामने कोई भी ग्रामीण आते हैं तो उनको हाईवे चढ़ाकर पार कर देते हैं इसको लेकर ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। रात के अंधेरे में माफिया किसी से बिना डर भय से अवैध बालू का कारोबार जोरों पर कर रहे हैं। रोजाना सौ हाईवे एवं टर्बो गाड़ियां रांची की ओर जाती है जिससे माफियाओं को मोटी रकम कमाई होती है। प्रशासन भी इनके आगे नतमस्तक है। वहीं सिल्ली थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी अभियान चलते हुए दो हाइवा एवं दो टर्बो अवैध बालू लदा जब्त किया गया है जिसकी लिखित सूचना खनन विभाग को अग्रतर कार्रवाई करने के लिए दिया गया है।

पढ़ाई के साथ खेल भी जरूरी चंद्र शेखर

पटमदा : तीन दिवसीय प्रखंड स्तरीय खेलो झारखंड कार्यक्रम के तहत दूसरे दिन को आयोजित फुटबॉल खेल बीआरसी जल्ला के मैदान में हुआ । मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू के हाथों विजेता और उप विजेता टीम को कप देकर पुरस्कृत किया गया। अंदर 17 बालक में विजेता आदिवासी प्लस टू विद्यालय बाँगुडदा ,बालिका वर्ग में एस एस प्लस टू विद्यालय पटमदा,अंडर 14 बालक में विजेता उ मध्य विद्यालय धूसरा,बालिका वर्ग में उ मध्य विद्यालय लावा, अंडर 19 बालक में पल्स टु आदिवासी विद्यालय बांगुड़दा रहा।मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू के हाथों विजेता ओर उप विजेता को पुरस्कृत किया गया।

दक्षिण पूर्व रेलवे मजदूर यूनियन ने सम्मेलन का किया आयोजन

सिल्ली : मुरी दक्षिण पूर्व रेलवे मजदूर यूनियन के तत्वाधान में मंगलवार के दिन रेलवे इंस्टिट्यूट में पुरानी पेंशन को बहाल करने के संदर्भ में भव्य रूप से सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा शहीदों के नाम पर श्रद्धांजलि एवं द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। सम्मेलन का संचालन रेलकर्मी उमेश कुमार भगत ने किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि भारत सरकार द्वारा लाई गई नई पेंशन स्कीम और यूनिफाइड पेंशन स्कीम दोनों ही केंद्रीय कर्मचारियों के लिए घातक है। इसके लिए केंद्रीय कर्मचारियों द्वारा पुरानी पेंशन स्कीम बहाल करने के लिए देशभर में आंदोलन छेड़ा गया है। मुख्य अतिथि दक्षिण पूर्व रेलवे मजदूर यूनियन के महासचिव अप्पू घोष ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी लोग पुरानी पेंशन स्कीम को लेकर ही रहेंगे और रेलवे द्वारा किए जा रहे निजीकरण को लेकर समय-समय पर विरोध प्रदर्शन भी किया जाएगा।

पिपरडीह बिरहोर टंडा में स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सारिया : बनवासी विकास आश्रम के तत्वावधान में पिपरडीह बिरहोर टंडा में एक स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य बिरहोर समुदाय को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना था। विशेषज्ञ डॉ. चांदनी पाठक और उनकी टीम ने 40 लोगों, जिनमें बच्चे भी शामिल थे, का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। इसमें सामान्य स्वास्थ्य जांच, ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल, बच्चों की पोषण जांच और महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का निदान किया गया। मरीजों को स्वास्थ्य सलाह और जरूरतमंदों को दवाइयां वितरित की गईं। डॉ. चांदनी पाठक ने लोगों को नियमित जांच और स्वच्छता का महत्व समझाया। बनवासी विकास आश्रम के समन्वयक उत्तम कुमार ने बताया कि ऐसे शिविरों का लक्ष्य स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना और चिकित्सा सेवाएं दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाना है। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना की और उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में प्रदीप कुमार, राजेश कुमार (लैब टेक्नीशियन), विवेक राय (अठट), आरती कुमारी, मालती कुमारी, कृष्णा हेम्ब्रम और उदय सोनी की भूमिका सराहनीय रही।

30 लाख की चोरी: व्यवसायियों ने फिर जताई नाराजगी

सरिया : सरिया के व्यवसायियों ने मंगलवार को एसडीपीओ धनंजय कुमार से चोरी के मामले में उद्भेदन और बरामदगी को लेकर सप्ताह में दूसरी बार मुलाकात की। बीते 22 अगस्त को व्यवसायी कैलाश मंडल के घर नकदी, जेवरात समेत करीब 30 लाख रुपये की चोरी हुई थी, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर विरोध जताया था। पुलिस ने एक सप्ताह के भीतर चोरी का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को 35 हजार रुपये नकद और दो मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार किया था।

शैक्षणिक वातावरण तैयार करने को लेकर द्वितीय शिक्षक अभिभावक हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : राज्य परियोजना निदेशक के निदेर्शानुसार मंगलवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय चंद्रमारणी में द्वितीय शिक्षक अभिभावक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता अभिभावक विनोद मंडल तथा संचालन शिक्षक एल एन पांडेय ने किया। इस बैठक के प्रारंभ में बाल संसद के बच्चों द्वारा अभिभावकों को पुष्प कुछ देकर सम्मानित किया गया। वहीं उनके सम्मान में स्वागत गीत प्रस्तुत किए गए इसके पश्चात बैठक की बिंदुओं पर चर्चा हुई जिसमें कहा गया कि सरकार के द्वारा बच्चों को उचित शिक्षा दिलाने के काफी प्रयास किया जा रहे हैं। विद्यालय में कई प्रकार की सुविधा दी गई है। कंप्यूटर क्लासेस, स्मार्ट क्लास, इको क्लब, एमडीएम, प्रोजेक्ट रेल, लाइब्रेरी, खेलकूद सामग्री,स्कूली किट, साइकिल वितरण बच्चों के लिए समय-समय पर उपलब्ध कराए जाते रहे हैं। बावजूद विद्यालयों में लगातार बच्चों का नामांकन तथा उपस्थिति कम हो रहा है.बच्चे ड्रॉप आउट हो रहे हैं। जो चिंता का विषय है। इसके लिए माता-पिता,समुदाय तथा विद्यालय के शिक्षकों को आपसी तालमेल तथा सहयोग से बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति करना है। बैठक के माध्यम से विद्यालय में चल रहे गतिविधियों की जानकारी दी गई। एफ एल एन तथा पुस्तकालय से संबंधित जानकारी दी गई। माता-पिता से आग्रह किया गया कि वे बच्चों को स्वाध्याय में सहयोग करे। विद्यालय में शत प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया उनके अभिभावकों को इस प्रयास के लिए बधाई दी गई।

झारखण्ड सरकार,
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, रांची
(कृषि प्रभाग, सिमडेगा),कार्यालय, जिला कृषि कार्यालय, सिमडेगा
Email Id-simdegaagriculture@gmail.com.com

किसान भाइयों के लिए आवश्यक सूचना

किसान भाईयों को सूचित किया जाता है कि राज्य में **Digital Crop Survey** (डिजिटल फसल सर्वेक्षण) कराया जा रहा है। जिसके लिए सर्वेक्षणकर्त्ता आपके प्लाट पर जा कर **Online Longitude latitude** के अनुसार आपके प्लॉट का सर्वे /सर्वेक्षण करगें। अनुरोध है कि आप लोग सर्वेयर के कार्यो में सहयोग कर इस कार्य को सफल बनायेगें।

सभी जनप्रतिनिधियों से निवेदन है कि अपने कार्यकत्ताओं के माध्यम से अधिक से अधिक प्रचार–प्रसार कराकर किसानों को जागरूक करने एवं इस कार्य को सफल बनाने में महत्ती कृपा करेगें।

अधिक जानकारी के लिए अपने प्रखण्ड के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी, एवं प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक से सम्पर्क कर सकते है।

जिला कृषि पदाधिकारी
सिमडेगा

PR 361370 Simdega(25-26)#D

कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गुमला।
SP आवास के पास, करमटोली रोड, गुमला–7209721521

Email Id- fisheriesgumla2018@gmail.com

"अति अल्पकालीन ईच्छा की अभिव्यक्ति"

राज्यादेश संख्या 10 रा0(वि0) दिनांक 04.07.2025 के आलोक में एतद् द्वारा गुमला जिले के सभी मत्स्य बीज उत्पादकों को सूचित किया जाता है कि समेकित मात्स्यिकी को बढ़ावा देने हेतु तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजनान्तर्गत गुमला जिले के विभिन्न जलाशयों में मत्स्य अंगुलिकाओं के संचयन हेतु भारतीय मेजरकॉर्प (रोहु, कतला, मृगल) एवं ग्रास कार्प के मत्स्य अंगुलिकाओं की आवश्यकता है ।

इच्छुक मत्स्य बीज उत्पादकों से मत्स्य अंगुलिकाओं की आपूर्ति हेतु "ईच्छा की अभिव्यक्ति" का आमत्रंण की जाती है । "ईच्छा की अभिव्यक्ति" तकनीकी एवं वित्तीय प्रस्ताव के साथ दिनांक 16.09.2025 तक कार्यालय अवधि में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में जमा किया जा सकता है । बाद में प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा ।

विदित हो कि भारतीय मेजर कार्प मत्स्य अंगुलिकाओं के क्रय का सरकारी दर मो0 750.00 (सात सौ पचास) रू0 प्रति हजार परिवहन व्यय सहित तथा ग्रास कार्प मत्स्य अंगुलिकाओं का दर मो0 1500.00 (एक हजार पाँच सौ) रू0 प्रति हजार परिवहन सहित की दर से निर्धारित है ।

• मत्स्य अंगुलिकाओं के आपूर्ति से संबंधित शर्ते निम्नवत् होंगें :–

शर्तः–

1. आपूर्तिकर्त्ता (मत्स्य बीज उत्पादक) को जलाशयों तक मत्स्य अंगुलिकाओं को अपने खर्च पर जीवित तथा स्वस्थ अवस्था में पहुँचाना होगा ।
2. आपूर्तिकर्त्ता (मत्स्य बीज उत्पादक) के द्वारा जिस तालाब में मत्स्य अंगुलिकाओं को तैयार किया जा रहा है, उस तालाब का पूर्ण विवरण/मत्स्य बीज उपलब्धता एवं पूर्ण पता से कार्यालय को अवगत करना अनिवार्य होगा, जिससे संचयन के पूर्व उनकी जाँच/सत्यापन कराई जा सके । विवरण प्रस्तुत करने हेतु विहित प्रपत्र कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है ।
3. जिन मत्स्य बीज उत्पादकों को अधोहस्ताक्षरी के स्तर से मत्स्य अंड बीज (स्पॉन) आपूर्ति की गई है उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी ।
4. आपूर्तिकर्त्ता (मत्स्य बीज उत्पादक) के प्रस्ताव/निविदा अथवा उनके द्वारा प्रदत्त मत्स्य अंगुलिकाओं को रद्द अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा ।
5. जलाशय में संचयन हेतु एक मत्स्य बीज उत्पादक से न्युनतम 50 हजार तथा अधिकतम 02 लाख मत्स्य बीज (मेजर कार्प अंगुलिकाएँ) ही क्रय किये जायेंगें ।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी गुमला।

PR 361404 Fish(25-26)D

क्षमता से अधिक बच्चों को ऑटो-रिक्शा में भरकर स्कूल ले जाने का मामला, बढ़ रहा दुर्घटना का खतरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरकाकाना (रामगढ़) : झारखंड व केंद्रीय सरकार द्वारा सभी बच्चों को शिक्षा अनिवार्य किए जाने को लेकर शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2010 लागू की गई है। ताकि समाज के हर वर्ग के बच्चों को शिक्षा प्राप्त हो सके। जिसे लेकर सरकार द्वारा लाखों करोड़ों रुपया आवंटित किया जाता है। इसके साथ ही कई विद्यालयों को विभिन्न संस्थाओं द्वारा अनुदान भी प्राप्त होता है। ताकि गरीब बच्चों को शिक्षित किया जा सके। जिसे लेकर अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों को स्कूल बस, ऑटो रिक्शा, सहित अन्य माध्यम से बच्चों को विद्यालय पहुंचने का काम किया जाता है। ताकि उनके बच्चों को नियमित शिक्षा प्राप्त हो सके। अभिभावकों की लापरवाही के कारण विभिन्न संसाधनों से विद्यालय जाने वाले बच्चों के साथ ऑटो रिक्शा चालक, बस ड्राइवर द्वारा मानसिक शोषण किया जाता है। बस चालक, ऑटो रिक्शा चालक व बस ड्राइवर अपने-अपने वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चों को डालकर विद्यालय पहुंचने का काम किया जाता है। सीसीएल कॉलोनी के बीचो-बीच स्थित एक प्रतिष्ठित विद्यालय में बच्चों को पहुंचने के कार्य में लगे एक ऑटो रिक्शा चालक द्वारा अपने ऑटो रिक्शा में 24 बच्चों को डालकर विद्यालय लाने व ले जाने का काम किया जाता है। जिस संबंध में सोशल मीडिया व अखबार में भी समाचार प्रकाशित की गई थी। ऐसा नहीं है कि इसकी जानकारी विद्यालय प्रबंधन को नहीं है। इसके बावजूद विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किया जाता है। अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों को सुरक्षित विद्यालय पहुंचने व लाने के लिए ऑटो रिक्शा चालकों को प्रति माह किराया दिया जाता है। ताकि उनके बच्चे सुरक्षित विद्यालय में पहुंच कर शिक्षा ग्रहण कर सके। सीसीएल कॉलोनी के बीचो-बीच स्थित प्रतिष्ठित विद्यालय में एक बार फिर ऑटो चालकों द्वारा विद्यालय लाने के दौरान बच्चों के पुस्तक बेग को ऊपर रख दिया जाता है। विद्यालय परिसर पहुंचने के बाद ऑटो रिक्शा चालक द्वारा बच्चों को बैग उतार कर देने के बजाए छोटे बच्चों को ही ऑटो के ऊपर चढ़ा दिया जाता है। उन बच्चों से ही बैग को उतरवाया जाता है। इस दौरान बच्चे किसी भी तरह से को दुर्घटना का शिकार हो सकता है। दुर्घटना होने के बाद ऑटो चालक द्वारा पल्ला झाड़ दिया जाता है। अभिभावकों को पास अफसोस जाहिर करने के अलावा कोई विकल्प नहीं रह जाता है। अभिभावकों को अपने जिम्मेदारी को निभाते हुए समय-समय पर ऑटो रिक्शा चालकों द्वारा किए जाने वाले कार्यों पर नजर रखते हुए उचित कार्रवाई करने की आवश्यकता है। ताकि भविष्य में बच्चों के साथ किसी भी तरह का अनहोनी ना हो सके। विद्यालय प्रबंधन समिति को भी अपनी जिम्मेदारी को निभाते हुए विद्यालय में आने वाले सभी ऑटो चालकों के पहचान पत्र के साथ उनके ड्राइविंग लाइसेंस की जांच की जानी चाहिए।

कार्यालय–कार्यपालक अभियंता, एन0आर0ई0पी0, लातेहार।
(E-mail ID- nrep.ltr@gmail.com)
अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना
ई–निविदा संख्या :–11/2025-26/EE/NREP/LATEHAR दिनांक : 09.09.2025
(15th Finance)

क्र0	आईडेंटीफिकेशन सं0/पैकेज सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)		कार्य समाप्ति की तिथि	टेन्डर कॉल
			अंकमें	अक्षर में		
1.	NREP/LATEHAR/17/ 2025-26	प्रखंड–बारियातु अंतर्गत मकरा में स्वस्थ्य उपकेन्द्र भवन निर्माण।	55,50,000.00	पचपन लाख पचास हजार	09माह	प्रथम
2.	NREP/LATEHAR/18/ 2025-26	प्रखंड–बालूमाथ अंतर्गत मासियातु में स्वस्थ्य उपकेन्द्र भवन निर्माण।	55,50,000.00	पचपन लाख पचास हजार	09माह	प्रथम
3.	NREP/LATEHAR/19/ 2025-26	प्रखंड–बरवाडीह अंतर्गत जुरुहार में स्वस्थ्य उपकेन्द्र भवन निर्माण।	55,50,000.00	पचपन लाख पचास हजार	09माह	प्रथम
4.	NREP/LATEHAR/20/ 2025-26	प्रखंड–चंदवा अंतर्गत नगर में स्वस्थ्य उपकेन्द्र भवन निर्माण।	55,50,000.00	पचपन लाख पचास हजार	09माह	प्रथम
5.	NREP/LATEHAR/21/ 2025-26	प्रखंड–चंदाव अंतर्गत सेन्हा में स्वस्थ्य उपकेन्द्र भवन निर्माण।	55,50,000.00	पचपन लाख पचास हजार	09माह	प्रथम
6.	NREP/LATEHAR/22/ 2025-26	प्रखंड–लातेहार अंतर्गत होटवाग में स्वस्थ्य उपकेन्द्र भवन निर्माण।	55,50,000.00	पचपन लाख पचास हजार	09माह	प्रथम
7.	NREP/LATEHAR/23/ 2025-26	प्रखंड–मनिका अंतर्गतजेरु आस्वस्थ्य उपकेन्द्र भवन निर्माण।	55,50,000.00	पचपन लाख पचास हजार	09माह	प्रथम

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि : 15.09.2025
2. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :25.09.2025 अपराह्न 5:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 27.09.2025 अपराह्न 03:30 बजे।
4. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार परिमाण विपत्र का 02 प्रतिशत राशि अग्रधन की राशिके रूप में जमा करना होगा।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार किया जाएगा।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशिका ई–भुगतान जिस खाता से किया जाएगा उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी।
7. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः–कार्यपालक अभियंता, एन0आर0ई0पी0, लातेहार
8. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 –7903027406 ई मेल–nrep.ltr@gmail.com
9. प्राक्कलित राशि बढ़ या घट सकती है।
10. निविदा में भाग लेने वाले संवेदक इस आशय का शपथपत्र समर्पित करेंगें की निर्धारित अवधि में कार्य अनिवार्य रुप से पूर्ण कर लेंगें।
11. उक्त निविदा में भवन प्रमंडल, में निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक निविदा में भाग ले सकते है।
12. बिना कारण बताये किसी एक या सभी कार्य की निविदा को रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित है।
13. विस्तृत जानकारी के लिए बेवसाईट www.jharkhandtendres.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता,
एन0 आर0 ई0 पी0, लातेहार

PR 361439 Rural Development(25-26)D

अकेलेपन से आत्महत्या तक : मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करने का समय

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरूआत 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है। प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2025 की थीम है 'आत्महत्या पर कहानी बदलना'। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है। हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया था कि वर्ष 2022 में भारत में कुल 170924 लोगों ने आत्महत्याएं की जबकि 2021 में भारत में 164033 लोगों ने आत्महत्या की थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं। जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है और इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है और जब व्यक्ति को परेशानियों से बाहर निकलने का कोई मार्ग नजर आता, ऐसे में वह आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठता है। हालांकि जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्रायः विकट परिस्थितियों से उबर भी जाते हैं लेकिन अवसाद के शिकार कुछ लोग विषम परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशतः अवसाद ही जिम्मेदार ठहराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण भी है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

सूडोकु नवताल- 7548

सरल

5	9			3			8	7
8	7		1					
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7547 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

'द बंगाल फाइल्स': इतिहास का वो सच, जो हमें कभी नहीं बताया गया

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

द बंगाल फाइल्स महज एक फिल्म नहीं है, यह भारत के इतिहास की उस रक्तरंजित सच्चाई का आईना है जिसे दशकों तक छुपाया गया। यहां तक कि अध्ययन के स्तर पर कभी किसी स्कूल की पढ़ाई में तमाम इतिहास के किरादारों एवं घटनाओं के पठन-पाठन के बीच कभी यह सच नहीं बताया गया कि कैसे भारत का रक्त रंजित हिन्दू हत्याओं का इतिहास है। इसके उलट हमारे समाज को बार-बार यह भ्रम दिया गया कि हम एक शांतिपूर्ण, धर्मनिरपेक्ष और सभ्य देश में जी रहे हैं।

दरअसल, यह भ्रम इतना गहरा बैठा है कि पीढ़ियाँ यह मानकर बड़ी हुईं कि इतिहास मे जो कुछ हिंसा हुई वह तो आपसी दुश्मनी या सत्ता प्राप्ति के लिए था, फिर भी जो थोड़े-बहुत जख्म थे, वह भर चुके हैं। लेकिन यह फिल्म उस नकली पट्टी को हटाती है और दिखाती है कि घाव आज भी रिस रहा है। जब कोई दर्शक इसे देखता है तो उसकी प्रतिक्रिया मनोरंजन की नहीं बल्कि आत्ममंथन की होती है। वह तालियाँ नहीं बजाता, बल्कि चुप हो जाता है, क्योंकि स्क्रीन पर दिख रहा दर्द महज कल्पना नहीं बल्कि इतिहास का जीवित दस्तावेज है।

भारत का विभाजन केवल राजनीतिक समझौता नहीं था, यह मानव इतिहास का सबसे बड़ा जबरन विस्थापन था। 1947 में लगभग एक करोड़ चौबीस लाख लोग अपनी जमीन-जायदाद छोड़कर पलायन के लिए मजबूर हुए। आधिकारिक आँकड़े बताते हैं कि दस से बीस लाख लोग इस विभाजन की हिंसा में मारे गए। लेकिन इन आँकड़ों के पीछे जो पीड़ा छिपी है, उसका कोई हिसाब नहीं। लाखों स्त्रियाँ अपमानित हुईं, हजारों बच्चों का भविष्य अंधेरे में डूब गया।

16 अगस्त की रात, ग्रेट कलकत्ता किलिंग

इतिहास में इस रक्तपात की जड़ें 16 अगस्त 1946 को बोई गईं, जब मुस्लिम लीग ने डायरेक्ट ऐक्शन डे घोषित किया। कोलकाता की सड़कों पर उस दिन से शुरू हुई हिंसा ने तीन दिनों में कम-से-कम 10,000 लोगों की जान ले ली। ब्रिटिश प्रशासन की रिपोर्टों और 'द स्टेट्समैन' जैसे अखबारों के समकालीन विवरणों से यह साफ है कि यह नरसंहार योजनाबद्ध था। लगभग डेढ़ लाख लोग विस्थापित हुए और हिंदू बहुल बस्तियाँ राख में बदल गईं। इसे ही इतिहास ने ग्रेट कलकत्ता किलिंग का नाम दिया।

अभी यह जख्म ताजा ही था कि अक्टूबर 1946 में नोआखाली में और भी भयावह घटनाएँ घटीं। यह क्षेत्र आज बांग्लादेश का हिस्सा है। वहाँ पर सुनियोजित तरीके से हिंदुओं के गाँवों पर हमला किया गया। सैकड़ों गाँव जलाए गए, हजारों महिलाओं का जबरन धर्मांतरण किया गया और बलात्कार तो सामान्य वारदात बन गए। आँकड़े बताते हैं कि केवल कुछ ही हफ्तों में लगभग 1000 हिंदुओं की हत्या की गई और लगभग 70,000 से अधिक लोग बेघर हो गए। जिन स्त्रियों को जबरन मुसलमान बनाया गया, उनकी संख्या आज भी अज्ञात है क्योंकि पीड़ित परिवारों ने सामाजिक कलंक के डर से कभी अपनी कहानी दर्ज नहीं कराई। गाँधी जी वहाँ पहुँचे, उन्होंने उपवास किया, प्रवचन दिए, लेकिन पीड़ितों की पीड़ा पर कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया। वस्तुतः फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' इन घावों को याद कराती है और हमें बताती है कि इतिहास के ये अध्याय हमारे सामूहिक स्मृति से मिटा दिए गए।

पलायन का दर्द जो कभी नहीं भर सकता

यह सब एकबारगी घटनाएँ नहीं थीं। 1947 के विभाजन में पंजाब और बंगाल दोनों जगहों पर नदियाँ खून से लाल हो गईं। आधिकारिक रूप से दस से बीस लाख लोग मारे गए, लेकिन कई स्वतंत्र इतिहासकार मानते हैं कि यह संख्या तीस लाख तक भी हो सकती है। 1947 से 1951 के बीच लगभग 72 लाख हिंदू और सिख भारत आए जबकि उतने मुसलमान पाकिस्तान नहीं गए। यह आँकड़े बताते हैं कि पलायन कितना असमान और हिंसक था।

इतिहास की यह क्रूरता यहीं नहीं रुकी। 1971 में जब पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान के लोगों पर 'ऑपरेशन सर्चलाइट' चलाया तो यह मानवता के इतिहास का एक और बड़ा नरसंहार बना। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के अनुमान के अनुसार 20 से 30 लाख लोग मारे गए। इनमें बड़ी संख्या हिंदुओं की थी। लगभग 2 से 4 लाख महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ। करीब एक करोड़ लोग भारत में शरण लेने आए, जिनमें से अधिकांश बंगाल और त्रिपुरा में बसे। यह विस्थापन आज भी उन इलाकों के सामाजिक ढाँचे पर बोझ है। लेकिन हमारी किताबों में इसे एक युद्ध का परिणाम कहकर दबा दिया गया, जैसे यह कोई सामान्य घटना हो।

बंगाल की तरह कश्मीर में भी वही घटा है

इतिहास की इस लड़ी में 1990 का कश्मीरी हिंदुओं का पलायन भी शामिल है। आँकड़े बताते हैं कि उस समय घाटी में लगभग 3.5 लाख हिंदू रहते थे। देखते-देखते आतंक और हिंसा के चलते 95 प्रतिशत लोग अपने घर छोड़कर भागे। सरकारी आँकड़े कहते हैं कि लगभग 1000 लोग मारे गए, लेकिन कश्मीरी पंडित संगठनों का दावा है कि वास्तविक संख्या कई गुना अधिक थी। महिलाओं के साथ बलात्कार, बच्चों की हत्याएँ और भयावह धमकियाँ इस पलायन के पीछे थीं। यह सब कुछ उसी सिलसिले का हिस्सा था जो 1946 में बंगाल से शुरू हुआ था।

'द बंगाल फाइल्स' इस पूरे सिलसिले को जोड़ती है। यह कहती है कि कट्टरपंथ अगर आपके आसपास पनप रहा है, तो यह मत सोचिए कि यह केवल किसी और की समस्या है। परसों बंगाल की बारी थी, कल कश्मीर की थी और कल को शायद आपकी बारी हो। यही संदेश इस फिल्म को महज मनोरंजन से आगे बढ़ाकर सामाजिक चेतावनी बनाता है।

भारत माता बार-बार लहूलुहान हो रही

फिल्म का केंद्रीय पात्र भारती बनर्जी दरअसल उस आहत भारतमाता का प्रतीक है जो बार-बार लहूलुहान होती रही। पल्लवी जोशी का अभिनय इसे जीवंत बना देता है। दर्शक यह महसूस करता है कि यह केवल एक स्त्री की नहीं, बल्कि एक सभ्यता की पीड़ा है। फिल्म में गोपाल पाठा जैसे भूले हुए नायकों का उल्लेख है, जिनका नाम हमारे बच्चों ने कभी नहीं सुना। स्कूलों की किताबों में यह जगह ही नहीं पा सके। क्यों? क्योंकि जिन इतिहासकारों ने किताबें लिखीं, उन्होंने वामपंथी दृष्टिकोण से प्रेरित होकर एकपक्षीय आख्यान गढ़ा। फिल्म के संवाद भी आँकड़ों की तरह कठोर और सच्चाई से भरे हैं। जब एक अफसर अपने वरिष्ठ से पूछता है कि क्यों हर अपराध को हिंदू-मुस्लिम का रंग देकर दबा दिया जाता है? तो यह सवाल केवल इतिहास का नहीं, बल्कि आज का भी है। हम हर समस्या को सांप्रदायिक कहकर टाल देते हैं और असली मुद्दे को छुपा देते हैं। यही कारण है कि यह फिल्म हमें असहज करती है। यह हमारी उस नकली आत्म-छवि को तोड़ देती है जिसमें हम मानते हैं कि सब कुछ ठीक है।

'द बंगाल फाइल्स' यही सवाल पूछती है। यह याद दिलाती है कि भारत का विभाजन केवल भौगोलिक नहीं था, यह सभ्यता और अस्मिता पर किया गया घाव था। गाँधी जी की नीतियों से लेकर कांग्रेस नेताओं की अधीरता तक, और वामपंथी इतिहासकारों की चुप्पी से लेकर मीडिया की अनदेखी तक, हर मोड़ पर हिंदुओं के नरसंहार को दबाने की कोशिश हुई। फिल्म यह भी दिखाती है कि यह हिंसा कोई एक बार की घटना नहीं, यह आज भी लगातार अनवरत किसी न किसी रूप में जारी है।

यह भी याद रखना होगा कि दुनिया में जब-जब सच सामने आया है, समाज और संवेदनशील हुआ है। जर्मनी ने यहूदी नरसंहार की सच्चाई स्वीकार की, तभी वह आत्ममंथन कर सका। अमेरिका ने अश्वेतों और मूल निवासियों पर हुए अत्याचारों को स्वीकार किया, तभी सुधार संभव हुआ। भारत अगर अपने अतीत का सच नहीं देखेगा, तो वह भविष्य की त्रासदियों से कैसे बचेगा?

निराशा से आशा की ओर : आत्महत्या के खिलाफ जंग

ललित गर्ग

दुनिया में आत्महत्या आज एक गहरी एवं विडम्बनापूर्ण वैश्विक चुनौती बन चुकी है। हर साल लाखों लोग अपनी ही जिंदगी से हार मान लेते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल लगभग 7.2 लाख लोग आत्महत्या करते हैं। यह सिर्फ व्यक्तिगत त्रासदी नहीं बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और आर्थिक संकट भी है। 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग में मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण आत्महत्या है। यही वजह है कि हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। 2024 से 2026 तक इसकी थीम 'चेंजिंग द नैरेटिव ऑन सुसाइड' रखी गई है, जिसका उद्देश्य है आत्महत्या पर खामोशी तोड़कर इसे एक निष्क्रिय विषय से संवाद और सहयोग का सक्रिय विषय बनाना। आत्महत्या पर दृष्टिकोण का यह बदलाव आत्महत्या के बारे में लोगों की सोच और बातचीत के तरीके को चुनौती देता है, खुले और ईमानदार संवाद को बढ़ावा देता है जो कलंक को तोड़ता है और समझ को बढ़ावा देता है। आत्महत्या के अलावा जीवन में और भी बेहतर विकल्प हैं। इसके अलावा एक ऐसी समाज-व्यवस्था को बढ़ावा देना है जहां लोग मदद लेने में हिचहिचाए नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहयोग के लिये आगे आये। निश्चित रूप से खुदकुशी सबसे तकलीफदेह हालात के सामने हार जाने का नतीजा होती है और ऐसा फैसला करने वालों के भीतर वंचना का अहसास, उससे उपजे तनाव, दबाव और दुख का अंदाजा लगा पाना दूसरों के लिए मुमकिन नहीं है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है। आत्महत्या जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी है, यह मनुष्य होने के अर्थ और गरिमा को धूमिल करती है। जब जीवन जीने का साहस कमजोर पड़ता है तो व्यक्ति निराशा और अंधकार में डूबकर स्वयं को समाप्त करने की ओर बढ़ता है। वैश्विक स्तर पर यह एक गंभीर समस्या है, दुनिया भर से आते नए आंकड़े इस चुनौती की गंभीरता को और उजागर करते हैं। 2021 में अनुमानित 7.27 लाख आत्महत्याएं हुईं और विश्व में हर 43 सेकेंड में कोई एक व्यक्ति खुदकुशी कर रहा है। 73 प्रतिशत आत्महत्याएं निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में होती हैं और सबसे अधिक असर युवा और गृहिणियों पर पड़ता है। भारत में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2021 की रिपोर्ट बताती है कि आत्महत्या करने वाली महिलाओं में 51.5 प्रतिशत गृहिणियां थीं। आत्महत्या की दर दो दशकों में 7.9 से बढ़कर 10.3 प्रति एक लाख हो गई है। उत्तराखंड जैसे राज्यों में पारिवारिक कलह आत्महत्या का बड़ा कारण है। युवा वर्ग की महत्वाकांक्षा क्षमता से अधिक हो चुकी है, पारिवारिक सामंजस्य खत्म हो गया है, असफलता का डर और तनाव सहने की क्षमता कम हो गई है। यही कारण है कि पढ़ाई के दबाव, नौकरी में असफलता, रिश्तों के टूटने और आर्थिक अभाव से युवा और किशोर आत्महत्या की ओर धकेले जा रहे हैं।

भारत में स्थिति और भी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में 1,70,924 आत्महत्याएं दर्ज की गईं, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है और आत्महत्या दर 12.4 प्रति लाख जनसंख्या रही। यह दर पिछले वर्षों की तुलना में सर्वाधिक है। इनमें 18 से 45 वर्ष की आयु के लोगों की संख्या दो-तिहाई से अधिक है, जो दशार्ता है कि देश का युवा और कार्यशील वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित है। राज्यवार आंकड़े भी चिंताजनक हैं-सिक्किम में आत्महत्या दर लगभग 43 प्रति लाख रही जबकि बिहार में यह 1 से भी कम है। आत्महत्या के पीछे अनेक सामाजिक, आर्थिक और मानसिक कारण जुड़े हुए हैं। बेरोजगारी, गरीबी, पारिवारिक कलह, असफल प्रेम, नशे की लत और बीमारियां इसका बड़ा कारण बन रही हैं। मानसिक रोग और अवसाद ने इस समस्या को और गहरा किया है। एनसीआरबी के अनुसार 2018 से 2022 के बीच मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कारणों से आत्महत्या के मामलों में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2022 के आँकड़े बताते हैं कि आत्महत्या के प्रमुख कारणों में 33 प्रतिशत मामले पारिवारिक समस्याओं से जुड़े थे, लगभग 19 प्रतिशत मामले बीमारियों के कारण हुए, जबकि 6-7 प्रतिशत मामले विवाह सम्बन्धी समस्याओं और 6 प्रतिशत मामले ऋण और कर्ज से संबंधित थे। छात्र आत्महत्या का आंकड़ा भी बड़ा चिंताजनक है-2022 में यह कुल आत्महत्याओं का 7.6 प्रतिशत रहा। वैश्विक स्तर पर भी स्थिति गंभीर है, परंतु भारत में यह और ज्यादा जटिल इसलिए है क्योंकि यहां सामाजिक प्रतिस्पर्धा, उपभोक्तावादी जीवनशैली, परिवार का टूटता हुआ ढांचा और आर्थिक असमानता आत्महत्या की प्रवृत्ति को तेज कर रही है। आत्महत्या केवल एक जीवन का अंत नहीं है, बल्कि यह एक पूरे परिवार और समाज की आशाओं का विघटन है।

इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए केवल व्यक्तिगत प्रयास पर्याप्त नहीं हैं बल्कि समाज और सरकार दोनों को संयुक्त रूप से कार्य करना होगा। भारत सरकार ने 2017 में मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम पारित करके आत्महत्या प्रयास को अपराध की श्रेणी से बाहर किया और 2020 में 'किरण' नामक राष्ट्रीय हेल्पलाइन शुरू की जो 13 भाषाओं में चौबीसों घंटे सहायता उपलब्ध कराती है। 2022 में राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति बनाई गई जिसका लक्ष्य 2030 तक आत्महत्या दर में 10 प्रतिशत की कमी लाना है। इसमें मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, परामर्श केंद्रों की स्थापना, रोजगार सृजन, परिवारिक संवाद को मजबूत करना, मीडिया की संवेदनशीलता और सामाजिक सहयोग जैसे उपायों पर जोर दिया गया है। साथ ही स्वयंसेवी संस्थाओं और हेल्पलाइन सेवाओं-जैसे आसरा, वंद्रेवाला, समैरिटन्स मुंबई-की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। आत्महत्या को रोकने का सबसे बड़ा उपाय यही है कि व्यक्ति को निराशा के अंधकार में छोड़ने के बजाय उसके जीवन में आशा, साहस और सहयोग का संचार किया जाए क्योंकि कठिनाइयों का समाधान आत्महत्या में नहीं बल्कि संघर्ष, विश्वास और सहारा देने वाले समाज में है।

दुनिया का यह दुखद सच यह भी है कि चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से बीमारियों से मरने वालों की संख्या घटी है पर आत्महत्या के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ी है। भौतिकवादी जीवनशैली, प्रतिस्पर्धा, अवसाद और असंतुलन ने मनुष्य को भीतर से खोखला बना दिया है। प्रसिद्ध कलाकार, जिनका सार्वजनिक जीवन में हंसता खेलता चेहरा दिखाई देता है, कभी अचानक आत्महत्या कर लेते हैं क्योंकि भीतर का अकेलापन और दबाव उन्हें जीने नहीं देता। सवाल यह है कि जिनके पास साधन और सहयोग की कमी नहीं, वे भी क्यों जिंदगी के उतार-चढ़ाव को बर्दाश्त नहीं कर पाते। किसानों की आत्महत्या, आर्थिक तंगी, व्यापार में नुकसान, रिश्तों का टूटना, तलाक और अभाव की स्थिति आत्महत्या की सबसे बड़ी जड़ें हैं। समाज और परिवार का विघटन भी व्यक्ति को असहाय बना देता है।

आत्महत्या किसी भी सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। टॉयनबी ने ठीक ही कहा है कि कोई भी संस्कृति हत्या से नहीं बल्कि आत्महत्या से मरती है। इस स्थिति को बदलना जरूरी है। सरकारों, संगठनों, समुदायों और परिवारों की जिम्मेदारी है कि वे संवाद और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा दें। जब कोई व्यक्ति संकट में हो तो परिवार, दोस्त, पड़ोसी और सहकर्मी उसे अकेला न छोड़ें बल्कि उसका हाथ थामें। हमें एक ऐसी सामाजिक संरचना बनानी होगी जहां मदद मांगना कमजोरी नहीं बल्कि साहस माना जाए। जहां तनाव और अवसाद को गंभीरता से समझा जाए और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता मिले। जहां बच्चों को बचपन से ही संघर्षों से लड़ने की शिक्षा दी जाए और असफलताओं को जीवन का हिस्सा समझने का दृष्टिकोण विकसित किया जाए। आत्महत्या रोकथाम दिवस हमें यही संदेश देता है कि आत्महत्या से बचा जा सकता है, संवाद और सहयोग से जीवन बदला जा सकता है, और हर व्यक्ति को नई शुरूआत का अवसर दिया जा सकता है। यह दिन हमें यह समझाने आता है कि जिंदगी कठिन जरूर है लेकिन जीने के विकल्प हमेशा मौजूद हैं।

स्वामी विवेकानंद: पश्चिमी जगत को सनातन धर्म की विशिष्टता को लेकर शिक्षित किया

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

स्वामी विवेकानंद का सबसे बड़ा योगदान पश्चिमी जगत को सनातन धर्म के अंतर्गत दर्शन के सबसे प्रमुख अंग, अद्वैत वेदांत की गहनता और विशिष्टता से परिचित कराना था। उन्नीसवीं सदी के अंतिम दस वर्षों में पश्चिमी लोगों ने ईसाई धर्म पर संदेह करना शुरू कर दिया और पूर्वी ज्ञान की ओर रुख करने लगे। उसी काल में थियोसोफिकल सोसाइटी का उदय हुआ, जिसने धर्म और विज्ञान के उच्चतम मानकों को अपनाने का दावा किया। यह इतनी प्रसिद्ध हो गई कि इसके सदस्यों की सूची दुनिया के शीर्ष लोगों की सूची जैसी हो गई।

स्वामी विवेकानंद एक आध्यात्मिक गुरु होने के साथ-साथ विचारवंत और तर्कवादी भी थे। 1893 में शिकागो में प्रथम विश्व धर्म संसद में उन्होंने प्रतिष्ठित पश्चिमी श्रोताओं के समक्ष उत्कृष्ट भाषण दिया, जिसमें उन्होंने उपनिषदों की शिक्षाओं और भारतीय दर्शन की नींव के बारे में अपनी समझ का प्रदर्शन किया। श्रोताओं में से कई लोगों ने सोचा कि भारतीय दर्शन, वैज्ञानिक तर्कसंगतता का त्याग किए बिना, मानवता की परम सत्य की खोज का अंतिम समाधान प्रस्तुत करता है, क्योंकि उन्होंने अपने संदेश को, जो आध्यात्मिक और तार्किक दोनों था, कुशलता से व्यक्त किया।

स्वामी विवेकानंद की प्रमुख उपलब्धियों में से एक हिंदू धर्म को एक सच्ची पहचान, अपनापन और सम्पूर्णता प्रदान करना था। स्वामीजी के आगमन से पहले, कुछ ही संगठन थे, जो सभी एक-दूसरे पर प्रभुत्व का दावा करते थे और अनिवार्य रूप से स्वतंत्र थे। इनमें से किसी भी समूह के पास हिंदू धर्म की ठोस समझ का आधार नहीं था। भगिनी निवेदिता, स्वामी विवेकानंद के संपूर्ण कार्यों की प्रस्तावना में कहती हैं: ₹यह कहा जा सकता है कि धर्म संसद के समक्ष स्वामी का भाषण जब उन्होंने शुरू किया था, हिंदुओं की धार्मिक अवधारणाओं के बारे में था, लेकिन जब तक उन्होंने इसे समाप्त किया, तब तक हिंदू धर्म स्थापित हो चुका था।

पहली बार, स्वामी विवेकानंद ने दिखाया कि हिंदू धर्म के समग्र सिद्धांत सार्वभौमिक हैं। हिंदू धर्म का अनूठा स्वरूप इन्हीं मूल सिद्धांतों से निकला है। स्वामी विवेकानंद ने हिंदू धर्म की एकता और विशिष्टता का निर्माण किया। अमेरिका की यात्रा करने वाले पश्चिम के पहले हिंदू मिशनरी बनने, 1893 की धर्म संसद में हिंदू धर्म का प्रतिनिधित्व करने और पश्चिम में हिंदू धर्म की शिक्षा देने के बाद, स्वामीजी हिंदू धर्म के एकीकरण के प्रतीक बन गए। उन्होंने हिंदू भाईचारे को प्रोत्साहित किया, लोगों को उनकी साझी विरासत की याद दिलाई और अपने लेखन और प्रवचनों के माध्यम से हिंदू चेतना को उन्नत किया। स्वामीजी की बदौलत हिंदुओं में 'साझा समुदाय' की भावना विकसित हुई। विद्वान के. एम. पणिक्कर के अनुसार, इस नए शंकराचार्य को हिंदू सिद्धांत के एकीकरणकर्ता के रूप में देखा जा सकता है।

स्वामीजी की बदौलत हिंदू धर्म सक्रिय और वैश्विक बना। उन्होंने हिंदू समुदाय में एक मिशनरी भावना का संचार किया। उनकी कामना थी कि भारत की प्राचीन आध्यात्मिक शिक्षाओं से सभी प्रबुद्ध हों और उनका प्रसार पूरे विश्व में हो। उन्होंने कहा, उठो भारत, और अपनी आध्यात्मिकता का उपयोग विश्व पर विजय पाने के लिए करो।

अधिवेशन में संबोधन शिकागो, 11 सितंबर 1893

मुझे उस धर्म का हिस्सा होने पर गर्व है जिसने सभी को सहिष्णुता और स्वीकृति की शिक्षा दी है। सभी धर्मों को सत्य मानने के अलावा, हम सार्वभौमिक सहिष्णुता में भी विश्वास करते हैं। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि मैं एक ऐसे धर्म का सदस्य हूँ जहाँ "Exclusion" शब्द का अनुवाद पवित्र भाषा संस्कृत में नहीं किया जा सकता। एक ऐसे राष्ट्र का हिस्सा होना, जिसने सभी देशों और धर्मों के शरणार्थियों और सताए गए लोगों को शरण दी है, मुझे गौरवान्वित करता है। मुझे यह कहते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि हमने अपने हृदय में उन पवित्रतम इस्त्राएलियों को समाहित किया है, जो उस वर्ष या वर्षों में दक्षिणी भारत में आकर हमारे साथ शरण ली थी जब रोमन अत्याचार ने उनके पवित्र मंदिर को नष्ट कर दिया था। मैं उस धर्म का हिस्सा बनकर गौरवान्वित हूँ, जिसने प्राचीन पारसी देश के अंतिम निवासियों की रक्षा की है और उनका समर्थन करना जारी रखा है।

स्वामी विवेकानंद ने 11 मार्च, 1898 को कलकत्ता के स्टार थिएटर में एक सभा की अध्यक्षता की, जिसमें सिस्टर निवेदिता (मिस एम. ई. नोबल) ने इंग्लैंड में भारतीय आध्यात्मिक विचारों का प्रभाव विषय पर एक व्याख्यान दिया। मिस नोबल का परिचय देने के लिए स्वामी विवेकानंद ने उठते हुए इस प्रकार कहाः पूर्वी एशिया की यात्रा के दौरान एक बात जो मुझे विशेष रूप से प्रभावित करती है, वह यह है कि इन देशों में भारतीय आध्यात्मिक अवधारणा कितनी व्यापक है। आप कल्पना ही कर सकते हैं कि चीन और जापान के मंदिरों की दीवारों पर कुछ प्रसिद्ध संस्कृत मंत्र लिखे देखकर मुझे कितना आश्चर्य हुआ होगा। शायद आपको यह जानकर और भी खुशी होगी कि वे सभी प्राचीन बंगाली लिपि में लिखे गए थे और वे आज भी हमारे बंगाली पूर्वजों के मिशनरी उत्साह और ऊर्जा के प्रमाण के रूप में मौजूद हैं। भारतीय युवाओं को स्वामीजी के धर्म और राष्ट्र के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए गहराई से अभिव्यक्ति के लिए आगे आना चाहिए।

दैनिक पंचांग

10 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

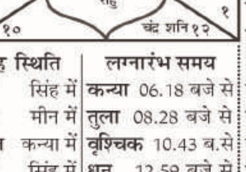

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.18 बजे से
चंद्र	मीन में	तुला	08.28 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	10.43 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	12.59 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.04 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	16.51 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.23 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.54 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.34 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मिथुन	23.32 बजे से
		कर्क	01.46 बजे से
		सिंह	04.02 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 253 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण
तिथि तृतीया 15.39 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 16.03 बजे को समाप्त।
योग वृद्धि 20.32 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 15.39 बजे तदनन्तर बव 02.12 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 17.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 04° 55'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872463
जूलियन दिन 2460928.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल **तारीख** 17
विशेष तृतीया श्राद्ध, चतुर्थी श्राद्ध, संकष्टी चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक हिरासत

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मुफस्सिल थाना कांड संख्या 86/25, दिनांक 1 सितंबर 2025, धारा - 84/87/3(5) बीएनएस के प्राथमिक अभियुक्त विवेक कुमार शाह, पिता कृष्ण शाह, ग्राम लाल बथानी मुशहरी टोला, को पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार किया है। मुफस्सिल थाना की पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी करने के उपरांत शारीरिक जांच हेतु सदर अस्पताल साहिबगंज ले गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने शारीरिक जांच किया, उसके बाद पुलिस ने अभियुक्त को न्यायिक हिरासत भेज दिया गया।

शादी का झांसा देकर नाबालिग को भगाने वाला युवक गिरफ्तार

साहिबगंज : तीनपहाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत थाना पुलिस ने एक नाबालिक लड़की को शादी का झांसा देकर भगा कर ले जा रहे एक युवक को पुलिस ने पकड़ कर थाना लाया। मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के एक नाबालिक लड़की को थाना क्षेत्र के ही हरचंदपुर निवासी विशाल कुमार ने शादी का झांसा देकर नाबालिक लड़की को भगा कर ले जा रहा था जिसकी भनक परिजनों को लगी इसके बाद परिजनों ने इसकी सूचना तीनपहाड़ थाना को दिया। सुचना मिलते ही तीनपहाड़ थाना पुलिस द्वारा नाबालिक लड़की और लड़का को धमधमिया के समीप से पकड़ कर थाना लाया गया। वही इस मामले को लेकर लड़की के परिजन के आवेदन के आलोक में तीनपहाड़ थाना में कांड संख्या 123/ 25 धारा 137(32)/3(5) बी एन एस दर्ज किया गया। जहां बरामद लड़की को मेडिकल जांच के लिये साहेबगंज भेजा गया। वही पकड़ाया लड़का को कागजी प्रक्रिया कर न्यायिक अभिरक्षा में राजमहल भेज दिया गया।

सीएचसी में लगा प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना कैंप

बरहेट : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में मंगलवार को प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई। प्रखंड क्षेत्र के आसपास गांव के गर्भवती महिला शामिल हुए। वही डॉ इफ्त अली, डॉ चिनोपा, एएनएम पुल्लोना के सहयोग से महिलाओं का रक्तचाप, वजन, हीमोग्लोबिन, यूरिन, एचआइवी, शुगर, एलबोमिना आदि की जांच की गई, उसके बाद आवश्यक दवाइयां दी गई। कैंप में 155 महिलाओं की स्वास्थ जांच की गई। मौके पर बीटीटी पुनम देव के अलावा अन्य मौजूद थे।

बीडीओ व सीएचसी प्रभारी ने दो टीबी मरीजों को लिया गोद

बरहेट : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट में मंगलवार को निक्षय मित्र दिवस के अवसर पर दो मरीजों को गोद लिया गया। वही सूरज सोरेन 50 सोनाजोरी बीडीओ, सीताराम हेंब्रम 16 बरहेट संथाली चिकित्सा प्रभारी ने गोद लेकर पोषण किट वितरण किया। बीडीओ ने कहा कि प्रखंड को टीवी मुक्त बनाना है, इसके लिए सभी को आगे आने की आवश्यकता है। अगर गांव में इस तरह की मैरिज या लक्षण मिले तो नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में आकर इलाज कराए। मरीज कि पूरी इलाज निशुल्क की जाएगी।

जिला प्रशासन ने कालाजार प्रभावित गांवों में किया मच्छरदानी वितरण का विशेष अभियान शुरू

मच्छरों से बचाव हेतु सुरक्षा चक्र जरूरी : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िला प्रशासन ने कालाजार और मलेरिया नियंत्रण की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। उच्च प्राथमिकता वाले कालाजार प्रभावित गांवों में मच्छरदानियों के वितरण का विशेष अभियान शुरू किया है। इस पहल के तहत मच्छरदानियां केवल उन्हीं घरों में दी जाएंगी जहां इंडोर रेजिडुअल स्प्रे पूरी तरह किया गया हो। वहीं उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि आईआरएस और मच्छरदानी वितरण की यह संयुक्त रणनीति जिले में कालाजार और मलेरिया पर प्रभावी नियंत्रण में अहम भूमिका निभाएगी। स्प्रे की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जिला और प्रखंड स्तर पर सख्त निगरानी की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि कमर छिड़काव से मकानों में सैंडफ्लाई और मच्छरों की संख्या नियंत्रित होता है। जबकि मच्छरदानी रात में लगातार सुरक्षा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि इस अभियान की सफलता के लिए समुदाय की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। यह सरकारी प्रयास नहीं है यह जन अभियान है। पूरा विश्वास है कि यह पहल जिले को कालाजार उन्मूलन लक्ष्य हासिल करने और लोगों के लिए एक स्वस्थ, मलेरिया मुक्त भविष्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जिला भीवीडी पदाधिकारी डॉ अमित कुमार ने बताया कि व्यापक सूचना, शिक्षा और संचार तथा व्यवहार परिवर्तन संचार अभियान की शुरूआत की गई है। पिछले 10 वर्षों के सभी वीएल रोगियों की सूची गोपनीय रूप में सभी फील्ड टीमों को दी गई है।आईआरएस, मच्छरदानी वितरण, सख्त निगरानी, आक्रामक जागरूकता अभियान और पुराने रोगियों के व्यवस्थित फॉलो-अप जैसी बहु-आयामी रणनीति से जिले के उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में कालाजार और मलेरिया की घटनाओं में भारी कमी आने की उम्मीद है।

डीसी हेमंत सती ने किया ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : डीसी हेमंत सती ने समहरणालय स्थित ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस में रखे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा एवं प्रबंधन का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीसी ने वेयरहाउस में सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से मूल्यांकन किया और सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि सुरक्षा और रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीसी ने वेयरहाउस में फायर सेफ्टी उपकरणों की उपलब्धता और सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की जांच की। साथ ही, उन्होंने कमीर्यों को नियमित अंतराल पर प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए ईवीएम की सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए।

प्रकृति से छेड़छाड़ न करें, पेड़ लगाकर जीवन को संवारें

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : गंगा मिशन कोलकाता द्वारा आयोजित गंगा हरित अभियान के तहत मंगलवार को भरतीया कॉलोनी रोड स्थित बाबूलाल नंदलाल बोहरा चैरिटेबल ट्रस्ट परिसर में राजकीय कन्या मध्य विद्यालय बंगाली टोला एवं नगर पालिका कन्या मध्य विद्यालय साहिबगंज की छात्राओं के बीच फलदार पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विजय कुमार भारती, विद्यालय के शिक्षका सहित अन्य ने आम, लीची, आंवला, का पौधा स्कूली छात्रों को देकर कार्यक्रम की शुरूआत की। शिक्षकगण ने अपने संबोधन में बताया कि प्राकृतिक आपदा जो आ रही है वो विकास के नाम पर प्राकृतिक से छेड़छाड़ करने पर हो रहा है। वृक्ष ही प्राकृतिक है, प्राकृतिक ही जीवन है। प्रत्येक वर्ष वृक्ष का जन्मदिन अवश्य मनाए। एक वृक्ष सौ पुत्र के समान है, कोरोना काल में हमलोगों ने ऑक्सीजन के महत्व को समझा। पेड़ पौधा लगाकर पर्यावरण वातावरण को हरा भरा रखे। वृक्ष नहीं होगा तो बारिश नहीं होगा, भोजन नहीं मिलेगा। पानी की आवश्यकता वायु की आवश्यकता, खाने की आवश्यकता पेड़ पौधा से ही होता है। प्रतिदिन वृक्ष का सेवा करके उसको बड़ा करे, पहला फल का सेवन करे मन आनंदित होगा। पौधा से हरियाली के साथ साथ पक्षियों को रहने के लिए अपना घर मिलता है। वही पौधा वितरण कार्यक्रम में लगभग 300 स्कूली छात्राओं व आम जनो के बीच आम, नारियल, शरीफा, आंवला, कटहल, लीची, अमरूद, तूत, खिन्नी, बेल, मालबेरी सहित अन्य फलदार पौधा का वितरण किया गया है। वही स्कूली छात्राएं शिक्षिका की अगुवाई में हाथों में पौधा लेकर शहर भ्रमण करते हुए लोगों को पेड़ लगाने के प्रति जागरूक किया ओर एक पेड़ मां के नाम, पौधा लगाए जीवन बचाए, प्राकृतिक को हरा भरा रखे जैसे जागरूकता नारा लगाया। मौके पर बच्चन पाठक, विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिका और सैकड़ों छात्राएं व गणमान्य लोग मौजूद थे।

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यगण का हुआ पाकुड़ आगमन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में आज मंगलवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यगण का पाकुड़ आगमन हुआ। इस मौके पर अध्यक्ष जानकी प्रसाद यादव एवं सदस्यगण लक्ष्मण यादव का उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। माननीय अध्यक्ष के द्वारा राजस्व, कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य, योजना, मत्स्य, पंचायती राज, पशुपालन, वन, आपदा, खनन, श्रम सहित अन्य विकास योजनाओं से संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा किया गया। उन्होंने इस दौरान जिले के कार्यालयों में आउटसोर्सिंग के माध्यम हुई नियुक्तियों में आरक्षण के लाभ / प्रावधान की स्थिति, पिछड़े वर्ग के नागरिकों के जाति, आवासीय एवं नन क्रीमीलेयर प्रमाण-पत्र निर्गत हेतु लंबित आवेदन की समीक्षा, प्राकृतिक आपदा से होने वाली मृत्यु तथा आर्थिक क्षति में पिछड़े वर्गों के व्यक्तियों को प्रदान किये गये मुआवजा की समीक्षा, हाथियों द्वारा होने वाली मृत्यु एवं आर्थिक क्षति में पिछड़े वर्गों के व्यक्तियों को प्रदान किये गये मुआवजा की समीक्षा, पिछड़े वर्गों के विद्यार्थियों को प्रदान किये जाने वाला छात्रवृति की समीक्षा, शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत जिले के निजी स्कूलों में नामांकन की समीक्षा, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत पिछड़े वर्गों के लाभुकों की संख्या की समीक्षा, पशुपालन एंव गव्य से संबंधित योजनाओं की समीक्षा, मत्स्य निदेशालय द्वारा संचालित योजनाओं में पिछड़े वर्गों के लाभुकों की समीक्षा, भू-अर्जन से संबंधित मामलों की समीक्षा के अलावा अन्य बिंदुओं पर बारी बारी से समीक्षा किया गया। उन्होंने कहा कि आउटसोर्सिंग के तहत सरकारी एवं निजी क्षेत्र में कितने ऐसे कार्यरत हैं जो पिछड़े वर्ग से हैं। साथ ही 75 प्रतिशत स्थानीय आरक्षण का पालन हो रहा है कि नहीं, इसका प्रतिवेदन देने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा उन्होंने जाति आवासीय प्रमाण पत्र निष्पादन तय समय में करने का निर्देश दिया।

आरपीएफ, पूर्वी रेलवे ने "ऑपरेशन नन्हे फरीस्ते" के तहत 11 बच्चों को बचाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : पूर्वी रेलवे ने रेलवे सुरक्षा बल की अखिल भारतीय पहल "ऑपरेशन नन्हे फरिस्ते" के माध्यम से बाल संरक्षण और कल्याण के लिए अपने प्रतिबद्ध प्रयासों को जारी रखा है, जिसका उद्देश्य रेलवे परिसर में पाए जाने वाले कमजोर बच्चों को बचाना और उनकी सुरक्षा करना है। जहां 8 सितंबर 2025 को, पूर्वी रेलवे के आसनसोल, मालदा और हावड़ा मंडलों के आरपीएफ अधिकारियों ने साहिबगंज जिले के बरहरवा, आसनसोल, दुमका, शक्तिगढ़ और हावड़ा रेलवे स्टेशनों से 11 बच्चों (05 लड़के और 06 लड़कियां) को बचाया। सभी बचाए गए बच्चों को परामर्श और आवश्यक पुनर्वास उपायों के लिए तुरंत संबंधित चाइल्डलाइन अधिकारियों को सौंप दिया गया। बचाए गए बच्चों में से एक लड़का आसनसोल रेलवे स्टेशन पर बिना किसी उद्देश्य के घूमता हुआ पाया गया, दो लड़के और तीन लड़कियां पारिवारिक कलह के कारण अपने घरों से भाग गए थे और दो लड़के और तीन लड़कियों को उनकी मां ने बैंची से शक्तिगढ़ स्टेशन तक यात्रा करने का निर्देश दिया था, लेकिन उनकी मां के न पहुंचने के कारण उन्हें अकेला छोड़ दिया गया। आरपीएफ द्वारा समय पर किए गए हस्तक्षेप से इन बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई और उन्हें संभावित खतरों से बचाया गया। पूर्वी रेलवे "ऑपरेशन नन्हे फरिस्ते" के तहत निरंतर प्रयासों के माध्यम से असुरक्षित बच्चों के जीवन और कल्याण की रक्षा के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

राजस्थान मध्य विद्यालय में अभिभावक-शिक्षक दिवस मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शहर के राजस्थान मध्य विद्यालय के सभा हॉल में अभिभावक शिक्षक दिवस के रूप में बैठक आहूत की गई, जिसमें प्राचार्य रानी झा द्वारा कार्यक्रम को संबोधित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व पार्षद एवं समाजसेवी जयप्रकाश सिहां उपस्थित हुए, सर्वप्रथम जयप्रकाश सिहां ने अपने संबोधन में बताया की अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए चार स्तंभों को मजबूत होना बहुत जरूरी है, प्रथम गुरु, द्वितीय अभिभावक, तृतीय प्रशासनिक सहयोग, और चौथा सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले प्रतिनिधि, इन चारों के समावेश से बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान की जा सकती है,आज सरकार द्वारा सभी सरकारी स्कूलों में बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए भोजन से लेकर किताब, जूता-मौजा, ड्रेस, स्कॉलरशिप तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रही, ताकि बच्चों की जीवन में शिक्षा का विकास हो सके, बच्चे अपने स्कूल में अव्वल नंबर पा कर स्कूल का नाम,जिला एवं राज्य का नाम रोशन कर सके, आज मेधावी छात्रों पर सरकार एवं बैंक पढ़ाई के लिए लोन दे रही है, जिससे छात्र आगे की पढ़ाई हासिल कर सके, अभिभावकों को यह संदेश दिया गया, कि आप अपने बच्चों को नियमित साफ सुथरे रखकर समय पर स्कूल भेजने का काम करें, स्कूल से लौटने के बाद स्कूल में हुए, पढ़ाई के बारे में जानकारी हासिल करें, साथ ही उसके स्कूल की उपस्थिति समय-समय पर स्कूल जाकर देखने का काम करें, जिससे बच्चों पर निगरानी बनी रहेगी, और बच्चे का पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ेगा। राजस्थान मध्य विद्यालय की प्राचार्य रानी झा अपने टीम के साथ मीना देवी, विभीषण पासवान, चांदनी देवी, सुबोध झा, इत्यादि सभी शिक्षकों का जो अवकाश प्राप्त कर चुके हैं, उसका बराबर सहयोग लेकर स्कूल की शिक्षा में सदैव सहयोग प्रदान करने का काम करती है, स्कूल का अनुशासन कायम रखने में पूरा टीम अपना सहयोग निरंतर देता आ रहा है,जिससे लगातार स्कूल के छात्र का पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ रहा है, और खेल के क्षेत्र में कई ऐसे छात्र हैं, जिन्होंने मेडल हासिल किया है, और राज्य और नेशनल लेवल पर भी प्रतिभागी बनने की तैयारी में है, स्कूल में समाजसेवी मोती तंबाकू वाला का भी सहयोग रहा है, जिन्होंने बच्चों को अपने द्वारा दी गई सहयोग राशि से पारितोषिक वितरण किया। बैठक को सुबोध शिक्षक विभीषण पासवान, मोती तंबाकू वाला 81 लोगों की संबोधित किया अंत में बारी-बारी से अभिभावकों को अपनी बातें रखने का की आग्रह किया गया।

संक्षिप्त खबरें

पुल के पिलर से गुमानी नदी का मुहाना संकरा, बरसात में बढ़ जाती है परेशानी

साहिबगंज: जिला के बरहरवा प्रखंड क्षेत्र में हर साल बरसात में गुमानी नदी के उफान से गुमानी क्षेत्र में बाढ़ आ जाती है। इस समस्या के समाधान के लिए दरियापुर पंचायत के मुखिया मोहम्मद इश्तियाक ने सीओ और बीडीओ बरहरवा को ज्ञापन सौंपा है। मुखिया इश्तियाक के अनुसार, बरहरवा और बोनीडांगा रेलखंड पर रेलवे द्वारा निर्मित जर्जर पोल नंबर 397 के पिलर के चारों तरफ बोल्डर क्रेटिंग करने से गुमानी नदी का मुहाना संकरा हो गया है, जिससे बाढ़ के समय पानी की निकासी बाधित होती है। उन्होंने गुमानी बराज परियोजना के संचालन में अनियमितता की भी शिकायत की, जिसमें पानी छोड़ने या बंद करने की सूचना स्थानीय लोगों को नहीं दी जाती है। उन्होंने मांग की है कि एक संचालन कमेटी बनाकर परियोजना का संचालन किया जाए और रेलवे अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर नदी के मुहाने को पूर्ववत किया जाए, ताकि बाढ़ के समय पानी आसानी से निकल सके और क्षेत्र में बाढ़ की समस्या न हो।

पति-पत्नी को सांप काटने पर झाड़-फूंक कराने से तबियत बिगड़ी

साहिबगंज: बोरियो थाना क्षेत्र के मुड़लीगांव में सोमवार की रात्रि किसी जहरीले सांप के काटने से पति-पत्नी की स्थिति गंभीर हो गई। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की रात खाना-पीना खाकर पति जॉन हांसदा 21 वर्ष और पत्नी डेमय हेंब्रम 19 वर्ष बिछावन पर सो रहे थे। इसी दौरान सांप घर में घुस आया और पहले पति को डसा उसके बाद पत्नी को भी डस लिया। उधर घटना के बाद परिजन घबराकर उन्हें इलाज करने के बजाय कदमा गांव के एक ओझा के पास ले गए। वहां देर रात से सुबह तक झाड़-फूंक की गई। करीब 11 घंटे झाड़-फूंक करने के बावजूद जब स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ और तबियत बिगड़ने लगी तो परिजन उन्हें बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। अस्पताल में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ पंकज कर्मकार एवं डॉ सरिता टुडू ने तत्काल उपचार शुरू किया। डॉ कर्मकार ने बताया कि पति-पत्नी की हालत में अब सुधार है। डॉ ने बेहतर इलाज के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल रेफर कर दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि सांप के काटने पर झाड़-फूंक के वजह तुरंत अस्पताल पहुंचे, ताकि मरीज की जान बचाई जा सके।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सात टीबी मरीज को लिये गये गोद, मिले पोषण किट

साहिबगंज: जिला के बरहरवा प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार को निक्षय मित्र दिवस मनाया गया, जिसमें मुख्य रूप से एमओआइसी डॉ. पंकज कर्मकार उपस्थित थे। इस दौरान बरहरवा प्रखंड के सीआइ उमेश मंडल ने मानवता का परिचय देते हुए पांच टीबी मरीजों को गोद लिया और प्रत्येक मरीज को पोषण किट प्रदान किया। साथ ही, पतना प्रखंड की महिला पर्यवेक्षिका मीना हांसदा एवं साहिबगंज सदर से पृथ्वीराज द्वारा भी एक-एक टीबी मरीज को गोद लेकर पोषण किट प्रदान किया गया। एमओआइसी डॉ. पंकज कर्मकार ने मरीजों को नियमित रूप से दवा लेने, संतुलित एवं पौष्टिक आहार अपनाने, साफ-सफाई रखने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि निक्षय मित्र दिवस का उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाना और मरीजों को सामाजिक सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने यह भी कहा कि जब समाज और स्वास्थ्य विभाग मिलकर कार्य करेंगे, तभी 2025 तक टीबी मुक्त भारत का सपना साकार हो सकेगा। इस मौके पर डॉ. ऋषभ देव, बीपीएम संजय सिंह, जिला पीपीएम कोऑर्डिनेटर दिनेश कुमार, एसटीएस, टीबीएचवी, बीटीटी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी भी मौजूद थे।

जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने जनहित की बात को लेकर उपायुक्त से मिलकर आवाज उठाई

जमशेदपुर : पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में मंगलवार को जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं आम जनता के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल उपयुक्त कर्ण सत्यार्थी से मिलकर जिले के विभिन्न क्षेत्रों के समस्याओं को लेकर मांग पत्र सौंपा। जिला अध्यक्ष के द्वारा सौंपे गए जनहित के विषय को लेकर उपायुक्त महोदय ने त्वरित संज्ञान लेकर समस्या समाधान करने का आश्वासन दिया। मानगो नगर निगम के अन्तर्गत पारडीह के परमेश्वर कॉलोनी से गुलाबबाग, ग्वाला बस्ती से होते हुए अजवा बिल्डिंग मेन रोड तक फ्ठउ नाला 5' चौड़ाई, 6' गहरा एवं 1000 मीटर लम्बाई में बनाने का मांग उठाया गया। नाला नही होने के कारण वर्षात में बेतहासा पानी बस्ती के सड़क पर बहने लगता है। जिससे आम जनता का आवागमन अवरुद्ध हो जाता है। जिस पर आवश्यक संज्ञान लेने की आवश्यकता है। मानवता का रक्षार्थ की जाए। जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र के सफीगंज मुहल्ला में पाईप लाईन से एक बुंद पानी भी सप्लाई नही हो रहा है। अविलंब नई पाईप लाईन बिछाने का कार्य कराया जाय। जिससे आम जनता के घरों में पानी पहुंच सके। साकची में टैगोर एकेडमी स्कूल के बाउंड्री से सटाकर एक होडिंग अनाधिकृत रूप से लगा दी गई है जिस के कारण टैगोर सोसाइटी में असमाजिक तत्व प्रवेश कर रहें है। इस विषय पर संज्ञान लिया जाए और अविलम्ब उस हॉर्डिंग स्ट्रक्चर को हटाया जाय। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने प्रेस प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रण लिया है कि आम जनता के छोटे से छोटे समस्याओं पर कांग्रेस पार्टी संज्ञान लेगी और समस्या को संबंधित अधिकारी तक कांग्रेस पार्टी के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से पत्र और मांग पत्र सौंपने का कार्य किया जाएगा और सभी तकनीकी पहलुओं पर चर्चा कर समस्या समाधान करने का कार्य करेगी। इसी परिपेक्ष में आज जिला कांग्रेस कमेटी उपायुक्त महोदय के कार्यालय पर पहुंचकर उनको मांग पत्र सौंपा है और जिला उपयुक्त महोदय ने सकारात्मक पहल उठाने का आश्वासन दिया है।

एमआरवीसी ने वंदे मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत 21,000 करोड़ का टेंडर जारी किया

नई दिल्ली ।

मुंबई रेलवे विकास निगम (एमआरवीसी) ने मुंबई की उपनगरीय रेल सेवा को आधुनिक बनाने के लिए वंदे मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत 2,856 एसी कोचों की आपूर्ति और रखरखाव के लिए 21,000 करोड़ रुपए का टेंडर जारी किया है। यह परियोजना मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (एमयूटीपी) के फेज-3 और फेज-3ए का हिस्सा है, जिसके तहत कुल 238 एसी लोकल ट्रेनें खरीदी जाएंगी। इस ठेके में सिर्फ कोच की सप्लाई ही नहीं, बल्कि 35 साल तक रखरखाव और दो नए डिपो का निर्माण भी शामिल है। टेंडर की शर्तों के अनुसार, यह पूरा ऑर्डर एक ही कंपनी को दिया जा सकता है, जिसे 7.5 साल में डिलीवरी पूरी करनी होगी। यदि दो कंपनियों को ठेका मिलता है, तो डिलीवरी 6.5 साल में करनी होगी, बशर्ते दूसरी कंपनी (एल2) पहली (एल1) की दर पर काम करने को तैयार हो। टेंडर की एक खास बात यह है कि सभी कोच भारत में ही बनने होंगे, जिससे विदेशी कंपनियों की प्रतिस्पर्धा सीमित हो जाती है। ऐसे में अल्सटॉम, बीईएमएल और टिटागढ़ रेल जैसी भारतीय निर्माण कंपनियों को इसका सीधा लाभ मिल सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह टेंडर आने वाले वर्षों में कोच निर्माण कंपनियों के लिए ऑर्डर बुक को मजबूत करेगा। टिटागढ़ रेल ने हाल के वर्षों में तकनीक और उत्पादन क्षमता दोनों बढ़ाई हैं, जिससे इसे विशेष लाभ मिल सकता है। निवेशकों के लिए यह सेक्टर फिर से आकर्षक बन रहा है।

कई नए इलेक्ट्रिक मॉडल लॉन्च करेगी महिंद्रा

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी इलेक्ट्रिक वाहन रणनीति को और मजबूत करने का ऐलान किया है। महिंद्रा का कहना है कि एक्सईवी आर्किटेक्चर के तहत आने वाले महीनों में कई नए इलेक्ट्रिक मॉडल लॉन्च किए जाएंगे। महिंद्रा का फोकस खासकर एसयूवी सेगमेंट पर है, जिसमें कंपनी पहले से ही मजबूत स्थिति रखती है। महिंद्रा ने हाल ही में अपनी कुछ इलेक्ट्रिक एसयूवी के कॉन्सेप्ट पेश किए थे, जिन्हें ग्राहकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। कंपनी का मानना है कि भविष्य की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री इलेक्ट्रिक वाहनों पर आधारित होगी और भारत जैसे बड़े बाजार में शुरुआती बढ़त हासिल करना बेहद जरूरी है। कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, आने वाले इलेक्ट्रिक मॉडल्स में बेहतर बैटरी क्षमता, लंबी रेंज और अत्याधुनिक फीचर्स शामिल होंगे। महिंद्रा का दावा है कि उसकी नई ईवी श्रृंखला ग्राहकों को न सिर्फ किफायती विकल्प देगी बल्कि प्रीमियम सेगमेंट में भी चुनौती पेश करेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है और इसमें एसयूवी की मांग सबसे ज्यादा है। ऐसे में महिंद्रा की रणनीति सही दिशा में मानी जा रही है। साथ ही, कंपनी चार्जिंग नेटवर्क और आफ्टर-सेल्स सर्विस को भी मजबूत करने पर ध्यान दे रही है। महिंद्रा पहले से ही सरकार की फेम-2 योजना और विभिन्न राज्य स्तरीय नीतियों का लाभ उठाकर ईवी कारोबार में निवेश कर रही है।

सोने और चांदी के बढ़ते दाम......लेकिन कारीगर और कारोबारी परेशान

मुंबई ।

भारत में सोने और चांदी के बढ़ते दाम ने सर्राफा बाज़ार में संकट पैदा किया है। जहाँ एक ओर इन धातुओं की कीमत आसमान छू रही है, वहीं दूसरी ओर इसका सीधा असर व्यापारियों और कारीगरों की आजीविका पर पड़ रहा है। बाजार में ग्राहक न के बराबर हैं, जिससे दुकानदारों का कारोबार ठप पड़ गया है। कई व्यापारियों के लिए दुकान का किराया निकालना भी मुश्किल हो रहा है। शादी के मौकों पर भी सोने-चांदी की खरीददारी में भारी गिरावट आई है, क्योंकि लोग महंगाई के कारण कम सामान खरीद रहे हैं या फिर नकली गहनों की ओर रुख कर रहे हैं। व्यापारियों को डर है कि अगर कीमतें इसतरह बढ़ती रहीं, तब स्थिति और भी खराब हो सकती है।

कीमतों में उछाल का सबसे बुरा असर कारीगरों पर पड़ रहा है। काम की कमी के कारण वे बेरोजगार हो रहे हैं और उनके लिए अपने परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है। सोने-चांदी के कारोबार पर निर्भर इन कारीगरों के लिए यह स्थिति आर्थिक अनिश्चितता लेकर आई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सोने-चांदी की कीमतों में यह वृद्धि अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में भू-राजनीतिक अनिश्चितता और केंद्रीय बैंकों द्वारा खरीदारी जैसे वैश्विक कारकों का परिणाम है। जब तक कीमतों में गिरावट नहीं आती, तब तक बाज़ार में सुधार की उम्मीद कम है। व्यापारी और कारीगर दोनों ही बेसब्री से कीमतों के सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं ताकि उनकी आजीविका फिर से पटरी पर आ सके।

जीएसटी दरों में कटौती लागू करने पर मंथन

इंटर-मिनिस्ट्रियल मीटिंग में आईटीसी और इनवर्टेड ड्यूटी पर चर्चा

नई दिल्ली । वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नई दरें 22 सितंबर से लागू की जाएंगी। इससे पहले कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन की अध्यक्षता में हुई अंतर-मंत्रालयी बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने नई व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं और उनके समाधान पर व्यापक चर्चा की। बैठक में प्रस्ताव रखा गया कि अप्रयुक्त आईटीसी का उपयोग राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) के भुगतान के लिए किया जा सके, जिससे कंपनियों की कार्यशील पूंजी को राहत मिले। वर्तमान में, कानून के अनुसार केंद्रीय और राज्य जीएसटी को आपस में समायोजित करना संभव नहीं है, जिससे अप्रयुक्त आईटीसी रिफंड और उपयोग में बाधा आती है। विशेषज्ञों ने इस मुद्दे पर जल्द समाधान की आवश्यकता जताई है ताकि कर कटौती का लाभ सीधे ग्राहकों तक पहुंचे। जीएसटी दर कटौती के बाद कुछ इनपुट पर 18 फीसदी और उत्पादों पर 5 फीसदी कर लगेगा, जिससे व्युत्क्रम शुल्क का व्यापक प्रभाव होगा। इस व्यवस्था के कारण आईटीसी का बड़ा हिस्सा बिना उपयोग के रह सकता है, जिससे छोटे और बड़े व्यवसायों की पूंजी प्रभावित होगी। कई मंत्रालयों ने इसे प्रमुख समस्या के रूप में उठाया है। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि सीमा शुल्क की भरपाई जीएसटी क्रेडिट से नहीं की जा सकती क्योंकि यह एक अलग कानून के अंतर्गत आता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 314 , निफ्टी 95 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में खरीदारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 314.02 अंक बढ़कर 81,101.32 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 95.45 अंक ऊपर आकर 24,868.60 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी आईटी इंडेक्स 2.76 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इसके अलावा निफ्टी फार्मा (0.86 फीसदी), निफ्टी एफएमसीजी (0.58 फीसदी), निफ्टी प्राइवेट बैंक (0.13 फीसदी) और निफ्टी हेल्थकेयर (0.77 फीसदी) की बढ़त के साथ बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर निफ्टी पीएसयू बैंक (0.14 फीसदी), निफ्टी रियल्टी (0.30 फीसदी), निफ्टी एनर्जी (0.12 फीसदी) और निफ्टी पीएसई (0.19 फीसदी) गिरावट पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टीसीएस, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व, एचयूएल, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही जबकि एसबीआई, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, टाइटन, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक, एमएंडएम के शेयर सबसे अधिक गिरे।

लार्जकैप के साथ ही आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 103.20 अंक करीब 0.18 फीसदी की तेजी के साथ 57,464.35 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 59.95 अंक या 0.34 फीसदी की तेजी के साथ 17,744.30 पर था।

इससे पहले आज सुबह बाजार मजबूती के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 333 अंकों की बढ़त के साथ 81,121 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी50 81 अंकों की तेजी के साथ 24,855 पर ट्रेड करता नजर आया। वैश्विक बाजारों में भी मिश्रित रुख रहा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.9 फीसदी की बढ़त के साथ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। अमेरिका में टेक शेयरों की अगुवाई में नैस्डैक ने नया रिकॉर्ड बनाया। निवेशकों को उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व आगामी बैठक में ब्याज दरों में कमी कर सकता है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास प्रॉपर्टी महंगी होगी, नए नियम लागू

- एयरपोर्ट के 20 किमी के दायरे में निर्माण के लिए जरूरी होगी एएआई की मंजूरी

मुंबई ।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) के आसपास जमीन और फ्लैट की कीमतों में तेजी आने वाली है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने नया नियम लागू किया है जिसके तहत एयरपोर्ट के 20 किलोमीटर के दायरे में किसी भी नई इमारत का निर्माण करने से पहले एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफइंडिया (एएआई) से मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। अगर बिल्डिंग का नक्शा एएआई के दिशानिर्देशों के अनुरूप नहीं होगा, तो मंजूरी नहीं दी जाएगी। यह नियम हवाई जहाजों की सुरक्षा और हवाई पट्टी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। यमुना एक्सप्रेसवे प्रो धिकरण के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि एएआई ने एक खास कलर-कोडेड जोनिंग मैप तैयार किया है, जिसमें एयरपोर्ट के आसपास कितनी ऊंचाई तक इमारतें बन सकती हैं, यह तय होगा। इस पूरे इलाके का सर्वे एक्सपर्ट कंसल्टेंट की मदद से किया जाएगा ताकि नियमों का कड़ाई से पालन हो सके।

इस नियम के बाद एयरपोर्ट के आसपास नई इमारतों का निर्माण कम होगा, जिससे प्रॉपर्टी की सप्लाई घटेगी। जबकि मांग पहले से ज्यादा है, खासकर नौकरियों, बिजनेस और कनेक्टिविटी के कारण। सप्लाई कम और मांग ज्यादा होने से जमीन और फ्लैट की कीमतें बढ़ेंगी। जो पहले से जमीन या फ्लैट के मालिक हैं, उन्हें फायदा होगा।

व्यापारिक तनाव घरेलू मिश्र लौह धातु क्षेत्र के लिए खतराः आईएफएपीए

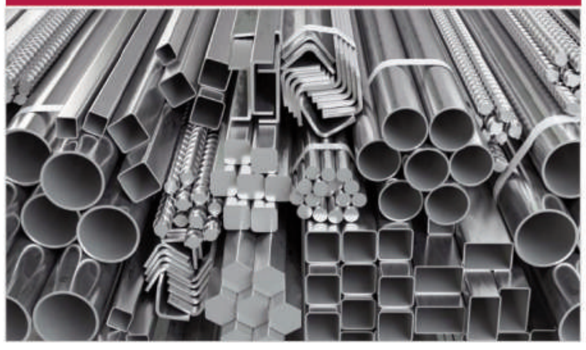

नई दिल्ली।

भारतीय मिश्र लौह धातु उत्पादक संघ (आईएफएपीए) ने वैश्विक स्तर पर बढ़ते व्यापार तनाव को घरेलू मिश्र लौह धातु उद्योग के लिए बड़ा खतरा बताया है। संघ के चेयरमैन ने कहा कि इस चुनौती का सामना करने के लिए सरकार को तुरंत हस्तक्षेप करना आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि इस्पात उद्योग में सिलिको मैंगनीज और फेरो क्रोम जैसे मिश्र लौह धातुओं का उपयोग डीऑक्सीडाइजर और अलॉय एजेंट के रूप में होता है, जो इस्पात की मजबूती, कठोरता और घिसाव प्रतिरोध जैसे गुणों को बेहतर बनाते हैं।

अधिकारी ने बताया कि भारतीय मिश्र लौह धातु उद्योग ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी उत्पादन और निर्यात क्षमता में जबरदस्त वृद्धि की है। भारत वर्तमान में मैंगनीज मिश्र लौह धातु का विश्व का सबसे बड़ा निर्यातक है, जबकि फेरो क्रोम का तीसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता भी है। हालांकि, वैश्विक इस्पात उत्पादन में कमी, बढ़ती व्यापार बाधाएं, सुरक्षा उपाय और आगामी कार्बन सीमा कर जैसी नीतियां निर्यात के लिए बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं। बिगमिंट के आंकड़ों के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2019-20 में 43 लाख टन मिश्र लौह धातु उत्पादन क्षमता से बढ़कर 31 मार्च 2025 तक यह क्षमता लगभग दोगुनी होकर 80 लाख टन हो गई है। यह वृद्धि उद्योग की ताकत को दर्शाती है, लेकिन वैश्विक परिस्थितियां इस विकास को प्रभावित कर रही हैं।

आईएफएपीए ने सरकार से उम्मीद जताई है कि वह वैश्विक व्यापार तनाव और कार्बन सीमा कर जैसी नीतियों के प्रभाव को कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाएगी, ताकि भारतीय मिश्र लौह धातु उद्योग अपनी बढ़ती क्षमता के साथ निर्यात में और मजबूती ला सके।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपय मंगरवार को 18 पैसे की बढ़त के साथ ही 88.38 पर बंद हुआ। वहीं वैश्विक बाजार में मंगलवार को सुबह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 14 पैसे की मजबूती के साथ 87.95 पर पहुंच गया। यह घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के कारण संभव हुआ। हालांकि, भारत पर अमेरिकी शुल्क लगाने की चिंताएं और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता रुपये की बढ़त को सीमित कर रही हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.98 पर खुला और फिर 87.95 तक पहुंचा। शुक्रवार को यह अब तक के सबसे निचले स्तर 88.38 तक गिर चुका था। डॉलर सूचकांक में भी 0.05 फीसदी की गिरावट देखी गई, जो छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की कमजोरी दर्शाता है।

वेदांता ने ईवी क्षेत्र के लिए धातु उत्पादन बढ़ाने 12,500 करोड़ का निवेश किया

नई दिल्ली ।

वेदांता लिमिटेड ने देश के इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र की तेजी से बढ़ती मांग को देखते हुए धातु विनिर्माण में 12,500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। कंपनी ने खासतौर पर एल्युमीनियम, जस्ता, मिश्रधातु, तांबा, इस्पात, निकेल और फेरोक्रोम जैसे महत्वपूर्ण धातुओं के उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। इस निवेश के तहत एल्युमीनियम स्मेल्टर की क्षमता बढ़ाने, जस्ता मिश्रधातु संयंत्र स्थापित करने, जस्ता उत्पादन के लिए रोस्टर लगाने और फेरोक्रोम उत्पादन क्षमता बढ़ाने जैसे कई अहम कदम उठाए गए हैं। वेदांता के एल्युमीनियम उत्पाद इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए विशेष महत्व रखते हैं। कंपनी फाउंड्री मिश्रधातु, बैटरी केसिंग, हीटिंग-वेंटिलेशन-एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी) सिस्टम और ईवी फ्रेम जैसे उत्पाद बनाती है। एल्युमीनियम का उपयोग बैटरी के वजन को कम करके वाहन की ड्राइविंग रेंज बढ़ाने में मदद करता है, जिससे वाहन की कुल लागत भी घटती है। इसके अलावा वेदांता का एल्युमीनियम दुर्घटना-रोधी मिश्रधातुओं और ऊर्जा भंडारण समाधानों में भी सफलता के लिए परीक्षणाधीन है। इस निवेश से देश के इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र को जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति मजबूत होगी, जिससे ईवी निर्माण और विकास को तेजी मिलेगी।

भारत इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए तेजी से उभरता हुआ बाजारः बीवायडी

नई दिल्ली ।

भारत इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए तेजी से उभरता हुआ बाजार है और आने वाले समय में यहां अपार संभावनाएं मौजूद हैं। यह कहना है चीन की दिग्गज इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी बीवायडी का। बीवायडी पहले ही भारत में कुछ प्रीमियम इलेक्ट्रिक मॉडल लॉन्च कर चुकी है और अब उसकी योजना बड़े पैमाने पर उत्पादन और बिक्री बढ़ाने की है। कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि भारत में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर लगातार सुधर रहा है और सरकार की नीतियाँ भी ईवी सेक्टर को प्रोत्साहित कर रही हैं। ऐसे में यहाँ निवेश और विस्तार के लिए यह सही समय है। विशेषज्ञों का मानना है कि बीवायडी की रणनीति भारतीय ग्राहकों को ज्यादा रेंज और उन्नत फीचर्स वाले वाहन उपलब्ध कराने पर केंद्रित है। कंपनी का फोकस कॉर्पोरेट और फ्लीट ग्राहकों के साथ-साथ व्यक्तिगत उपभोक्ताओं को भी आकर्षित करने पर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीवायडी अगले कुछ वर्षों में भारत में अपने निर्माण संयंत्रों और डीलर नेटवर्क का विस्तार कर सकती है। कंपनी यह भी मानती है कि भारतीय बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज है क्योंकि टाटा मोटर्स, महिंद्रा और हुंडई जैसी घरेलू और विदेशी कंपनियाँ पहले से मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं।

फिर भी, बीवायडी को उम्मीद है कि अपनी उन्नत बैटरी तकनीक और वैश्विक अनुभव की मदद से वह भारतीय उपभोक्ताओं के बीच भरोसा कायम कर लेगी। ऑटो विशेषज्ञों का कहना है कि यदि कंपनी सही मूल्य निर्धारण और सर्विस नेटवर्क पर ध्यान देती है, तो वह भारतीय ईवी बाजार में एक अहम खिलाड़ी बन सकती है। बीवायडी ने भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में मामूली बदलाव

मुंबई । सरकारी तेल कंपनियों ने मंगलवार सुबह पेट्रोल और डीजल के नए रेट घोषित किए। ग्लोबल कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट का घरेलू बाजार पर असर देखने को मिला। गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 6 पैसे महंगा होकर 94.77 रुपए प्रति लीटर और डीजल 8 पैसे बढ़कर 87.89 रुपए हो गया। गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे और डीजल 14 पैसे महंगा हुआ। वहीं हरियाणा के गुरुग्राम में पेट्रोल और डीजल दोनों की कीमतें 8-8 पैसे गिरकर 95.18 रुपए और 87.65 रुपए प्रति लीटर रह गईं। वहीं दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। ब्रेंट क्रूड की कीमत 66.02 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई 62.45 डॉलर प्रति बैरल दर्ज की गई है।

भारत-जापान डाक नवाचार और डिजिटल सहयोग बढ़ाने पर सहमत

नई दिल्ली। भारत और जापान ने डाक क्षेत्र में नवाचार और डिजिटल सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सहयोग पर सहमति व्यक्त की है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 28वें यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस के दौरान जापान के आंतरिक मामलों और संचार राज्य मंत्री मसाशी अदाची के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य डाक सेवा में नई तकनीकों और डिजिटल नवाचारों को अपनाकर सेवाओं को बेहतर बनाना था। दोनों पक्षों ने भारतीय डाक और जापान डाक के बीच सहयोग की विस्तृत रूपरेखा तैयार की। इस सहयोग से डाक सेवाओं का आधुनिकीकरण और डिजिटल रूपांतरण होगा, जिससे ग्राहकों को तेजी और सुविधा मिलेगी। यह पहल दोनों देशों के डाक सेवाओं को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मददगार साबित होगी।

सुमितोमो मित्सुई कोटक बैंक में हिस्सेदारी बेचकर यस बैंक में करेगा निवेश

नई दिल्ली । जापान की प्रमुख वित्तीय संस्था सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन (एसएमबीसी) जल्द ही कोटक महिंद्रा बैंक में अपनी पूरी 1.65 फीसदी हिस्सेदारी ब्लॉक डील के जरिए बेचने जा रही है। इस डील से एसएमबीसी को लगभग 6,000 करोड़ रुपए जुटाने की उम्मीद है। खबर है कि एसएमबीसी करीब 3.28 करोड़ शेयर प्राइवेट निवेशकों को बेचेगा। इसके लिए कई ब्रोकरेज फर्मों ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफआईआई) और म्यूचुअल फंड्स से संपर्क किया है। एसएमबीसी इस राशि का उपयोग यस बैंक में हिस्सेदारी खरीदने के लिए करेगी। अगस्त में एसएमबीसी को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से यस बैंक में 24.99 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी मिल चुकी है। हालांकि आरबीआई ने यह स्पष्ट किया है कि एसएमबीसी को इस लेनदेन के बाद भी यस बैंक का प्रवर्तक (नहीं माना जाएगा, जब तक अन्य नियामकीय मंजूरियां प्राप्त नहीं होतीं।

गौतम सोलर मप्र में 4,000 करोड़ से लगाएगी सोलर सेल निर्माण संयंत्र

नई दिल्ली । गौतम सोलर प्राइवेट लिमिटेड (जीएसपीएल) ने ग्वालियर में 54 एकड़ भूमि पर 4,000 करोड़ रुपये के निवेश से आधुनिक सोलर सेल निर्माण संयंत्र लगाने की घोषणा की है। यह संयंत्र टॉपकॉन तकनीक पर आधारित होगा, जो सोलर सेल की दक्षता और उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद करता है। संयंत्र की कुल उत्पादन क्षमता 5 गीगावॉट (5000 मेगावाट) होगी, जिससे देश की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। यह परियोजना न केवल स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देगी, बल्कि स्थानीय रोजगार के अवसर भी सृजित करेगी, जिससे आर्थिक विकास को मजबूती मिलेगी।

प्रदर्शन पटना में सड़कों पर TRE-4 कैंडिडेट्स का प्रदर्शन

CM हाउस घेरने निकले, डाकबंगला पर पुलिस तैनात; सीट बढ़ाने की कर रहे मांग

पटना। बिहार में चौथे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा (TRE-4) को लेकर छात्र आज यानी मंगलवार को आंदोलन कर रहे हैं। अभ्यर्थियों की मांग है कि सरकार 15 सितंबर से पहले 1.20 लाख पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी करे। कैंडिडेट्स सीटों की कटौती का विरोध कर रहे हैं। प्रदर्शन में करीब 6 हजार अभ्यर्थी शामिल हैं। कैंडिडेट्स का कहना है कि, सरकार ने पहले ऐलान किया था कि चौथे चरण में 1 लाख से अधिक की बहाली होगी, लेकिन, शिक्षा मंत्री ने शिक्षक दिवस पर बयान दिया था कि 26 हजार से अधिक ही भर्ती निकाली जाएगी। शिक्षा मंत्री के इसी बयान का कैंडिडेट्स ने विरोध शुरू कर दिया।प्रदर्शन सुबह 11 बजे से पटना कॉलेज से शुरू हुआ। अभ्यर्थियों ने खेतान मार्केट, बाकरगंज, गांधी मैदान, जेपी गोलंबर, डाक बंगला चौराहा होते हुए मुख्यमंत्री आवास जाने का ऐलान किया है।छात्र नेता दिलीप ने कहा कि, जब तक डोमिसाइल लागू नहीं था, तब सरकार बड़ी बहाली का दावा कर रही थी। कभी 50 हजार, कभी 80 हजार और फिर 1.20 लाख पदों का वादा किया गया, लेकिन जैसे ही डोमिसाइल लागू हुआ, सीटें घटाकर 27,910 कर दी गई।बिहार के युवाओं के साथ छल करने का आरोप दिलीप ने कहा कि इससे साफ है कि पहले बाहर के युवाओं को नौकरी देने के लिए आंकड़े बढ़ाए जाते थे, लेकिन अब बिहार के युवाओं के साथ छल किया जा रहा है। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री खुद कई बार 1.20 लाख पदों पर बहाली का ऐलान कर चुके हैं। ऐसे में 27 हजार पदों पर परीक्षा कराना युवाओं के साथ धोखा है।16 से 19 दिसंबर के बीच होगी TRE-4 की परीक्षाइस पूरे विवाद पर शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि सरकार चौथे चरण में 26 हजार से अधिक पदों पर भर्ती कराने जा रही है। उन्होंने परीक्षा और रिजल्ट की तिथियां भी घोषित की हैं। परीक्षा 16 से 19 दिसंबर 2025 के बीच होगी। परिणाम 20 से 26 जनवरी 2026 तक जारी कर दिए जाएंगे। शिक्षा मंत्री ने दावा किया कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से कराई जाएगी। छात्र नेता दिलीप ने कहा है कि, हमारी मांग है कि 1 लाख 20 हजार लोगों की बहाली को लेकर नोटिफिकेशन जारी हो। एक कैंडिडेट के लिए एक रिजल्ट का नियम जारी हो। ताकि कोई फजीवाड़ा नहीं हो।

बेतिया-कटिहार समेत 5 जिलों में तेज बारिश

पटना। मानसून के एक बार फिर एक्टिव है। कटिहार, बेतिया, बेगूसराय समेत 5 जिलों में मंगलवार सुबह तेज बारिश हुई। रक्सौल में बारिश के बाद सड़कों पर पानी भर गया। पटना में कुछ इलाकों में बूंदाबांदी हुई। नालंदा, सुपौल समेत कई जिलों में बादल छाए हैं। मौसम विभाग ने आज भोजपुर, रोहतास, मुजफ्फरपुर सहित 25 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है।वहीं, बाकी के अन्य 13 जिलों में मौसम शुष्क बना रहेगा। हालांकि, शाम से मौसम में बदलाव होने की संभावना है।मौसम विाग के मुताबिक, 10 सितंबर से 17 सितंबर तक प्रदेश में भारी बारिश होने की संभावना है। हालांकि, पटना में सामान्य से कम बारिश होगी। इस दौरान तापमान में 2 से 3 डिग्री की कमी होगी।इधर, खगड़िया में मंगलवार सुबह आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। वहीं, महिला के पति की हालत गंभीर है।खगड़िया के बेलदौर प्रखंड के बेला नवादा गांव में मंगलवार सुबह धान काटने गए दंपती पर आकाशीय बिजली गिर गई। घटना सुबह करीब 5 बजे की है। घटना में महिला ज्योति देवी (32) की मौके पर मौत हो गई। जबकि पति राजेश शर्मा (40) बुरी तरह झुलस गए। राजेश शर्मा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेलदौर पहुंचाया। उनका इलाज जारी है।पटना में आज कैसा रहेगा मौसम पटना में आज बादल छाए रहेंगे। हल्की बारिश भी हो सकती है। 11 से 17 सितंबर के बीच राजधानी में भी हल्की से मध्यम बारिश के साथ तेज हवा चल सकती है। इस दौरान तापमान में गिरावट आएगी और दिन में उमस से थोड़ी राहत मिलेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, 13 से 15 सितंबर के बीच पटना में तेज बारिश के आसार हैं। बारिश के बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री तक तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। बिहार में साइक्लोनिक सकुर्लेशन का दिखेगा असर मौसम विभाग के मुताबिक, बिहार में मानसून के एक्टिव होने की एक वजह बंगाल की खाड़ी में बन रहा साइक्लोनिक सकुर्लेशन है। यह सिस्टम लगातार त्तर भारत और बिहार के ऊपर बना हुआ है। इसके कारण बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी का प्रवाह हो रहा है, जिससे बारिश की गतिविधियां और तेज होने की संभावना है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश से जलजमाव, फ्लैश फ्लड और सामान्य जनजीवन में बाधा आ सकती है। ग्रामीण इलाकों में खेतों में पानी भरने और रोड बहने या प्रभावित होने की आशंका भी जताई गई है।

गयाजी में मंच पर गिरे पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे

गयाजी। के शेरघाटी में एनडीए के सम्मेलन में पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे कुर्सी पर बैठने के दौरान गिर पड़े। इसका वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि अश्विनी चौबे जैसे ही मंच पर पहुंचे और अपनी कुर्सी पर बैठने का प्रयास किया, तभी पीछे खड़े एक व्यक्ति ने कुर्सी को खींच लिया। इसके बाद वे धड़ाम से मंच पर गिर पड़े। उन्हें हल्की चोटें भी आई हैं। इस दौरान मंच पर बैठे नेता हंसते नजर आए। सम्मेलन को संबोधित करते हुए अश्विनी चौबे ने लालू यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि रेलवे की जमीन हड़पने वाले, चारा खाने वाले पप्पू के साथ मिलकर मुख्यमंत्री का सपना जो

देख रहे हैं। वह पूरा नहीं होगा। बिहार की जनता ने इन दोनों को पहचान चुकी है। अब इन कोई भी इनके झांसे में नहीं आने वाला है। करोड़ों की जमीन का फजीवाड़ा करने वाले को चोर नहीं कहेंगे, तो और क्या कहेंगे। पहले जनता की जमीन वापस करो, फिर मुख्यमंत्री बनो। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष उल्टा मोदी और नीतीश सरकार पर वोट चोरी का आरोप लगाकर गुमराह कर रहा है। बिहार की जनता सब जानती है।वहीं, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि 2005 से पहले सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की संख्या काफी कम थी। अब 2025 में यह रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी है। पहले सरकारी स्कूलों में 1 करोड़ 45 लाख बच्चे पढ़ते थे, जिनमें 64 लाख बेटियां थीं। आज 1 करोड़ 77 लाख से अधिक बच्चे पढ़ रहे हैं। जिनमें 1 करोड़ बेटियां शामिल हैं। अल्पसंख्यक शिक्षा के लिए मदरसों की संख्या भी बढ़ाई गई है। सरकार की उपलब्धियां गिनाई इस मौके पर बिहार सरकार के मंत्री संतोष सुमन समेत एनडीए के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।
सभी ने एनडीए सरकार की उपलब्धियों को गिनाया और विपक्ष पर तीखा हमला बोला। शेरघाटी का यह सम्मेलन जहां भीड़ जुटाने में सफल रहा, वहीं अश्विनी चौबे का मंच पर गिरना पूरे कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण बन गया।

पूर्णिया में बहन की हत्या, भाई ने 3 गोलियां मारीं

पूर्णिया। में सोमवार देर रात एक लड़की की गोली मारकर हत्या कर दी गई। लड़की को 3 गोली मारी गई। पहली कंधे में लगी। दूसरी सीने को चीरती हुई निकली। तीसरी पैर की उंगलियों में लगी। लड़की की पहचान 27 साल की छोटी कुमारी केसरी के रूप में हुई है। गोली लगने के बाद परिवार लड़की को लेकर GMCH पूर्णिया पहुंचा, यहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार प्रेम प्रसंग में ये हत्या की गई है। लड़की के भाई ने ही गोली मारकर हत्या की है। बहन का अफेयर चल रहा था, जिसका भाई विरोध करता था। वारदात मधुबनी थाना क्षेत्र के मधुबनी बाजार की है। आरोपी भाई विक्रम के दोस्त ने पहचान न बताने की शर्त पर कहा-

ग्रुप के कुछ लोग उसे साला कहकर चिढ़ाते थे। इस वजह से वो काफी परेशान था। कई बार बहन को समझाया, लेकिन वो प्रेमी को छोड़ने को तैयारी नहीं थी। मधुबनी थानाध्यक्ष सूरज कुमार के अनुसार, 'रात करीब 10 बजे के आसपास हमें सूचना मिली की एक लड़की की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। हम टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घर के अंदर फर्श पर लड़की पड़ी थी। खून बिखरा हुआ था। पैर और सीने में गोली लगना समझ आ रहा था। लड़की को तुरंत GMCH पहुंचा। शुरूआती जांच में सामने आया है कि बहन का भाई विक्रम के दोस्त से अफेयर था। भाई उसका विरोध कर रहा था। लड़की रात में बॉयफ्रेंड से बात कर रही थी। इसे लेकर रात में भाई-बहन के बीच झगड़ा हुआ। भाई ने गुस्से में उसे गोली मार दी और फरार हो गया।' मां बोली- किचन में थी, चीखने की आवाज सुनकर दौड़ी
वारदात के वक्त घर में मौजूद मां ने बताया, 'मैं किचन में खाना बना रही थी। बेटी के चीखने की आवाज सुनकर मैं दौड़ते हुए कमरे में आई। देखा तो वो खून से लतपथ थी। बेटे के हाथ में पिस्टल थी। वो बाहर भागने लगा। थोड़ी देर पहले ही मेरी बेटी से बात हुई थी। कह रही थी भूख लग रही है आप खाना जल्दी बना लो। वो अपने कमरे में किसी से फोन पर बात कर रही थी।'लड़की के पिता सुधीर केसरी किराने की दुकान चलाते हैं। उन्होंने बताया कि, 'जिस वक्त घटना हुई मैं समोसे लेने गया था। वो 4 बहनों में सबसे छोटी थी। अभी ग्रेजुएशन कर रही थी। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान उसका एक लड़के के अफेयर शुरू हो गया। ढाई साल से दोनों एक दूसरे से बात करते थे। वो 2 बार घर से भाग चुकी थी। इसे लेकर मेरा बेटा नाराज चल रहा था। उसने कई बार छोटी को समझाया था, लेकिन वो नहीं मानी। मेरी पत्नी ने भी समझाने की कोशिश की थी।'डॉक्टर ने बताया कि, पोस्टमॉर्टम के दौरान हमने बॉडी से 3 बुलेट्स निकाली हैं।

संक्षिप्त डायरी

नायाबाजार में गांजा तस्करी का भंडाफोड़

000 जिले के शेरघाटी के नायाबाजार इलाके में पुलिस ने मंगलवार को गांजा तस्करी का भंडाफोड़ किया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में नशे का अवैध कारोबार चल रहा है।एएसपी शैलेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक गुमटी में छापेमारी की। तलाशी के दौरान वहां से 80 ग्राम गांजा बरामद हुआ। मौके से दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया। पकड़े गए व्यक्तियों में से एक अपाहिज है। पुलिस को लंबे समय से इस क्षेत्र में नशे के कारोबार की शिकायतें मिल रही थीं। एएसपी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है। इस नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशे के कारोबार को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई का स्वागत किया है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसी गतिविधियों की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

जमुई में शराब की होम डिलेवरी करते छात्र पकड़ाया

जमुई । शहर में पढ़ाई करने आए 2 दोस्तों का चेहरा उस समय बेनकाब हो गया जब वे पार्ट टाइम में शराब की होम डिलीवरी का धंधा करते पकड़े गए। दोनों दोस्त किराए के कमरे में रहते थे और पढ़ाई के साथ अंग्रेजी शराब की होम डिलीवरी कर पैसे कमाते थे। मामला सोमवार रात का है जब ALTF (एंटी लिकर टास्क फोर्स) पुलिस की टीम ने इंदपे के बाइक चेकिंग के दौरान दोनों युवकों को पकड़ने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि दोनों शराब की डिलीवरी करने जा रहे थे। इसी दौरान एक युवक पुलिस के हत्थे चढ़ गया, जबकि उसका साथी बाइक से उतर कर फरार होने में सफल रहा। बाइक से उतर कर एक युवक भागागिरफ्तार युवक की पहचान अभय कुमार, पिता रामबालक सिंह, चुआं, खैरा के रूप में हुई है। वहीं फरार युवक की पहचान सुमन कुमार जमुई के रूप में की गई है।8 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद पुलिस जांच के दौरान युवक के पास से एक प्लास्टिक के बोरे में रखी 8 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की। पूछताछ में खुलासा हुआ कि दोनों छात्र पढ़ाई के साथ पार्ट टाइम में शराब की सप्लाई करते थे।रूम का किराया देने के लिए यह काम किया पकड़े गए युवक अभय कुमार ने पुलिस को बताया कि, 'शराब मांगोबंदर इलाके से लेकर आ रहे हैं। जमुई में देना था।' अभय ने बताया कि, 'शहर के कृष्णपट्टी इलाके में किराए के मकान में रहते हैं और पढ़ाई करते है। रूम का किराया देना था इसीलिए यह काम किया और पहली बार किया।' पुलिस को यह भी शक है कि इन लोगों के द्वारा शहर में चैन स्कैनिंग सहित कई गलत काम किए जाते है। इस कार्रवाई का नेतृत्व ALTF के SI अनिरुद्ध कुमार शास्त्री ने अपनी टीम के साथ किया। पुलिस अब फरार युवक की तलाश में जुटी हुई है। वहीं गिरफ्तार छात्र से पूछताछ कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

आंखों में मिर्च डालकर तलवार से किया वार

जमुई। के खैरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बानपुर गांव में सोमवार रात आपसी विवाद में पड़ोसियों ने तलवार और लोहे की रॉड से हमला कर एक व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल की पहचान फिरोज खान के रूप में हुई है, जिन्हें परिजन आनन-फानन में सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर के द्वारा इलाज किया गया। घायल फिरोज खान ने बताया कि यह हमला पुराने पारिवारिक विवाद का परिणाम है। उसने बताया कि उसके साले की शादी बिज्जी खान की बेटी से करीब 10 साल पहले हुई थी। पति-पत्नी के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद का मामला कोर्ट तक पहुंच चुका है। इसी रंजिश को लेकर उस पर आरोप लगाया जाता है कि वे पति-पत्नी के झगड़े को बढ़ावा देते हैं।
आंखों में मिर्ची पाउडर फेंक, तलवार से वार किया फिरोज खान ने बताया सोमवार रात जब वे बाइक से घर लौट रहा था, तभी रास्ते में उसे घेर लिया गया, पहले उसकी आंखों में मिर्ची पाउडर फेंका गया, जिससे वे कुछ देख नहीं पाए। इसके बाद शेफ मोहम्मद उर्फ जुगनू खान ने तलवार से वार कर दिया। इस घटना को अंजाम देने में शेफ मोहम्मद के साथ संजीदा खातून और कारा खान भी शामिल है। फिरोज खान ने बताया कि हमलावरों ने रॉड, ईंट-पत्थर और यहां तक कि पेट्रोल तक लेकर हमला करने की कोशिश की। अंधेरे का फायदा उठाकर वे उसे बेरहमी से पीटते रहे।घायल का इलाज जारी फिरोज खान के परिजनों के द्वारा इस घटना की सूचना खैरा थाना को दी गई।

पटना के तख्त श्री हरमंदिर साहिब को उड़ाने की धमकी

पटना। तख्त श्री हरमंदिर साहिब को RDX से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई है। मेल पर लिखा है, 'गुरु लंगर कक्ष में 4 RDX रखे हैं। विस्फोट से पहले VVIP और कर्मचारियों को तुरंत बाहर निकाले।' इस धमकी के बाद गुरुद्वारा परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने पटना के SSP कार्तिकेय शर्मा को को जानकारी दी। पुलिस ने तुरंत गुरुद्वारा परिसर की सघन तलाशी शुरू की। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की मदद से लंगर हॉल सहित पूरे परिसर की बारीकी से जांच की गई। हालांकि कई घंटों की तलाशी के बाद कोई भी विस्फोटक पदार्थ

नहीं मिला।चौक थाना प्रभारी मनजीत ठाकुर ने बताया कि जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। पुलिस अब धमकी भरे ईमेल का सोर्स पता लगाने में जुटी है।थाना प्रभारी ने बताया, 'सूचना मिलने के बाद पूरे गुरुद्वारा परिसर की पुलिस और बम निरोधक दस्ते की ओर से गहराई से जांच की गई। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि मेल किसने और कहां से भेजा था। प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष जगजीत सिंह का कहना है, 'यह किसी शरारती तत्व की ओर से भेजा गया फर्जी ईमेल लग रहा है। हमने प्रशासन को सूचना दे दी है।'फिलहाल पूरे गुरुद्वारा परिसर में हाई अलर्ट जारी है। मेल कहां से आया था ये पुलिस पता कर रही है, लेकिन ये फेक लग रहा है। लोग रोज आते हैं और हम चाहते हैं कि और बड़ी संख्या में लोग आए। धमकी मिलने की घटना की मैं निंदा करता हूं।'

गयाजी में लालू ने 7 कुलों का किया पिंडदान

गयाजी। RJD सुप्रीम लालू यादव ने मंगलवार को गयाजी के विष्णुपद मंदिर में अपने पितरों का पिंडदान किया। उनके साथ पत्नी राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और उनकी पत्नी राजश्री और बेटी कात्यायनी भी मौजूद रहीं। करीब 1.30 घंटे की पूजा के बाद लालू परिवार के साथ बोधगया के लिए रवाना हो गए। लालू यादव के पहुंचने से पहले तीर्थ पुरोहित शंभू नाथ ने पिंडदान को लेकर पहले से पूरी तैयारी कर ली थी। लालू परिवार मंगलवार की सुबह साढ़े 7 बजे हेलिकॉप्टर से गयाजी पहुंचा। पिंडदान के बाद तेजस्वी यादव ने कहा कि, पिताजी का स्वाथ्य ठीक नहीं है। फिर भी उनकी इच्छा था कि भगवान विष्णु के दर्शन करें। गयाजी मोक्ष और ज्ञान की धरती है। इससे बेहतर बात क्या हो सकती है। जब से होश संभाला है, तब से पहली बार पूरा परिवार एक साथ यहां आया है।लालू यादव के तीर्थ पुरोहित शंभू

नाथ ने भास्कर को बताया कि 'मैंने पिंडदान, तर्पण करावा। पहले भी जब रेल मंत्री थे, तब यहां आए थे। उस समय भी मैंने ही पिंडदान करवाया था। पिछली बार संक्षिप्त रूप से पिंडदान हुआ था। इस बार विस्तार से हुआ है। लालू यादव ने 7 कुलों का पिंडदान किया। इसमें पिता और माता का खानदान भी शामिल है। उनसे कोई बात नहीं हुई। अस्वस्थ थे, किसी तरह बैठकर पिंडदान किया।' JDU बोली- राजनीतिक पाप का पिंडदान करने गए JDU MLC नीरज कुमार ने लालू के पिंडदान पर तंज कसा है। उन्होंने पर लिखा-' गया जी श्रद्धा का प्रतीक है, लेकिन लालू जी का नाम खौफ का पर्याय। लालू परिवार सरकारी तंत्र की सुविधाओं के साथ पिंडदान कर रहा है। उम्मीद है वंशवाद, भ्रष्टाचार और खौफ राज का भी पिंडदान कर देंगे, ताकि बिहार के लोग सुकून से कह सकें कि अब राजनीतिक पाप गया जी में विसर्जित हो चुका है।'गयाजी में लालू के पितरों के पिंडदान पर मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने कहा, '2025 मे जनता इनका पिंडदान कर देगी। उनकी कोई योजना नहीं है। उनके पास अगर विजन होता तो 2005 से पहले उनके माता-पिता थे, क्यों नहीं काम किया। उन्होंने कहा, ढट मोदी और उट नीतीश का विजन है। बिहार को आगे बढ़ाने का.. और बिहार में जो काम छूट गया था सारा काम हो रहा है। मंत्री ने आगे कहा, '2010 में जो स्थिति थी, महागठबंधन का उससे भी बुरा हाल होगा 2025 का चुनाव में। मध्य प्रदेश के रायसेन से पहुंचे मोहन सिंह राजपूत ने बताया, 'परिवार के साथ यहां पिंडदान करने आया हूं। बहुत भीड़ है। काफी देर से लाइन में खड़ा हूं।'बेंगलुरु से गयाजी पहुंचे मंजुल भट्ट ने बताया, 'पिताजी यहां अपने पूर्वजों के पिंडदान करने आया करते थे। अब उनका निधन हो गया है, तो मैं अब अपने पूर्वजों के नाम से पिंडदान करने आया हूं। गयाजी आकर बहुत ही सुखद अनुभूति हो रही है लालू यादव के तीर्थ पुरोहित शंभू नाथ ने भास्कर को बताया कि 'मैंने पिंडदान, तर्पण करावा। पहले भी जब रेल मंत्री थे, तब यहां आए थे। उस समय भी मैंने ही पिंडदान करवाया था। पिछली बार संक्षिप्त रूप से पिंडदान हुआ था। इस बार विस्तार से हुआ है। लालू यादव ने 7 कुलों का पिंडदान किया। इसमें पिता और माता का खानदान भी शामिल है। उनसे कोई बात नहीं हुई। अस्वस्थ थे, किसी तरह बैठकर पिंडदान किया।' आरजेडी सुप्रीम लालू यादव अपने पितरों के पिंडदान के लिए गयाजी पहुंचे हैं। उनके साथ पत्नी राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और राजश्री भी साथ में हैं।सुरक्षा के लिए 6000 पुलिसकर्मी मेला क्षेत्र में सुरक्षा के लिए 6000 पुलिसकर्मी, अश्व पुलिस, बीएसएफ, एनडीआरएफ-एसडीआरएफ की तैनाती रहेगी। पूरे मेला क्षेत्र को 43 जोन और 339 सेक्टर में बांटा गया है। ड्रोन और वॉच टावर से निगरानी होगी। 102 स्वास्थ्य शिविर और 80 हेल्थ सेंटर बनाए गए हैं। हर प्रमुख वेदी पर 2 डॉक्टर, नर्स और वार्ड बॉय मौजूद रहेंगे।

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

इस तरह बना सकते हैं ग्रह, नक्षत्रों में करियर

इन दिनों युवाओं में ज्योतिष की पढ़ाई को लेकर भी खूब क्रेज है। बाजार में ज्योतिषियों की बढ़ती मांग को देखते हुए युवाओं को इसमें भविष्य संवारने का सुनहरा मौका दिया है। ज्योतिष कोर्स को लेकर युवाओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बन गया है। पिछले कुछ सालों में इस फील्ड में काफी स्कोप बढ़ा है। यही नहीं ज्योतिष के साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं।

कुंडली मिलान से लेकर, मांगलिक कार्य, शादी ब्याह, पंचाग, राशिफल, अंकविज्ञान, कर्मकांड आदि भी इसी दायरे में आते हैं। ज्योतिष, पूजा-पाठ के कई तरह के कोर्स उपलब्ध है। 12 वीं करने के बाद भी आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। स्नातक ऑनर्स या शास्त्री की डिग्री तीन साल की होती है। दो साल का पीजी कोर्स या आचार्य की डिग्री हासिल की जा सकती है। आप पीएचडी भी कर सकते हैं। ज्योतिष अलंकार कोर्स के लिए 12वीं पास होना जरूरी है।

इसके बाद आप ज्योतिषाचार्य का कोर्स कर सकते हैं। ज्योतिष और अध्यात्म के साथ-साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत के साथ ही ज्योतिष विज्ञान, कर्मकांड, धर्मशास्त्र, व्याकरण, वेद, पुरोहित आदि की पढ़ाई होती है। वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वैदिक दर्शन, जैन-बुध्द दर्शन, धर्मशास्त्र मीमांसा, धर्मागम आदि का अध्ययन संस्कृत विषय के तहत ही किया जाता है। हालांकि कई संस्थानों में ज्योतिष प्रज्ञ में सर्टिफिकेट कोर्स तो ज्योतिष भूषण में डिप्लोमा कोर्स भी आयोजित कर रहे हैं।

संभावनाएं

ज्योतिष में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को रत्न, पत्थर, ग्रह-नक्षत्र के साथ भारतीय लोगों के दृष्टिकोण को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं आती क्योंकि अधिकतर भारतीय पारंपरिक हैं और ज्योतिष पर विश्वास करते हैं। कोई भी व्यक्ति अखबार, न्यूज चैनलों के अलावा पत्रिकाओं में भविष्यवक्ता भी बन सकता है।

स्किल्स

इस फील्ड में आप तभी सफल हो सकते हैं जब आप में लगातार कुछ न कुछ सीखने के गुण हों। आपका व्यक्तित्व आकषर्क हो, आप लोगों के साथ दोस्ताना रवैया रख सकें। केवल पैसा कमाना ही आपका मकसद न होकर दूसरों की सहायता करना भी होना चाहिए। ईमानदारी इस पेशे में काफी अहमियत रखती है। साथ ही, जिम्मेदारी की भावना भी आप में कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए। लोगों को अपनी बातों से कंविंस करना इस फील्ड की मुख्य चुनौती है। आप अपनी बात हर समय तर्कयुक्त ढंग से रखें जिससे सामने वाला आपकी बातों पर हामी भरे। ज्योतिष सीखना और भविष्यवाणी करना आसान काम नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है।

कोर्सेस

बीएससी इन एस्ट्रोलॉजी, एमएससी इन एस्ट्रोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन एस्ट्रोलॉजी, डिप्लोमा कोर्स इन भारतीय ज्योतिष, बीएम/एमए/पीएचडी इन एस्ट्रोलॉजी, एमए इन संस्कृत रिसर्च इन एस्ट्रोलॉजी, कोर्स इन वेदांग ज्योतिष, टू ईयर ग्रेडेट कोर्स इन वैदिक एस्ट्रोलॉजी, एम इन एस्ट्रोलॉजी (पत्राचार), बीए (संस्कृत), ज्योतिष एमए (आचार्य), ज्योतिष बीए (संस्कृत), ज्योतिष फलित, ज्योतिष बीए (ज्योतिष), एमए (फलित ज्योतिष), एमए (सिध्दांत ज्योतिष), बीए शास्त्री (सिध्दांत ज्योतिष), बीए (फलित ज्योतिष), ज्योतिष डिप्लोमा कोर्स, ज्योतिष डिप्लोमा पुरोहित सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स इन पुरोहित, पीजी डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र रिफ्रेशर कोर्स इन ज्योतिष (ज्योतिष प्रज्ञ और ज्योतिष भूषण), ज्योतिष प्रवीण बेसिक एस्ट्रोलॉजी कोर्स (एक साल)।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की रणनीति

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रैंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2023 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

इन तरीकों से दूर कर सकते हैं अपनी कमजोरियां

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने के बजाय हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने के बजाय यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है, जिसे आगे बढ़ाकर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकते हैं। कभी भी यह न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है।

अगर आपको लगता है कि वाकई कोई अच्छाई आपमें नहीं है, तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जरा ठहरें। कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्म-मंथन करें। अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें। आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन-सी अच्छाई है। अगर फिर भी समझ में नहीं आता, तो घर के किसी समझदार सदस्य, अध्यापक या फिर काउंसलर की मदद से खुद की ताकत को जानें-समझें। इससे आपको अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

घबराएं न हार से

अगर आप कभी किसी परीक्षा या टेस्ट में फेल हो जाते हैं, किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते या फिर किसी वजह से शर्मिंदा होना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। हताश बिल्कुल न हों। खुद को संयत रखें। फिर यह सोचें कि आखिर आप असफल क्यों हुए? आपसे कहां चूक हो गई? आपने गलती कहां की? अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढकर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगे, कामयाबी आपसे दूर ही रहेगी। अगर आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहते हैं, तो अपनी कमियों-कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें यथाशीघ्र दूर करें। याद रखें, दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। कामयाबी के शिखर पर पहुंच चुके तमाम लोगों को अपने प्रयासों में कई बार हार मिली।

चाहे बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन हों या फिर नए संसार की खोज में निकले कोलंबस और वास्को-डि-गामा जैसे लोग। बार-बार की असफलता के बावजूद ऐसे उत्साही लोगों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब उन्हें कामयाबी मिली और दुनिया भर ने उनका लोहा माना। अगर आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाते हैं, तो इसे जिंदगी का आखिरी इम्तेहान समझने के बजाय इस बात पर विचार करें कि आखिर किन कमियों के कारण आपको सफलता नहीं मिल सकी। इन कमियों को दूर कर फिर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

आत्ममुग्धता से बचें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्ममुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मानकर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी। मगर जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्ममुग्धता के शिकार न हुए होते।

एशिया कप: भारतीय टीम आज यूएई के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले ही मैच में संयुक्त अरब अमीरात (युएई) के खिलाफ बड़ी जीत से शुरुआत करना चाहेगी। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतर रही भारतीय टीम इस मैच में एक से अधिक ऑलराउंडरों के साथ उतर सकती है। यहां की पिच से स्पिनरों को सहायता की उम्मीद को देखते हुए दो से तीन स्पिनर उतार सकती है। मुख्य कोच गौतम गंभीर के आने के बाद से ही बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो को ही मजबूत करने के लिए ऑलराउंडरों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे टीम के पास निचले क्रम में भी अच्छे बल्लेबाज उतर रहे हैं। भारतीय टीम यूएई के खिलाफ सही संयोजन उतार कर रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच के लिए अच्छी लय हासिल करना चाहेगी। भारतीय टीम के सामने यूएई काफी कमजोर है ऐसे में टीम प्रबंधन इस मैच में नये प्रयोग भी कर सकता है। वहीं दूसरी ओर यूएई के खिलाड़ियों को इस मैच से अच्छा अनुभव हासिल होगा। उसवके खिलाड़ियों के लिए ये बड़ा अवसर होगा। उसके बल्लेबाजों के लिए जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज का सामना करना और मजबूत भारतीय बल्लेबाजी क्रम को गेंदबाजी करना बड़ी उपलब्धि होगी। इस मैच में भारतीय टीम के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका जितेश शर्मा को मिलना तय नजर आ रहा है। ऐसे में संजू सैमसन को बाहर बैठना होगा। जितेश को अच्छे फिनिशर होने से भी प्राथमिकता मिलेगी।

पारी की शुरुआत शुभमन गिल और आभिषेक शर्मा करेंगे

शीर्ष क्रम में उपकप्तान के तौर पर शुभमन की वापसी के बाद से ही सैमसन को जगह मिलना कठिन नजर आ रहा था। वहीं नंबर तीन पर तिलक वर्मा ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और वह इसी नंबर पर उतरेंगे। कप्तान सूर्यकुमार यादव तीसरे या चौथे स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतर सकते हैं। इसके बाद ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या उतरेंगे। वह एक बेहतरीन तेज गेंदबाज होने के साथ ही अच्छे बल्लेबाज भी हैं। इसके अलावा ऑलराउंडर शिवम दुबे को भी धीमी पिच होने से अवसर मिल सकता है।

नंबर 7 पर विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश उतरेंगे जबकि आठवें नंबर पर स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल उतरेंगे। वह अच्छे स्पिनर होने के साथ ही बेहतरीन बल्लेबाज भी हैं। बुमराह के अलावा बाएं हाथ के टी20 गेंदबाज अर्शदीप सिंह को भी इस मैच में अवसर मिलने जा रहा है। इस मैच में भारतीय टीम स्पिनर के तौर पर अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती में से दो को उतार सकता है। अगर टीम प्रबंधन अक्षर के साथ अन्य स्पिनर को अंतिम एकादश में रखता है तो उसके पास कुलदीप और वरुण के रूप में दो अच्छे विकल्प हैं। यूएई के लिए यह टूर्नामेंट अपना कौशल दिखाने का एक बेहतरीन अवसर है। वहीं दूसरी ओर मुहम्मद वसीम की कप्तानी वाली यूएई की टीम इस मैच में अपनी ओर से बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। यूएई की टीम में भारतीय मूल कई खिलाड़ी भी है जो इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर अपनों को साबित करना चाहेंगे। उसके पास अर्यांश शर्मा जैसा खिलाड़ी है जिससे भारतीय टीम को विशेष रुप से सावधान रहना होगा। अर्यांश एक अच्छा बल्लेबाज और गेंदबाज है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = अभिषेक शर्मा, शुबमन गिल (वीसी), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, अक्षर पटेल, हार्दिक पंड्या, संजू सैमसन/जितेश शर्मा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह

यूएई = मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, अर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, एथन डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतीउल्लाह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद जोहैब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह, सगीर खान।

एशिया कप मैच से पहले ही भारत-पाक के बीच तनाव, प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों कप्तानों ने नहीं मिलाया हाथ

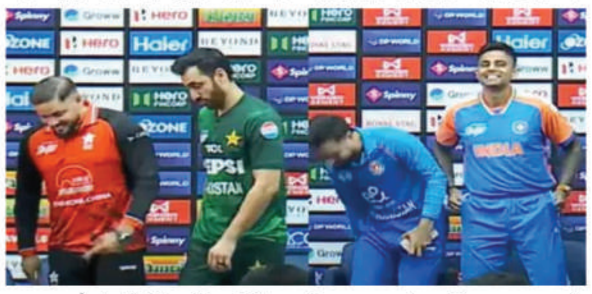

दुबई (एजेंसी)। एशिया क्रिकेट काउंसिल (ACC) ने एशिया कप से पहले मंगलवार को पारंपरिक कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जहां सभी 8 प्रतिभागी टीमों के कप्तान 2025 एशिया कप की शुरुआत से पहले मिले। ज्यादातर सवाल पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा और भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से पूछे गए। हालांकि जिस पल की चर्चा पूरे सोशल मीडिया पर हुई, वह वह था जब दोनों भारतीय और पाकिस्तान के कप्तानों ने एक-दूसरे को नजरअंदाज करते हुए हाथ नहीं मिलाया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म होते ही सलमान अपनी सीट से उठे और हांगकांग तथा ओमान के कप्तानों के साथ मंच से उतर गए। दूसरी ओर सूर्यकुमार अफगानिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश के कप्तानों के साथ थोड़ी बातचीत के लिए वहीं रुके। सभी ने हाथ मिलाया, गले मिले और फिर मंच से उतर गए।

दिलचस्प बात यह है कि इस साल यह पहली बार नहीं था जब भारतीय खिलाड़ियों का हाथ मिलाना, या हाथ न मिलाना, चर्चा का विषय बना। इससे पहले इसी साल गर्मियों में 5 मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे के दौरान इसी तरह के एक वाकये ने सोशल मीडिया पर विशेषज्ञों और प्रशंसकों के बीच काफी बहस छेड़ दी थी।

ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट के दौरान ऐसा ही हुआ, जब इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने ड्रॉ स्वीकार करते हुए भारत के रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर से हाथ मिलाने की पेशकश की। लेकिन दोनों भारतीय बल्लेबाजों ने इनकार कर दिया और अपने-अपने शतक बनाने के लिए बल्लेबाजी जारी रखी जिसके बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस हुई। एशिया कप में दोनों कप्तानों के बीच हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस की घटना ने उनके मुकाबले से पहले बढ़ते तनाव की कहानी को और हवा दे दी जिससे 14 सितंबर के लिए माहौल तैयार कर दिया। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप का बहु-चर्चित मुकाबला 14 सितम्बर को खेला जाएगा।

एशिया कप में सही संयोजन तलाशने के साथ ही उपकप्तान शुभमन पर भी रहेंगी नजरें

मुम्बई (एजेंसी)। यूएई में आज से शुरु हुए एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरेगी। इस टूर्नामेंट में टीम प्रबंधन की नजरें सही संयोजन तलाशने के साथ ही शुभमन गिल पर भी रहेंगी। इसका कारण है कि शुभमन को इस टूर्नामेंट में उपकप्तानी दी गयी है। इससे साफ संकेत है कि भविष्य में उन्हें इस प्रारुप में भी कप्तानी दी जाएगी। वैसे भी वर्तमान कप्तान सूर्यकुमार 34 साल के हो रहे और ऐसे में प्रबंधन भविष्य के लिए नये कप्तान भी तलाशेगा। सूर्यकुमार का हालांकि कप्तान के तौर पर रिकार्ड शानदार रहा है। उनका जीत का रिकॉर्ड 80 फीसदी है। उनका आक्रामक रुख टीम को आगे बढ़ने प्रेरित करता है। वहीं शुभमन को अचानक उपकप्तान बनाने से साफ है कि उन्हें ही भविष्य में टीम की कमान मिलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उन्हें सभी प्रारुपों के लिए कप्तान बनाना चाहती है। अभी भारतीय टीम सभी प्रारुपों में काफी मजबूत है। वह एक साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीन-तीन टीम टीमें उतारने में सक्षम है। ऐसे में कप्तानी के लिए अलग-अलग खिलाड़ियों को भी आजमाना जरूरी है। सूर्यकुमार की बढ़ती उम्र को देखते हुए ये जरुरी भी है। अगर शुभमन इस दौरे में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो उनके भविष्य में टी20 कप्तानी बनने की पूरी संभावना है।

एशिया कप : सभी मैच अबू धाबी में खेलना आदर्श नहीं, मैच से पहले राशिद खान ने शेड्यूल पर उठाए सवाल

दुबई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने मंगलवार को साफ तौर पर कहा कि हर मैच के दिन दुबई में रहना और लगभग दो घंटे की यात्रा करके अबू धाबी आना उनकी टीम के लिए 'आदर्श' कार्यक्रम नहीं है। इससे भी बड़ी विडंबना यह थी कि राशिद उसी दिन सुबह यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए जब उनकी टीम उसी शाम अबू धाबी में हांगकांग से भिड़ने वाली है।

राशिद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह आदर्श है - यही बात हम पहले भी (दूसरे कप्तानों के साथ) चर्चा कर रहे थे। अबू धाबी में खेलना और तीनों मैच दुबई में ही बिताना... यह अलग बात है। लेकिन पेशेवर क्रिकेटर होने के नाते, हमें इन बातों को स्वीकार करना होगा।' टी20आई में 170 विकेट लेने वाले राशिद ने यह भी कहा कि एक पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर उन्हें शेड्यूल को भूलकर खेल पर ध्यान केंद्रित करना होता है। अफगानिस्तान के स्पिन ने कहा, 'एक बार जब आप मैदान में उतरते हैं, तो आप बाकी सब कुछ भूल जाते हैं। दूसरे देशों में, हम अक्सर दो-तीन घंटे की उड़ान भरते हैं और सीधे मैच देखने पहुंच जाते हैं। मुझे याद है कि एक बार मैं बांग्लादेश से अमेरिका गया था और सीधे मैच खेला था।'

श्रीलंकाई कप्तान चरित असलांका ने भी शेड्यूल के बारे में बात की, जिससे जिम्बाब्वे के खिलाफ एक कठिन सीरीज के बाद उनकी टीम को आराम करने और स्वस्थ होने का बहुत कम समय मिला है। उन्होंने कहा, 'अभी मुझे बहुत नींद आ रही है। मुझे लगता है कि मुझे कल इसका जवाब देना चाहिए।' असलांका ने कहा, 'नहीं, मेरा मतलब है कि 6 और 7 सितंबर को जिम्बाब्वे में लगातार दो मैच खेलना वाकई मुश्किल है। और फिर सीधे यहां (दुबई) आना। मुझे लगता है कि हमें कुछ दिन की छुट्टी की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि कोच हमें छुट्टी देंगे।' उन्होंने कहा, 'अपनी फिटनेस का ध्यान रखना जरूरी है। हम सभी जानते हैं कि वहां बहुत गर्मी है। मेरे लिए पहले मैच में तरोताजा रहना और अपना पूरा जोर लगाना बहुत जरूरी है।'

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों की तिकड़ी में अभी काफी क्रिकेट बची है : हेजलवुड

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है कि आगामी एशेज श्रृंखला में उनकी, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की खतरनाक तेज गेंदबाजी तिकड़ी आखरी बार एक साथ खेलते हुए दिखेगी। उन्होंने कहा कि तीनों तेज गेंदबाजों में अभी काफी क्रिकेट बची हुई है और वह कम से कम दो साल और खेल सकते हैं। इन तीनों तेज गेंदबाजों की उम्र 35 वर्ष के आसपास है। कमिंस कमर में खिंचाव की चोट से जूझ रहे हैं तथा स्टार्क ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है जिसके कारण माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी इतिहास के एक युग का अंत निकट है। हेजलवुड स्वयं चोटों से जूझ रहे हैं लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि तीनों गेंदबाजों में से कोई भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहा है। एसईएन रेडियो ने हेजलवुड के हवाले से कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम अभी कुछ कहने की स्थिति में हैं। हर कोई टेस्ट क्रिकेट को पसंद करता है और अगले दो वर्ष में काफी टेस्ट मैच खेले जाने हैं।' उन्होंने कहा, 'अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का एक और चक्र होना बाकी है। इसलिए केवल एशेज ही नहीं टेस्ट क्रिकेट में अगले दो साल में काफी रोमांचक मैच होने वाले हैं और मुझे लगता है कि हर कोई इनका हिस्सा बनना चाहता है। हमारे पास टेस्ट क्रिकेट को देने के लिए अभी काफी कुछ बचा है।'

रोहित को अस्पताल में देखकर प्रशंसक हुए चिंतित

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा सोमवार देर रात यहां के कोकिलाबन अस्पताल पहुंचे जिसके बाद से ही प्रशंसक चिंतित को गये हालांकि रोहित के अस्पताल पहुंचने का कारण अभी पता नहीं चला है। इसका एक वीडिया भी सामने आया है। इसमें रोहित टी शर्ट पहने और कैप लगाये अस्पताल के अंदर प्रवेश करते हुए दिखे। वीडियो के सामने आने के बाद प्रशंसकों ने उनके अस्पताल आने के कारणों का पता लगाने का काफी प्रयास किस पर कुछ पता नहीं चला। प्रशंसकों ने हालांकि उनके प्रति समर्थन और शुभकामनाएं जतायीं। गौरतलब है कि रोहित के प्रशंसक उनकी काफी समय से खेल में वापसी की राह देख रहे हैं। रोहित ने पहले ही टेस्ट और टी20 को अलविदा कह दिया था और अब वह केवल एकदिवसीय ही खेलते हैं। आईपीएल 2025 और चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से ही वह खेल के मैदान से दूर हैं। हाल ही में, रोहित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपने फिटनेस टेस्ट के लिए बेंगलुरु गए थे, जो उन्होंने पास कर लिया था। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल जीता था। उन्होंने इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 67 मैचों में 40.58 की औसत से 4,301 रन बनाए हैं, जिसमें 12 शतक शामिल है। रोहित अब अगले माह ऑस्ट्रेलिया दौरे में ही खेलते दिखेंगे।

सात्विक-चिराग की जोड़ी के साथ किरण जॉर्ज हांगकांग ओपन में आगे बढ़े

हांगकांग (एजेंसी)। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष जोड़ी ने मंगलवार को यहां हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन में अपने अभियान का आगाज जीत के साथ किया जबकि किरण जॉर्ज ने क्वालीफाइंग मुकाबला जीतकर पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई।

पेरिस विश्व चैंपियनशिप में हाल ही में अपना दूसरा कांस्य पदक जीतने वाली सात्विक और चिराग की जोड़ी पहले दौर के अपने मुकाबले में चीनी ताइपे के चियू शियांग चिए और वांग ची-लिन को 21-13, 18-21, 21-10 से हराया। विश्व रैंकिंग की पूर्व नंबर एक जोड़ी मुकाबले के शुरूआती गेम में अच्छी लय में दिखी लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को दूसरे गेम में वापसी करने का मौका दे दिया। तीसरे गेम में सात्विक और चिराग ने हालांकि अपने चिर-परिचित अंदाज में नेट का शानदार इस्तेमाल करते हुए कुछ दमदार स्मैश लगाकर शानदार वापसी की।

आठवीं वरीयता प्राप्त यह जोड़ी अब जापान के केनया मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा तथा थाईलैंड के पीरचाई सुखफुन और पक्कापोन टीरारत्सुकुल के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगी। पुरुष एकल वर्ग में किरण ने क्वालीफायर में लगातार दो जीत हासिल करके मुख्य ड्रॉ में अपनी जगह बनाई। उन्होंने मलेशिया के चियाम जून वेई को 21-14, 21-13 से हराने के बाद हमवतन एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम को 21-18, 21-14 से मात दी।

शंकर ने इससे पहले शुरुआती मुकाबले में इंग्लैंड के वांग यू हैंग को 21-10, 21-5 से हराया था। विश्व रैंकिंग में 38वें स्थान पर काबिज किरण का अगला मुकाबला सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह से होगा। थारुन मन्नेपल्ली ने दिन का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए पूर्व विश्व नंबर 1 किदांबी श्रीकांत को क्वालीफायर के पहले मुकाबले में 28-26, 21-13 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा। 20 साल का यह खिलाड़ी हालांकि अपनी लय बरकरार नहीं रख सका और अगले मैच में मलेशिया के चौथे वरीय जस्टिन होह से 21-23, 13-21, 18-21 से हार गया।

लुइस सुआरेज पर तीन मैचों का अतिरिक्त प्रतिबंध, एक कर्मचारी पर थूकने के कारण एक्शन

न्यूयॉर्क। इंटर मियामी के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज पर मेजर लीग सॉकर (स्र्रू) ने तीन मैचों का अतिरिक्त प्रतिबंध लगा दिया है। लीग ने सोमवार को बताया कि लीग कप के फाइनल में सिएटल साउंडर्स के एक कर्मचारी पर थूकने के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया है। लीग ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस प्रतिबंध के साथ 38 वर्षीय खिलाड़ी की सजा कुल 9 मैचों तक बढ़ गई है। टूर्नामेंट आयोजकों ने सुआरेज पर पहले ही छह मैचों का प्रतिबंध लगा दिया था, जिससे वह अगले साल होने वाले लीग कप में नहीं खेल पाएंगे। यह नया प्रतिबंध एमएलएस मैचों पर लागू होता है, जिसका अर्थ है कि वह 13 सितंबर को चार्लोट एफसी, 16 सितंबर को सिएटल और 20 सितंबर को डीसी यूनाइटेड के खिलाफ होने वाले लीग मैचों में नहीं खेल पाएंगे। यह विवाद पिछले महीने हुए फाइनल में मियामी की सिएटल से 3-0 की हार के बाद हुआ था। सुआरेज ने ओबेद वर्गास का गला पकड़ लिया था, जिसके बाद सर्जियो बुस्केट्स ने मिडफील्डर की ठोड़ी पर वार किया था। उरुग्वे के इस फारवर्ड को टीम के साथियों ने तब रोका जब वह साउंडर्स के सुरक्षा निदेशक जीन रामिरेज पर थूक रहे थे। बुस्केट्स और टॉमस एविलेस को इस झड़प में हिंसक व्यवहार के लिए क्रमश- दो और तीन मैचों का प्रतिबंध लगाया गया, जबकि साउंडर्स के सहायक कोच स्टीवन लेनहार्ट को पांच मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया और शेष सीजन के लिए उनके फील्डिंग अधिकार छीन लिए गए। सुआरेज, जिन्हें पहले काटने और नस्लीय दुर्व्यवहार के लिए निलंबन का सामना करना पड़ा था, ने सोशल मीडिया पर माफी मांगी और अपने कृत्य को हताशा से उपजी एक 'गलती' बताया। उन्होंने लिखा, 'यह वह छवि नहीं है जो मैं अपने परिवार या अपने क्लब के सामने पेश करना चाहता हूं।'

लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन में उलझे- पूर्व स्पिनर ने अय्यर की एशिया कप से अंदेखी का कारण बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व लेग स्पिनर अमित मिश्रा का मानना है कि श्रेयस अय्यर को भारत की एशिया कप टीम से बाहर करने का फैसला मध्य क्रम में दाएं और बाएं बल्लेबाजों का संयोजन बनाए रखने की रणनीतिक चाल के कारण हुआ। 2024 के लिए BCCI की केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर होने के बाद से श्रेयस ने मैदान पर शानदार प्रदर्शन किया है। अपनी शानदार फॉर्म के दम पर उन्होंने पंजाब किंग्स को IPL 2025 के फाइनल में पहुंचाया, जो पिछले एक दशक में फ्रैंचाइजी का पहला फाइनल था। इस शानदार लीग में 50 से ज्यादा की औसत से 604 रन बनाने के बाद श्रेयस ने 15 सदस्यीय टीम में जगह बनाने के लिए खुद को एक मजबूत दावेदार बना लिया। उन्हें भारतीय टीम से और यहां तक कि यात्रा करने वाले रिजर्व खिलाड़ियों से भी नजरअंदाज कर दिया गया, जिससे प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों में आक्रोश फैल गया। जहां पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने प्रबंधन के चयन पर सवाल उठाए हैं, वहीं मिश्रा ने एक ऐसी रणनीतिक रूपरेखा की पहचान की जिसने अय्यर को टीम में शामिल करने के खिलाफ काम किया। मिश्रा के अनुसार, चूंकि 30 वर्षीय अय्यर तीसरे या चौथे नंबर पर खेलते हैं इसलिए बाएं-दाएं संयोजन बनाए रखने की चाहत अय्यर के खिलाफ गई। मिश्रा ने कहा, 'मुझे लगता है कि श्रेयस तीसरे या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं, टीम प्रबंधन ने सोचा होगा कि बाएं और दाएं हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बेहतर होता। एशिया कप एक लंबा टूर्नामेंट है। मुझे लगता है कि श्रेयस बाएं-दाएं हाथ के बल्लेबाजों के संयोजन में फंस गए।' इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी मिश्रा भविष्य में अय्यर की वापसी को लेकर 100 प्रतिशत आश्वस्त हैं। मिश्रा का मानना है कि ऐसी कई सीरीज हैं जहां अय्यर अपनी क्षमता साबित कर सकते हैं और टीम में अपनी जगह वापस पा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'आने वाले समय में कई सीरीज हैं। उनके पास काफी समय है। मुझे 100 प्रतिशत यकीन है कि वह वापसी करेंगे। शायद इसीलिए वह टीम में नहीं हैं। मुझे नहीं लगता कि वह अपनी खराब फॉर्म की वजह से टीम से बाहर हैं।

मोर्कल ने एशिया कप से पहले कुलदीप की जमकर तारीफ की, कहा- वह एक बहुत ही पेशेवर एथलीट

स्पोर्ट्स डेस्क। टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने एशिया कप 2025 के शुरुआती मैच से पहले कुलदीप यादव की प्रशंसा की। कुलदीप ने पिछले साल टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से सबसे छोटे प्रारूप टी20 में मेन इन ब्लू के लिए नहीं खेला। उन्हें आगामी महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए टीम की 15 सदस्यीय टीम में चुना गया है। बाएं हाथ के स्पिनर को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भी टीम में चुना गया था। लेकिन किसी भी मैच में उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया। कुलदीप उम्मीद करेंगे कि एशिया कप में ऐसा न हो खासकर इसलिए क्योंकि टूर्नामेंट यूएई में हो रहा है और वहां की परिस्थितियां तेज गेंदबाजों की तुलना में स्पिनरों के लिए ज्यादा अनुकूल हैं। मोर्कल ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह एक बेहद पेशेवर खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में खेलने के बाद से उनका रवैया ऐसा ही है। जहां उन्हें बहुत कम खेलने का मौका मिला और अब भी वह वही खिलाड़ी हैं जो ओवर डालते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'और मेरे लिए कुलदीप जैसा कि मैंने कहा उसने अपने करियर में बहुत सारे ओवर फेंके हैं। वह जानता है कि टी20 और सीमित ओवरों के क्रिकेट के लिए खुद को तैयार करने के लिए उसे क्या करना है और जैसा कि मैंने कहा हम केवल वही नियंत्रित कर सकते हैं जो हम अभी नियंत्रित कर सकते हैं और वह है जब हम अभी प्रशिक्षण करते हैं और जब हमारे सत्र होते हैं तो यह केंद्रित होता है इसके पीछे एक उद्देश्य होता है और हमारे पास लक्ष्य होते हैं।'

धोनी के कारण मुझे अलग-अगल भूमिकाएं तलाशनी पड़ीं : कार्तिक

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है कि महेन्द्र सिंह धोनी के आने के बाद से ही उनके लिए टीम में जगह बनाना कठिन हो गया। इसी कारण उन्हें अलग-अलग भूमिकाओं में उतरना पड़ा। कार्तिक ने साल 2004 में धोनी से तीन माह पहले भारतीय टीम की ओर से पदार्पण किया था पर शुरुआती कुछ मैचों के बाद ही धोनी के टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में अपनी जगह बना ली। जिससे उनके लिए जगह हासिल करना कठिन हो गया था।

हाल ही में एक कार्यक्रम में कार्तिक ने पुरानी बातों को याद कर कहा कि धोनी ने अपने करियर की शुरुआत में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया था। कार्तिक ने कहा, मैंने उन्हें ज्यादा खेलते नहीं देखा था पर केन्या में उस ए सीरीज के दौरान, हर कोई एक खिलाड़ी की चर्चा कर रहा था, क्योंकि वह कुछ नया लेकर आया था। जिस ताकत से वह गेंद को मारता था, लोगों का कहना था कि उन्होंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था। कुछ तो उनकी तुलना गैरी सोबर्स से भी कर रहे थे, जो अपने लंबे छक्कों के लिए जाने जाते थे। तब धोनी की तकनीक बिल्कुल अलग थी और वह गेंद को इतनी जोर से मार रहे थे जितना लोगों ने पहले कभी नहीं देखा था। उस समय यही चर्चा थी।

कार्तिक ने कहा, उस समय भारत राहुल द्रविड़ को विकेटकीपर के विकल्प के रूप में इस्तेमाल कर रहा था। लेकिन द्रविड़ ने बाद में ये भूमिका निभाने से इंकार कर दिया था। उन्होंने कहा, मैं केवल अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देना चाहता हूं। विकेटकीपिंग करने में मेरा शरीर बहुत मेहनत कर रहा है। इसलिए टीम ने एक अच्छे विकेटकीपर की तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान मुझे विकेटकीपिंग का अवसर मिला पर धोनी के आने के बाद हालात बदल गये। इसके बाद मुख्य विकेटकीपर की जिम्मेदारी उन्हें मिलने लगी। जब वह आए, तो उन्होंने सभी को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया। बहुत जल्द, वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी छा गये थे।

इस क्रिकेटर ने कहा, जब ऐसा कोई खिलाड़ी सामने आता है, तो आपको स्वयं से पूछना चाहिए कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ रूप सामने लाने के लिए क्या कर सकता हूं? इसलिए मैं अलग- अलग भूमिका में आने लगा। कहीं शुरुआती बल्लेबाज की जगह होती तो मैं उसके लिए पहुंच जाता था। इसी तरह मध्य क्रम में कोई जगह खाली होती, तो मैं वहाँ बल्लेबाजी करने का अनुरोध करता और हमेशा टीम में जगह बनाने के तरीके तलाशता रहा पर मेरे लिए उस जगह को बचाए रखना आसान नहीं था। मैं खुद पर इतना दबाव डालता था कि कई बार, मैं उस जगह के साथ न्याय नहीं कर पाता था जिसकी वास्तव में जरूरत थी।

उन्होंने आगे कहा, उस सफर में जो भी आपके सामने आए, उसके साथ तालमेल बिठाने का महत्व सीखा, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी, दृढ़ संकल्प और लचीलेपन की जरूरत। मैंने लगातार ऐसे काम किए जो ज्यादातर खिलाड़ियों के लिए असहज थे, जैसे अपने करियर के आखिरी पांच सालों में छठे या सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करना। लेकिन मैंने

उस भूमिका को अपनाया और उसमें सफलता पाने के लिए अपनी खूबियों का इस्तेमाल किया।

उद्धव ठाकरे के कई विधायक शिंदे गुट के संपर्क में, जल्द होंगे पार्टी में शामिल

–विधायक कृपाल तुमाने ने किया दावा– यूबीटी के लोग राउत के रवैये से तंग आ चुके

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव से पहले एक बार फिर हलचल तेज हो गई। शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक कृपाल तुमाने ने दावा किया है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के सिर्फ दो विधायकों को छोड़कर बाकी सभी विधायक एकनाथ शिंदे गुट के संपर्क में हैं और जल्द ही उनकी पार्टी में शामिल हो जाएंगे। तुमाने ने मंगलवार को कहा कि यूबीटी के लोग संजय राउत के रवैये से तंग आ चुके हैं। यही वजह है कि उनके दो विधायकों को छोड़कर बाकी सभी हमारे संपर्क में हैं। मुंबई के 80 फीसदी पूर्व नगरसेवक भी शिंदे गुट के साथ जुड़ने को तैयार हैं। उन्होंने दशहरा मेला के अवसर पर बड़े खुलासे और पार्टी प्रवेश समारोह की संभावना का भी जिक्र किया।

बता दें 2022 में महाराष्ट्र की राजनीति में उस समय भूचाल आ गया था, जब तत्कालीन सीएम उद्धव ठाकरे के खिलाफ एकनाथ शिंदे ने बगावत कर दी थी। इस बगावत के परिणामस्वरूप शिवसेना टूट गई और शिंदे के साथ 39 अन्य विधायकों ने उद्धव ठाकरे का साथ छोड़कर बीजेपी के साथ गठबंधन कर लिया था। इस घटना ने महाविकास अघाडी (एमवीए) गठबंधन सरकार, जिसमें शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-शरद गुट) और कांग्रेस शामिल थे, को सत्ता से बाहर कर दिया था। शिंदे गुट और उद्धव ठाकरे गुट के बीच तनातनी अब भी जारी है। फिलहाल, बीएमसी चुनाव से पहले शिंदे गुट का यह दावा महाराष्ट्र सियासत में बड़े बदलाव का संकेत है।

यह दावा ऐसे समय में भी किया जा रहा है, जब बीएमसी चुनाव से पहले ठाकरे ब्रदर्स एकजुट हो रहे हैं। करीब 20 साल के बाद राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे एक साथ आए हैं। इसके कारण महाराष्ट्र के राजनीतिक समीकरण पहले ही बदल चुके हैं। ठाकरे ब्रदर्स पहली परीक्षा में असफल रहे हैं। बता दें महाराष्ट्र में बेस्ट एम्प्लॉयीज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी के चुनावों में दोनों भाइयों उद्धव और राज ठाकरे की पार्टियों ने मिलकर चुनाव लड़ा था, लेकिन खाता भी नहीं खुला।

बिहार–छत्तीसगढ़ में हुई एफआईआर को जोड़ने की रामदेव की याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने योग गुरु बाबा रामदेव की याचिका पर सुनवाई टाल दी है जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ बिहार और छत्तीसगढ़ में हुई एफआईआर को जोड़ने की बात कही थी। सुप्रीम कोर्ट में रामदेव के खिलाफ छत्तीसगढ़ में दर्ज एफआईआर पर क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की जा चुकी है। बता दें ये मामला कोविड काल के दौरान एलोपैथी के खिलाफ टिप्पणी करने से जुड़ा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि अगर रामदेव के खिलाफ केवल बिहार में दर्ज एफआईआर ही बची है, तो क्या एफआईआर को एक साथ जोड़ने की उनकी याचिका बरकरार रहेगी? इस मामले में रामदेव के खिलाफ बिहार और छत्तीसगढ़ में एफआईआर दर्ज की गई थी। रामदेव इस मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे और दोनों एफआईआर को जोड़ने की मांग की थी जिसे सुप्रीम कोर्ट ने टाल दिया है। सुप्रीम कोर्ट को मंगलवार को कहा कि छत्तीसगढ़ के अधिकारियों ने योगगुरु और पतंजलि आयुर्वेद के संस्थापक रामदेव के खिलाफ कोविड-19 महामारी के दौरान एलोपैथिक दवाओं के खिलाफ की गई टिप्पणियों को लेकर दर्ज एफआईआर के संबंध में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है। इस पर जस्टिस एम एम सुंदरेश और जस्टिस सतीशचंद्र शर्मा की पीठ ने पूछा कि एफआईआर को एक साथ जोड़ने की रामदेव की याचिका बरकरार नहीं रह सकती क्योंकि बिहार में केवल एक एफआईआर ही लंबित है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस घटनाक्रम की जानकारी दी। सॉलिसिटर जनरल ने टिप्पणी की कि ये एफआईआर स्पष्ट रूप से प्रायोजित व्यक्तियों द्वारा दर्ज की गई थीं। रामदेव के वकील ने अनुरोध किया कि आदेश में बयान दर्ज किया जाए। हालांकि पीठ ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि यदि शिकायतकर्ता विरोध याचिका दायर करता है तो कार्यवाही फिर से शुरू हो सकती है और इसलिए मामले का निपटारा करने से पहले बिहार में दर्ज एफआईआर की स्थिति का पता लगाया जा सकता है।

राहुल गांधी मानहानि प्रकरण – गवाह की गवाही दर्ज, बचाव पक्ष की जिरह अधूरी

सुलतानपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में मंगलवार को अहम कार्यवाही हुई। अदालत में कोतवाली देहात क्षेत्र के पीताम्बरपुर निवासी गवाह अनिल मिश्र की गवाही दर्ज की गई। इस दौरान बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने गवाह से जिरह शुरू की, लेकिन जिरह पूरी नहीं हो सकी। न्यायालय ने शेष जिरह के लिए 23 सितंबर की तिथि नियत की है। परिवादी भाजपा नेता एवं कोआपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन विजय मिश्र के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि मामला वर्ष 2018 का है। 4 अगस्त को विजय मिश्र ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का वाद दाखिल किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने बेंगलुरु की एक जनसभा में उस समय भाजपा अध्यक्ष रहे अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इससे आहत होकर उन्होंने मुकदमा दर्ज कराया। जिसमे कोर्ट ने बीते साल 27 नवम्बर को राहुल गांधी को तलब करने का आदेश दिया था। कोर्ट में हाजिर होकर राहुल गांधी ने 20 फरवरी 2024 को जमानत कराई थी तथा 25 जुलाई को उनका बयान कोर्ट में दर्ज हुआ था। बयान में उन्होंने इस मुकदमे को राजनीतिक साजिश बताया था। अब न्यायालय में 23 सितंबर को गवाह से बचाव पक्ष की आगे की जिरह होगी, जिस पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

अब्बास अंसारी की राज्य विधानसभा सदस्यता बहाल

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा दो साल की जेल की सजा रद्द करने के बाद, उत्तर प्रदेश विधानसभा सचिवालय ने अब्बास अंसारी की राज्य विधानसभा सदस्यता बहाल करने का आदेश जारी किया है। अब्बास अंसारी 2022 में मऊ से विधायक चुने गए थे। 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान भड़काऊ भाषण देने के मामले में उन्हें 31 मई, 2025 को सांसद/विधायक कोर्ट ने दो साल की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उनकी विधायकी रद्द कर दी गई थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने लखनऊ के डालीबाग इलाके में गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी की अवैध रूप से कब्जा की गई जमीन को खाली कराया। इस जमीन पर 72 आवासीय फ्लैट बनाए गए हैं, जिनकी कीमत 9 लाख से 9.5 लाख के बीच है। इनका आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा और इसके लिए आवेदन प्रक्रिया जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है।

मालेगांव ब्लास्ट मामले में एनआईए अदालत के फैसले के खिलाफ याचिका, आदेश को दी गई चुनौती

मुंबई (एजेंसी)। 2008 के मालेगांव ब्लास्ट मामले में, पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और कर्नल पुरोहित सहित सात लोगों को एक विशेष एनआईए अदालत ने 31 जुलाई को बरी किया था। अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि उनके खिलाफ कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है और मात्र संदेह वास्तविक सबूत की जगह नहीं ले सकता। हालांकि, पीड़ितों में से एक, निसार अहमद सैयद बिलाल और पाँच अन्य लोगों ने फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि एनआईए अदालत का 31 जुलाई का आदेश गलत था और आदेश को रद्द किया जाना चाहिए। यह मामला महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को हुए एक विस्फोट से संबंधित है, जिसमें छह लोग मारे गए थे और 101 घायल हो गए थे। यह घटना एक दोपहिया वाहन में हुए विस्फोट के कारण हुई थी। अदालत ने कहा कि मामले को साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। यह भी कहा गया कि किसी भी सबूत के अभाव में आरोपियों को संदेह का लाभ मिलना चाहिए। न्यायाधीश ने कहा कि सभी साक्ष्य अभियुक्तों को दोषी ठहराने के लिए विश्वसनीय नहीं हैं। अदालत ने यह भी फैसला दिया कि इस मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते हैं। अदालत ने अभियोजन पक्ष के उस दावे को भी खारिज कर दिया कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल ठाकुर के नाम पर रजिस्टर्ड थी, यह साबित नहीं हो पाया था।

अपनी तस्वीरों के गलत इस्तेमाल को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट पहुंची ऐश्वर्या राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने दिल्ली हाई कोर्ट पहुंची है। ऐश्वर्या का आरोप है कि एक वेबसाइट उनकी तस्वीरों और एआई जनरेटेड तस्वीरों का इस्तेमाल कर अपने सामन बेच रही हैं, जो कानूनन अपराध है। इससे उनकी छवि प्रभावित हो रही है। न्यायमूर्ति तेजस करिया ने मौखिक रूप से संकेत दिया कि वह प्रतिवादियों को चेतावनी देकर एक अंतरिम आदेश पारित करुंगा। ऐश्वर्या राय की ओर से पेश वरिष्ठ वकील संदीप सेठी ने कहा कि अभिनेत्री अपने प्रचार और व्यक्तिगत अधिकारों का इस्तेमाल करना चाहती हैं। उन्होंने तर्क दिया कि कुछ पूरी तरह से अवास्तविक अंतरंग तस्वीरें इंटरनेट पर अपलोड की जा रही हैं। ऐश्वर्या के वकील सेठी ने तर्क दिया, उनकी (राय) तस्वीर, पसंद या व्यक्तित्व का उपयोग करने का आरोपियों के पास कोई अधिकार नहीं है। एक शख?स केवल मेरे नाम और चेहरे से पैसे बना रहे हैं। उनका नाम और पसंद किसी की यौन इच्छाओं की पूर्ति के लिए इस्तेमाल हो रही है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐश्वर्या राय की ओर से पैरवी करने वाले अधिकवक्ताओं में प्रवीन आनंद और ध्रुव आनंद भी शामिल हैं।

दिनदहाड़े एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या, पारिवारिक विवाद का मामला आया सामने

झांसी(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में झांसी के सीपरी बाजार इलाके में दिनदहाड़े एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना कथित तौर पर लंबे समय से चले आ रहे पारिवारिक विवाद के कारण हुई। पीड़ित की पत्नी ने दावा किया कि आधा दर्जन से ज़्यादा लोगों ने उसके पति पर गोलियां चलाईं और बैंक से निकाले गए 2 लाख रुपये लूट लिए। महिला ने बताया कि हमले के दौरान उसके साथ मारपीट हुई। 40 वर्षीय पीड़ित अपनी पत्नी के साथ बैंक से घर लौट रहा था, तभी हमलावरों ने गोलीबारी शुरू कर दी।

अरविंद केजरीवाल को अदालत से मिली विदेश जाने की अनुमति

सुलतानपुर (एजेंसी)। उप्र के सुलतानपुर की एक एमपी-एमएलए अदालत ने चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के मामले का सामना कर रहे आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल को विदेश यात्रा पर जाने की अनुमति दे दी। केजरीवाल के वकील रूद्र प्रताप सिंह मदन ने मंगलवार को बताया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल से संबंधित मामले की सुनवाई आठ सितंबर को हुई।

जिसके बाद अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने आदेश सुरक्षित रख लिया था और बाद में उन्हें विदेश जाने की अनुमति दे दी। आठ सितंबर को मदन ने संवाददाताओं को बताया था कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल के खिलाफ अमेठी में चुनाव आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया, ''इससे पहले, अदालत ने इस शर्त पर केजरीवाल को पासपोर्ट के नवीकरण की अनुमति दे दी थी कि वह विदेश यात्रा पर जाने से पहले अदालत की अनुमति लेंगे। आज, हमने अदालत से उस शर्त को हटाने का अनुरोध किया, क्योंकि उन्हें विदेश यात्रा पर जाना है। सुनवाई हुई और आदेश सुरक्षित रख लिया गया।''

उल्लेखनीय है कि अगस्त में, अदालत ने केजरीवाल को अपने पासपोर्ट का नवीकरण कराने की अनुमति दे दी थी और अदालत की पूर्व मंजूरी के बिना देश से बाहर नहीं जाने का निर्देश दिया था। केजरीवाल के खिलाफ यह मामला 2014 के लोकसभा चुनाव से जुड़ा है। उस समय केजरीवाल अमेठी में आप प्रत्याशी कुमार विश्वास का चुनाव प्रचार करने आए थे। इसी दौरान अमेठी जिले के गौरीगंज और मुसाफिरखाना थाने में उनके खिलाफ आदर्श आचार संहिता का कथित तौर पर उल्लंघन करने के लिये दो मामले दर्ज किए गए थे। केजरीवाल इन मामलों में जमानत पर हैं। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर वर्तमान में इस मामले में कार्यवाही स्थगित है।

ब्रिक्स का पूरा ध्यान अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाने पर होना चाहिए:जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी टैरिफ की वजह से विश्व में मची आर्थिक उथल-पुथल के बीच ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा के आह्वान पर ब्रिक्स समूह की एक आपातकालीन वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शामिल हुए। जबकि भारत की तरफ से विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने इस बैठक में भाग लिया।

जयशंकर ने अपने संबोधन की शुरुआत में ही टैरिफ संकट से पार पाने के लिए समूह को एक जरूरी सुझाव देते हुए कहा कि बीते कुछ वर्षों में दुनिया का सामना भीषण चुनौतियों और संघर्षों से हुआ है। जिन्हें देखते हुए वर्तमान में ब्रिक्स का पूरा ध्यान वैश्विक अर्थव्यवस्था और वर्ल्ड ऑर्डर को स्थिर बनाने पर केंद्रित होना चाहिए। साथ ही अमेरिका का नाम लिए बगैर उसे संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि विश्व को रचनात्मकता और सहयोग की भावना के साथ व्यापार को बढ़ावा देना चाहिए। बाधाओं को बढ़ाना और वित्तीय आदान-प्रदान को जटिल बनाना कहीं से भी मददगार साबित नहीं होगा। गौरतलब है कि अमेरिका ने ब्रिक्स देशों पर ही सबसे ज्यादा टैरिफ लगाया है। जिसमें भारत पर 50 फीसदी, ब्राजील पर 50 फीसदी, चीन पर 30 फीसदी और दक्षिण अफ्रीका पर भी 30 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। इसके अलावा अमेरिका के राष्ट्रपति ने रूस पर द्वितीयक पाबंदियां बढ़ाने को लेकर भी अपनी मंशा साफ कर दी है। जिससे रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ में और अधिक बढ़ोतरी की आशंका गहरा गई है। भारत भी इसमें शामिल है।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी से लेकर यूक्रेन, मध्य-पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों, व्यापार-निवेश संकट और अप्रत्याशित जलवायु संबंधी घटनाओं ने न केवल सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के हमारे एजेंडे की रफ्तार को धीमा किया है। बल्कि दुनियाभर में फेल हो रही बहुपक्षीय व्यवस्था के सच को भी उजागर कर दिया है। गंभीर तनाव के कई मुद्दे आज भी बिना किसी समाधान के यूं ही पड़े हुए हैं। जिनका विश्व व्यवस्था पर प्रभाव पड़ रहा है। यह एक सामूहिक चिंता का मसला है। जयशंकर ने कहा कि ब्रिक्स हालांकि विविधतापूर्ण समाज का प्रतिनिधित्व करता है। जिस पर उक्त घटनाक्रमों का गहराई से प्रभाव पड़ता है। पूर्व में समूह देश अपनी राष्ट्रीय नीतियों के मद्देनजर एक समान विचार को खोजते थे। जिसके तहत हमें आगे बढ़ना होता था। लेकिन आज हमारा ध्यान वैश्विक अर्थव्यवस्था और वर्ल्ड ऑर्डर की स्थिरता पर केंद्रित होना चाहिए। लेकिन यहां ये भी महत्वपूर्ण है कि हम अपना ध्यान संघर्षों पर भी लेकर जाएं। क्योंकि इनका विकास और सप्लाई चेन प्रभावों से सीधा संबंध है। उन्होंने ब्रिक्स के अन्य भागीदार देशों के राष्ट्राध्यक्षों का ध्यान न्यूयॉर्क में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के आगामी सत्र की ओर ले जाते हुए कहा कि यह हमारे लिए अवसर होगा। जब हम बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधारों को लेकर विचारों का आदान-प्रदान कर सकते हैं। यूएनएससी और यूएन में सुधारों की नितांत आवश्यकता पर जयशंकर ने बल देते हुए कहा कि ब्रिक्स को इसके लिए सामूहिक रूप से आवाज उठानी चाहिए।

ग्लोबल साउथ की अनदेखी पड़ेगी भारी

विदेश मंत्री ने कहा कि मौजूदा समय में जारी संघर्षों का तत्काल समाधान ढूंढने की आवश्यकता है। ग्लोबल साउथ के देश खासतौर पर खाद्य, ऊर्जा और उर्वरक संकट से जूझ रहे हैं। जब शिपिंग को निशाना बनाया जाता है तो उससे केवल व्यापार ही नहीं बल्कि जीविका पर भी खतरा उत्पन्न हो जाता है। चुनिंदा संरक्षण वैश्विक जवाब नहीं बन सकता है। शत्रुता को शीघ्र समाप्त करने और कूटनीति के मार्ग पर लौटना ही एक मजबूत और वास्तविक समाधान है। उन्होंने कहा कि भले ही दुनिया नीतिगत चुनौतियों का सामना कर रही है। लेकिन हमें बड़ी समस्याओं जैसे जलवायु परिवर्तन से मुंह नहीं चुराना चाहिए। यह बेहद दुखद है कि आज की हकीकत में जलवायु कदम और जलवायु न्याय जैसे मुद्दे पिछड़ते हुए नजर आ रहे हैं। इस संबंध में हमें नए विचारों और कदमों की जरूरत है। जयशंकर ने भारत द्वारा उठाए गए ग्लोबल सोलर अलायंस, सीडीआरआई और ग्लोबल बॉयोफ्यूल अलायंस का भी उल्लेख किया।

अगले साल अप्रैल से शुरु होगी पहली पूर्ण डिजिटल जनगणना

–34 लाख कर्मचारी स्मार्टफोन से इस काम को देंगे अंजाम

नई दिल्ली(एजेंसी)। अगले साल शुरु होने वाली जनगणना देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी। इस कार्य में लगने वाले 34 लाख प्रगणक यानी कर्मचारी पहली बार अपने ही स्मार्टफोन से इस काम को अंजाम देंगे। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भारत के महापंजीयक द्वारा तैनात किए गए पर्यवेक्षक और ऐसे कर्मचारी जनगणना कार्य के लिए अपने एंड्रॉयड या आईओएस ऑपरेटिंग सिस्टम वाले फोन से डेटा एकत्र कर एक ऐप के जरिए सेंट्रल सर्वर में डेटा ट्रांसफर करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सभी जनगणना कर्मी इस प्रक्रिया में एक ऐसे मोबाइल एप्लीकेशन ऐप का इस्तेमाल करेंगे, जिसे 2021 की जनगणना कार्य के लिए डेवलप किया गया था। यह एप्लिकेशन एंड्रॉइड और आईओएस दोनों ऑपरेटिंग सिस्टम के फोन को सपोर्ट करेगा और अंग्रेजी के साथ अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में भी ऐप उपलब्ध होंगे। सूत्रों के मुताबिक चार साल पुराने इस एप्लिकेशन में अब कई तकनीकी सुधार किए गए हैं, ताकि कोई भी जनगणना कर्मी इसे सहजता और सरलता से चला सके और सेंसस के लिए डेटा उसमें अपलोड कर सके।

बता दें इससे पहले 2011 में हुई सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना में भी गणना कर्मियों ने बिना कागज के इस काम को अंजाम दिया था, लेकिन तब उन्हें इस काम के लिए टैबलेट दिए गए थे, जिसे भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने उपलब्ध कराए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्ण डिजिटल जनगणना होने से 2027 की जनगणना में पहली बार सभी आवासीय और गैर-आवासीय भवनों की जियो-टैगिंग होगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि किसी कारणवश अगर कोई जनगणना कर्मी कागज पर कोई डेटा इकट्ठा करता है, तो उसे एक डेडिकेटेड वेब पोर्टल पर अपलोड करना होगा ताकि बाद में उसकी स्कैनिंग करने या उस डेटा की एंट्री की जरूरत महसूस न हो। इसका मतलब यह है कि पहली बार ऐसा होगा जब जनगणना के हर तरह के आंकड़े जनगणना काम में लगे कर्मियों के स्तर पर ही डिजिटल कर दिया जाएगा। इससे जनगणना के नतीजे जल्दी आने की संभावना है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आने वाला भारत के महापंजीयक का कार्यालय, इस पूरी प्रक्रिया की रियल टाइम निगरानी और उसका प्रबंधन करने के लिए एक वेबसाइट भी विकसित कर रहा है। आरजीआई ने जनगणना के लिए 14,618.95 करोड़ रुपए का बजट मांगा है। बता दें 2027 की जननणा दो चरणों में होगी। पहला चरण अप्रैल से सितंबर 2026 तक चलेगा, जिसमें मकान सूचीकरण का काम किया जाएगा। इसके बाद दूसरा चरण शुरू होगा, जो फरवरी 2027 में पूरे देश में शुरू होगी। इसमें जनसंख्या गणना का काम पूरा किया जाएगा। लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में यह काम सितंबर 2026 में ही पूरा कर लिया जाएगा। आगामी जनगणना में, घर के सदस्यों की जातियों की गणना भी की जाएगी, साथ ही लोगों के पास स्वयं गणना करने का विकल्प भी होगा।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 1 लाख करोड़ का ग्रॉस लोन बुक हासिल करने का रोडमैप किया तैयार

एजेंसी

समस्तीपुर : उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक (उज्जीवन एसएफबी) ने वित्त वर्ष 2030 तक 1 लाख करोड़ रूपए की ग्रॉस लोन बुक (जीएलबी) हासिल करने के लिए अपनी रणनीतिक योजना तैयार की है। बैंक की यह योजना 2017 में स्मॉल फाइनेंस बैंक के रूप में परिचालन शुरू करने के बाद से हुई प्रगति पर आधारित है। बैंक का यह विकास लायबिलिटी फ्रेंचाइजी के निरंतर विस्तार, एसेट प्रोडक्ट सूट की पहुँच को गहरा करने और लागत-अनुकूल परिचालन के निर्माण पर केंद्रित है, जिससे उच्च और स्थायी लाभप्रदता मिल सके।

विविध लोन पोर्टफोलियोः उज्जीवन अपने लोन पोर्टफोलियो में धीरे-धीरे विविधता लाया है, जहाँ वित्त वर्ष 2019 में सिक्योर्ड लेंडिंग 16% थी, वहीं वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही तक यह बढ़कर 46% हो गई है। बैंक का लक्ष्य किफायती आवास, माइक्रो मॉर्गेज, एमएसएमई लेंडिंग, वाहन वित्त, गोल्ड लोन और कृषि ऋणों में वृद्धि के साथ अपने सिक्योर्ड लोन बुक की हिस्सेदारी को लगभग 65%-70% तक बढ़ाना है। इसके अतिरिक्त, बैंक मिड कॉर्पोरेट लेंडिंग के लिए उत्पाद जोड़कर अपने प्रोडक्ट सूट का विस्तार करना चाहता है। हालाँकि, माइक्रो बैंकिंग पोर्टफोलियो, जिसमें मुख्य रूप से ग्रुप लोन शामिल हैं, स्केल का आधार है, लेकिन बैंक का इरादा है कि जैसे-जैसे ग्राहक प्रगति करेंगे, वे व्यक्तिगत ऋणों का पोर्टफोलियो भी बढ़ाएँगे।

लायबिलिटी फ्रेंचाइजीः उज्जीवन ने एक ग्रेन्युलर लायबिलिटी फ्रेंचाइजी का निर्माण किया है, जिसमें वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही तक कुल 38,619 करोड़ रुपए के डिपॉजिट बेस में से खुदरा डिपॉजिट (सीएएसए और रिटेल टर्म डिपॉजिट) 72% हैं। सीएएसए बैलेंस 9,381 करोड़ रुपए था, जो डिपॉजिट का 24.3% है और इसका दीर्घकालिक उद्देश्य वित्त वर्ष 2030 तक कुल डिपॉजिट का 35% तक सीएएसए पहुँचाना है। इस विकास को शाखा नेटवर्क के नियोजित विस्तार (752 से लगभग 1,150 शाखाओं तक), विस्तारित ग्राहक आधार तक गहरी क्रॉस-सेल और आईपीओ-एएसबीए, म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूशन, रेमिटेंस और को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड सहित उत्पादों के सूट द्वारा समर्थित किया जाएगा।

लाभप्रदता और जोखिम प्रोफाइलः जैसे-जैसे बैंक अपने निष्पादन को बढ़ाएगा, मुख्य फोकस क्षेत्रों में अपनी टेक्नोलॉजी/डिजिटल स्टैक के ढाँचे को अनुकूलित करना, सही आकार के कर्मचारियों की संख्या, परिचालन खर्चों को तर्कसंगत बनाना, उत्पादकता बढ़ाना और अपनी शाखा तथा अन्य भौतिक बुनियादी ढाँचे का विवेकपूर्ण रोल आउट करना होगा।

अयोध्या का दीपोत्सव रचेगा नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, 26 लाख से ज्यादा दीपक करेंगे रामनगरी को रोशन

अयोध्या (एजेंसी)। रामनगरी अयोध्या में एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। पर्यटन विभाग द्वारा सरयू नदी के तट, राम की पैड़ी और अन्य घाटों पर दीपों की अनूठी श्रृंखला सजाकर एक मनमोहक दृश्य प्रस्तुत किया जाएगा। इस बार अयोध्या का दीपोत्सव अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए तैयार है।

पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि आयोजन की तैयारियां पूरे उत्साह के साथ चल रही हैं। अयोध्या में 2017 से दीपोत्सव को भव्य और आध्यात्मिक रूप से मनाया जा रहा है। इस परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष सरयू तट पर सबसे विशाल दीप प्रज्वलन और भव्य आरती समारोह का आयोजन होगा। इस बार 26 लाख से अधिक दीपकों के साथ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री ने कहा कि दीपोत्सव न केवल अयोध्या के सांस्कृतिक गौरव को उजागर करता है, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रसिद्धि दिलाएगा। उन्होंने बताया कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह दूसरा दीपोत्सव होगा, जिसे और भी भव्यता के साथ मनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। राम की पैड़ी और अन्य घाटों पर 26 लाख से ज्यादा दीपक जलाकर नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया जाएगा।

इसके साथ ही सरयू तट पर अब तक की सबसे विशाल आरती का आयोजन होगा, जिसमें 1100 से अधिक संत-महात्मा, धर्माचार्य और स्थानीय लोग हिस्सा लेंगे। आयोजन से तीन दिन पहले तैयारियां शुरू हो जाएंगी, और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के मानकों के अनुसार डिजाइन और समन्वय का कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर छात्र और स्वयंसेवक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वे दीपकों की सजावट, प्रज्वलन, गिनती और सत्यापन जैसे कार्यों को गिनीज मानकों के अनुसार पूरा करेंगे। पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, अवध विश्वविद्यालय और अन्य संस्थाएं इस आयोजन के लिए लगातार समन्वय कर रही हैं। पर्यटन और संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि दीपोत्सव हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। इस वर्ष अयोध्या में होने वाला दीपोत्सव पिछले वर्षों की तुलना में और भी भव्य होगा, और इसके लिए सभी तैयारियां पूरी की जा रही हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**